UGC NET 2021 Philosophy

Topic:- GP_20NOV_A_SH2

1)

The given table presents the percentage distribution of teachers and ratio of male to female teachers working in a university in six different subjects (A-F). There is a total number of 1600 teachers in the University. Based on the data in the table, answer the questions that follow

Subject-wise Distribution of Teachers

Subjects	Percentage (%) of Teachers	Ratio of Male to Female Teachers
A	13%	1:7
B	18%	5:3
C	12%	1:3
D	21%	3:4
E	14%	9:5
F	22%	7:9

सारणी में दिए गए आँकड़ों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

निम्नलिखित सारणी किसी विश्वविद्यालय में अलग - अलग विषयों में (ए-एफ) कार्यरत अध्यापकों का प्रतिशत बंटन और अध्यापकों तथा अध्यापिकाओं के अनुपात को प्रस्तुत करती है विश्वविद्यालय में कुल अध्यापकों की संख्या 1600 है सारणी में दिये गये आँकड़ो के आधार पर प्रश्न 1-5 तक के उत्तर दें :

अध्यापकों का विषयवार बंटन :

विषय	अध्यापकों की प्रतिशतता (%)	अध्यापक और अध्यापिकाओं की प्रतिशतता
A	13%	1:7
B	18%	5:3
C	12%	1:3
D	21%	3:4
E	14%	9:5
F	22%	7:9

Total number of teachers in Subject-C is approximately what percent of the total number of female teachers in Subject-D and Subject-A together?

विषय-C में अध्यापकों की कुल संख्या, विषय-D और विषय-A में सम्मिलित रुप से अध्यापिकाओं की कुल संख्या का प्रतिशत है ?

[Question ID = 3626][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q01]

1. 58

   [Option ID = 14501]
2. 43

   [Option ID = 14502]
3. 47

   [Option ID = 14503]
4. 51

   [Option ID = 14504]

Correct Answer :-

- 58

  [Option ID = 14501]

2)

The given table presents the percentage distribution of teachers and ratio of male to female teachers working in a university in six different subjects (A-F). There is a total number of 1600 teachers in the University. Based on the data in the table, answer the questions that follow

Subject-wise Distribution of Teachers

Subjects	Percentage (%) of Teachers	Ratio of Male to Female Teachers
A	13%	1:7
B	18%	5:3
C	12%	1:3
D	21%	3:4
E	14%	9:5
F	22%	7:9

सारणी में दिए गए आँकड़ों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

निम्नलिखित सारणी किसी विश्वविद्यालय में अलग - अलग विषयों में (ए-एफ) कार्यरत अध्यापकों का प्रतिशत बंटन और अध्यापकों तथा अध्यापिकाओं के अनुपात को प्रस्तुत करती है विश्वविद्यालय में कुल अध्यापकों की संख्या 1600 है सारणी में दिये गये आँकड़ो के आधार पर प्रश्न 1-5 तक के उत्तर दें :

अध्यापकों का विषयवार बंटन :

विषय	अध्यापकों की प्रतिशतता (%)	अध्यापक और अध्यापिकाओं की प्रतिशतता
A	13%	1:7
B	18%	5:3
C	12%	1:3
D	21%	3:4
E	14%	9:5
F	22%	7:9

What is the difference between the total number of teachers in Subject-F and the total number of male teachers in Subject-A and Subject-B together?

विषय-F में कुल अध्यापकों की संख्या और विषय-A तथा विषय-B में सम्मिलित रुप से अध्यापकों की संख्या के बीच कितना अंतर है ?

[Question ID = 3627][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q02]

1. 192

   [Option ID = 14505]
2. 182

   [Option ID = 14506]
3. 146

   [Option ID = 14507]
4. 136

   [Option ID = 14508]

Correct Answer :-

- 192

  [Option ID = 14505]

3)

The given table presents the percentage distribution of teachers and ratio of male to female teachers working in a university in six different subjects (A-F). There is a total number of 1600 teachers in the University. Based on the data in the table, answer the questions that follow

Subject-wise Distribution of Teachers

Subjects	Percentage (%) of Teachers	Ratio of Male to Female Teachers
A	13%	1:7
B	18%	5:3
C	12%	1:3
D	21%	3:4
E	14%	9:5
F	22%	7:9

सारणी में दिए गए आँकड़ों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

निम्नलिखित सारणी किसी विश्वविद्यालय में अलग - अलग विषयों में (ए-एफ) कार्यरत अध्यापकों का प्रतिशत बंटन और अध्यापकों तथा अध्यापिकाओं के अनुपात को प्रस्तुत करती है विश्वविद्यालय में कुल अध्यापकों की संख्या 1600 है सारणी में दिये गये आँकड़ो के आधार पर प्रश्न 1-5 तक के उत्तर दें :

अध्यापकों का विषयवार बंटन :

विषय	अध्यापकों की प्रतिशतता (%)	अध्यापक और अध्यापिकाओं की प्रतिशतता
A	13%	1:7
B	18%	5:3
C	12%	1:3
D	21%	3:4
E	14%	9:5
F	22%	7:9

What is the difference between the number of female teachers in Subject-F and the number of male teachers in Subject-C?

विषय-F में अध्यापिकाओं की संख्या और विषय-C में अध्यापकों की संख्या के बीच कितना अंतर है ?

[Question ID = 3628][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q03]

1. 156

   [Option ID = 14509]
2. 160

   [Option ID = 14510]
3. 150

   [Option ID = 14511]
4. 153

   [Option ID = 14512]

Correct Answer :-

- 156

  [Option ID = 14509]

4)

The given table presents the percentage distribution of teachers and ratio of male to female teachers working in a university in six different subjects (A-F). There is a total number of 1600 teachers in the University. Based on the data in the table, answer the questions that follow

Subject-wise Distribution of Teachers

Subjects	Percentage (%) of Teachers	Ratio of Male to Female Teachers
A	13%	1:7
B	18%	5:3
C	12%	1:3
D	21%	3:4
E	14%	9:5
F	22%	7:9

सारणी में दिए गए आँकड़ों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

निम्नलिखित सारणी किसी विश्वविद्यालय में अलग - अलग विषयों में (ए-एफ) कार्यरत अध्यापकों का प्रतिशत बंटन और अध्यापकों तथा अध्यापिकाओं के अनुपात को प्रस्तुत करती है विश्वविद्यालय में कुल अध्यापकों की संख्या 1600 है सारणी में दिये गये आँकड़ो के आधार पर प्रश्न 1-5 तक के उत्तर दें :

अध्यापकों का विषयवार बंटन :

विषय	अध्यापकों की प्रतिशतता (%)	अध्यापक और अध्यापिकाओं की प्रतिशतता
A	13%	1:7
B	18%	5:3
C	12%	1:3
D	21%	3:4
E	14%	9:5
F	22%	7:9

What is the total number of male teachers in the University?

विश्वविद्यालय में अध्यापकों की कुल संख्या कितनी है ?

[Question ID = 3629][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q04]

1. 696

   [Option ID = 14513]
2. 702

   [Option ID = 14514]
3. 712

   [Option ID = 14515]
4. 668

   [Option ID = 14516]

Correct Answer :-

- 696

  [Option ID = 14513]

5)

The given table presents the percentage distribution of teachers and ratio of male to female teachers working in a university in six different subjects (A-F). There is a total number of 1600 teachers in the University. Based on the data in the table, answer the questions that follow

Subject-wise Distribution of Teachers

Subjects	Percentage (%) of Teachers	Ratio of Male to Female Teachers
A	13%	1:7
B	18%	5:3
C	12%	1:3
D	21%	3:4
E	14%	9:5
F	22%	7:9

सारणी में दिए गए आँकड़ों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

निम्नलिखित सारणी किसी विश्वविद्यालय में अलग - अलग विषयों में (ए-एफ) कार्यरत अध्यापकों का प्रतिशत बंटन और अध्यापकों तथा अध्यापिकाओं के अनुपात को प्रस्तुत करती है विश्वविद्यालय में कुल अध्यापकों की संख्या 1600 है सारणी में दिये गये आँकड़ो के आधार पर प्रश्न 1-5 तक के उत्तर दें :

अध्यापकों का विषयवार बंटन :

विषय	अध्यापकों की प्रतिशतता (%)	अध्यापक और अध्यापिकाओं की प्रतिशतता
A	13%	1:7
B	18%	5:3
C	12%	1:3
D	21%	3:4
E	14%	9:5
F	22%	7:9

Which is the ratio of the number of female teachers in Subject-E to the number of male teachers in Subject-D?

विषय-E में अध्यापिकाओं की संख्या के प्रतिशत का अनुपात विषय-D में अध्यापकों की संख्या का कितना है ?

[Question ID = 3630][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q05]

1. 5 : 9

   [Option ID = 14517]
2. 2 : 9

   [Option ID = 14518]
3. 3 : 7

   [Option ID = 14519]
4. 5 : 3

   [Option ID = 14520]

Correct Answer :-

- 5 : 9

  [Option ID = 14517]

Topic:- GP_20NOV_B_SH2

1) The variability or flexibility of delivery during the presentation of a lesson by a teacher is called as

एक अध्यापक द्वारा पाठ के प्रस्तुतीकरण के दौरान प्रस्तुति के परिवर्तनशीलता अथवा नम्यता को किस रुप में जाना जाता है ?

[Question ID = 3631][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q06]

1. Thinking curriculum/चिंतन पाठ्यक्रम [Option ID = 14521]
2. Instructional variety/नैमित्तिक विविधता [Option ID = 14522]
3. Comprehension/समझ [Option ID = 14523]
4. Procedural knowledge/प्रक्रियात्मक ज्ञान [Option ID = 14524]

Correct Answer :-

- Thinking curriculum/चिंतन पाठ्यक्रम [Option ID = 14521]

2) Ministry of Education, Government of India's, SWAYAM platform for offering MOOCs has how many quadrants for designing courses?

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित एम.ओ.ओ. सी. (MOOCs) प्रदान करने हेतु स्वयं (SWAYAM) मंच के कोर्स को बनाने (डिजाइनिंग) के लिए कितने चतुर्थक है ?

[Question ID = 3632][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q07]

1. 2 Quadrants/2 चतुर्थक [Option ID = 14525]
2. 4 Quadrants/4 चतुर्थक [Option ID = 14526]
3. 6 Quadrants/6 चतुर्थक [Option ID = 14527]
4. 8 Quadrants/8 चतुर्थक [Option ID = 14528]

Correct Answer :-

- 2 Quadrants/2 चतुर्थक [Option ID = 14525]

3) Given below are two statements

Statement I: All components of working memory are in place by the age of 4 in a child as a development stage

Statement II: If a child does not continue to pay attention to information, the activation level weakens and finally drops so low that the information cannot be reactivated and it disappears altogether

In light of the above statements, choose the *most appropriate* answer from the options given below

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : विकास की अवस्था के रुप में 4 वर्ष की उम्र के बालक में क्रियाशील स्मृति के सभी घटक अपने स्थान पर होते हैं

कथन - II : सूचनाओं के प्रति यदि एक बालक लगातार ध्यान नहीं देता, तो उत्प्रेरण स्तर कमजोर होता है और अन्त में इतना गिर जाता है कि सूचना को पुनः उत्प्रेरित नहीं किया जा सकता और यह पूर्णरुप से विलुप्त हो जाता है

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

[Question ID = 3633][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q08]

1. Both Statement I and Statement II are correct/कथन I और II दोनों सही हैं [Option ID = 14529]
2. Both Statement I and Statement II are incorrect/कथन I और II दोनों गलत हैं [Option ID = 14530]
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect/कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत है [Option ID = 14531]
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct/कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही है [Option ID = 14532]

Correct Answer :-

- Both Statement I and Statement II are correct/कथन I और II दोनों सही हैं [Option ID = 14529]

4) Match List I with List II

Neural system of Brain	Type of Memory
A. Conscious	I. Implicit Memory
B. Unconscious	II. Procedural Memory
C. Motor skills	III. Explicit Memory
D. Own experiences	IV. Episodic Memory

Choose the correct answer from the options given below:

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
(मस्तिष्क का न्यूरॉन संबंधी तंत्र)	(स्मृति पूकार)
A. चेतन	I. अंतर्निहित स्मृति
B. अचेतन	II. कार्यविधिक स्मृति

C. पेशीय कौशल (मोटर स्किल्स)	III. सुव्यक्त स्मृति
D. आत्मानुभव	IV. सांयोगिक स्मृति

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

[Question ID = 3634][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q09]

1. A - IV, B - III, C - I, D - II [Option ID = 14533]
2. A - III, B - I, C - II, D - IV [Option ID = 14534]
3. A - I, B - II, C - IV, D - III [Option ID = 14535]
4. A - II, B - IV, C - III, D - I [Option ID = 14536]

Correct Answer :-

- A - IV, B - III, C - I, D - II [Option ID = 14533]

5) Cognitive domain for behavioural objectives comprises which of these objectives?

A. Evaluation

B. Valuing

C. Comprehension

D. Precision

E. Knowledge

Choose the *correct* answer from the options given below:

व्यवहारवादी उद्देश्यों के लिए संज्ञानात्मक क्षेत्र में इन उद्देश्यों को समाविष्ट किया जाता है :

A. मूल्यांकन

B. मूल्य निर्धारण करना

C. समझ

D. यथार्थता

E. ज्ञान

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

[Question ID = 3635][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q10]

1. A, B and C only/केवल A, B, C

   [Option ID = 14537]
2. B, C and D only/केवल B, C, D

   [Option ID = 14538]
3. A, C and E only/केवल A, C, E

   [Option ID = 14539]
4. C, D and E only/केवल C, D, E

   [Option ID = 14540]

Correct Answer :-

- A, B and C only/केवल A, B, C

  [Option ID = 14537]

6) During research when we avoid speculative and metaphysical approaches and instead concentrate on studying observable facts, it is called:

शोध के दौरान जब हम मीमांसात्मक और तात्विक दृष्टिकोणों से बचते हैं और प्रेक्षणीय तथ्यों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं तो इसे निम्नलिखित में से क्या कहा जाता है :

[Question ID = 3636][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q11]

1. Feminism/नारीवाद [Option ID = 14541]
2. Ethnomethodology/नृजातिविज्ञान [Option ID = 14542]
3. Constructionism/संरचनात्मकता [Option ID = 14543]
4. Positivism/निश्चयात्मकता [Option ID = 14544]

Correct Answer :-

- Feminism/नारीवाद [Option ID = 14541]

7) In research, the combination of different methods, study groups, local and temporal settings, and different theoretical perspectives in dealing with a phenomenon is called:

किसी परिघटना के संबंध में कार्य करते समय शोध में विभिन्न पद्धतियों, अध्ययन समूहों स्थानीय और अस्थायी विन्यासों के संयोजन को कहते हैं :

[Question ID = 3637][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q12]

1. Triangulation/त्रिभुजन [Option ID = 14545]
2. Content analysis/विषय सामग्री विश्लेषण [Option ID = 14546]
3. Corpus/कार्पस [Option ID = 14547]
4. Mediation/मध्यस्थता [Option ID = 14548]

Correct Answer :-

- Triangulation/त्रिभुजन [Option ID = 14545]

8) Identify the CORRECT sequence of steps for the centroid method of factor analysis

A. Work out the sum of coefficients in each column of the correlation matrix

B. Compute a matrix of correlation

C. Obtain the Sum (T) of columns

D. Divide the sum of each column by the square root of (T)

Choose the *correct* answer from the options given below

फैक्टर विश्लेषण की केन्द्रक पद्धति के लिए कदमों के सहीक्रम की पहचान करें :

A. सहसंबंध मैट्रिक्स के प्रत्येक कालम में गुणांकों का योगफल निकालें

B. सहसंबंध के मैट्रिक्स की गणना करें

C. कालमों का योगफल (T) प्राप्त करें

D. प्रत्येक कालम के योगफल को (T) के वर्गमूल से विभाजित करें

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

[Question ID = 3638][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q13]

1. A, C, D, B [Option ID = 14549]
2. C, B, A, D [Option ID = 14550]
3. B, A, C, D [Option ID = 14551]
4. B, C, A, D [Option ID = 14552]

Correct Answer :-

- A, C, D, B [Option ID = 14549]

9) Match List I with List II for scale construction techniques

List I	List II
A. Arbitrary approach	I. Number of individual items are developed into a test which is given to a group of respondents
B. Consensus approach	II. Scale is developed on an ad-hoc basis
C. Item Analysis approach	III. Chosen on the basis of their conforming to some ranking of items with ascending and descending discriminating power
D. Cumulative scales	IV. Panel of Judges evaluate the items chosen for inclusion in the instrument

Choose the correct answer from the options given below:

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. यादृच्छिक दृष्टिकोण	I. अलग-अलग मदों की संख्या को एक पाठ में विकसित किया जाता है जिसे उत्तरदाताओं के समूह को दिया जाता है
B. सर्वसम्मत दृष्टिकोण	II. तदर्थ आधार पर पैमाने को विकसित किया जाता है

C. मद विश्लेषण दृष्टिकोण	III. आरोही और अवरोही विभेदकारी शक्ति सहित कुछ मदों की श्रेणीकरण की अनुरुपता के आधार पर चयनित
D. संचयी पैमाना	IV. लिखत में शामिल करने के लिए चुनी गई मदों का मूल्यांकन करने के लिए निर्णायकों का पैनल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

[Question ID = 3639][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q14]

1. A - III, B - II, C - I, D - IV

   [Option ID = 14553]
2. A - II, B - IV, C - I, D - III

   [Option ID = 14554]
3. A - I, B - III, C - II, D - IV

   [Option ID = 14555]
4. A - IV, B - I, C - III, D - II

   [Option ID = 14556]

Correct Answer :-

- A - III, B - II, C - I, D - IV

  [Option ID = 14553]

10) Given below are two statements

Statement I: The base of the binary number system is 2.

Statement II: Binary addition is just like decimal addition except that the rules are much simpler.

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : द्विआधारी संख्या प्रणाली का आधार 2 है

कथन - II : द्विआधारी योग, दशमलव जोड़ के समान ही होता है सिवाय इसके कि नियम काफी सरल हैं

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

[Question ID = 3640][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q15]

1. Both Statement I and Statement II are true/कथन I और II दोनों सत्य हैं [Option ID = 14557]
2. Both Statement I and Statement II are false/कथन I और II दोनों असत्य हैं [Option ID = 14558]
3. Statement I is true but Statement II is false/कथन I सत्य है , किन्तु कथन II असत्य है [Option ID = 14559]
4. Statement I is false but Statement II is true/कथन I असत्य है , किन्तु कथन II सत्य है [Option ID = 14560]

Correct Answer :-

- Both Statement I and Statement II are true/कथन I और II दोनों सत्य हैं [Option ID = 14557]

11) More and more informal exchanges within a group to resolve conflicts is an example of

टकरावों का समाधान करने के लिए एक समूह के भीतर अधिक से अधिक अनौपचारिक आदान-प्रदान उदाहरण है -

[Question ID = 3641][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q16]

1. Vertical communication/उर्ध्वाधर संप्रेषण का [Option ID = 14561]
2. Horizontal communication/क्षैतिज संप्रेषण का [Option ID = 14562]
3. Risk communication/जोखिम संप्रेषण का [Option ID = 14563]
4. Personal communication/वैयक्तिक संप्रेषण का [Option ID = 14564]

Correct Answer :-

- Vertical communication/उर्ध्वाधर संप्रेषण का [Option ID = 14561]

12) Which of the following are identified as verbal communication skills?

A. Use of aggressive language

B. Assertiveness

C. Opening feedback channels

D. Taking credit for oneself

E. Use of affirmative words

Choose the *correct* answer from the options given below:

निम्नलिखित में से किसकी पहचान वाचिक संप्रेषण कौशल के रुप में की जाती है

A. आक्रामक भाषा का प्रयोग

B. आग्रहिता

C. फीडबैक के चैनलों का प्रावधान

D. स्वयं को श्रेय देना

E. स्वीकारात्मक शब्दों का प्रयोग

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

[Question ID = 3642][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q17]

1. A, B and C only/केवल A, B और C [Option ID = 14565]
2. B, C and D only/केवल B, C और D [Option ID = 14566]
3. C, D and E only/केवल C, D और E [Option ID = 14567]
4. B, C and E only/केवल B, C और E [Option ID = 14568]

Correct Answer :-

- A, B and C only/केवल A, B और C [Option ID = 14565]

13) Given below are two statements

Statement I: Body language is the basis of deceptive communication.

Statement II: Non-verbal cues have their own shared meanings.

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : सांकेतिक भाषा, भ्रामक भाषा का आधार होती है

कथन - II : गैर-वाचिक संकेतों का अपना साझा अर्थ होता है

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

[Question ID = 3643][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q18]

1. Both Statement I and Statement II are true/कथन I और II दोनों सत्य हैं [Option ID = 14569]
2. Both Statement I and Statement II are false/कथन I और II दोनों असत्य हैं [Option ID = 14570]
3. Statement I is true but Statement II is false/कथन I सत्य है , किन्तु कथन II असत्य है [Option ID = 14571]
4. Statement I is false but Statement II is true/कथन I असत्य है , किन्तु कथन II सत्य है [Option ID = 14572]

Correct Answer :-

- Both Statement I and Statement II are true/कथन I और II दोनों सत्य हैं [Option ID = 14569]

14) Identify the CORRECT sequence of categories of grapevine communication

A. Cluster chain

B. Probability chain

C. Gossip chain

D. Single strand chain

Choose the *correct* answer from the options given below

जनप्रवाद संप्रेषण की श्रेणियों के सही क्रम की पहचान करें :

A. समूह शृंखला

B. संभाव्यता शृंखला

C. गपशप शृंखला

D. एकल स्ट्रांड शृंखला

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

[Question ID = 3644][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q19]

1. A, B, C, D [Option ID = 14573]
2. B, C, D, A [Option ID = 14574]
3. D, C, B, A [Option ID = 14575]
4. C, D, A, B [Option ID = 14576]

Correct Answer :-

- A, B, C, D [Option ID = 14573]

15) Match List I with List II

List I	List II
Categories of communication	Features
A. Lateral	I. Touch communication
B. Haptics	II. Between equals
C. Semantics	III. Interpretation of signs
D. Semiotics	IV. Concerned with meanings

Choose the correct answer from the options given below:

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
(संप्रेषण श्रेणियाँ)	(विशेषताएँ)
A. पार्श्विक	I. संप्रेषण स्पर्श
B. स्पर्श विज्ञान	II. समकक्षों के बीच संप्रेषण
C. अर्थपूरक	III. संकेतों की व्याख्या
D. सांकेतिक	IV. अर्थों से संबंधित

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

[Question ID = 3645][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q20]

1. A - II, B - I, C - IV, D - III [Option ID = 14577]
2. A - III, B - II, C - I, D - IV [Option ID = 14578]
3. A - IV, B - III, C - II, D - I [Option ID = 14579]
4. A - I, B - IV, C - III, D - II [Option ID = 14580]

Correct Answer :-

- A - II, B - I, C - IV, D - III [Option ID = 14577]

16) What comes next in the following sequence?

8, 6, 4.5, 3.5, ___

8, 6, 4.5, 3.5 के अनुक्रम में अगला कौन-सा अंक होगा ?

[Question ID = 3646][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q21]

1. 1/1 [Option ID = 14581]
2. 2/2 [Option ID = 14582]
3. 2.5/2.5 [Option ID = 14583]
4. 3/3 [Option ID = 14584]

Correct Answer :-

- 1/1 [Option ID = 14581]

17) X has one and a quarter times as many as Y, and Z has one and a quarter times as many as X. Altogether, they have 61. How many do Z, Y and X have, respectively?

X के पास Y का सवा गुना है और Z के पास X का सवा गुना है ये सभी के पास सम्मिलित रुप से 61 हैं Z, Y और X के पास क्रमशः कितने हैं ?

[Question ID = 3647][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q22]

1. 25, 16, 20/25, 16, 20 [Option ID = 14585]
2. 20, 16, 12/20, 16, 12 [Option ID = 14586]
3. 25, 20, 16/25, 20, 16 [Option ID = 14587]
4. 16, 20, 25/16, 20, 25 [Option ID = 14588]

Correct Answer :-

- 25, 16, 20/25, 16, 20 [Option ID = 14585]

18) Showing the man in a photo, Kavita said, "He is the brother of my uncle's daughter".

How is the man realted to Kavita?

एक फोटो में एक व्यक्ति को दिखाते हुए कविता ने कहा, वह मेरे चाचा की बेटी का भाई है उस व्यक्ति से कविता का क्या रिश्ता है ?

[Question ID = 3648][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q23]

1. Nephew/भतीजा [Option ID = 14589]
2. Cousin/चचेरा भाई (कजिन) [Option ID = 14590]
3. Uncle/चाचा [Option ID = 14591]
4. Son/पुत्र [Option ID = 14592]

Correct Answer :-

- Nephew/भतीजा [Option ID = 14589]

19) Given below are two statements

Statement I: In one minute, the minute hand of a clock gains 5° over the hour hand.

Statement II: If both the minute and hour hands start moving together from the same position, both the hands will coincide after 64 minutes.

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : एक मिनट में किसी दीवार घडी की मिनट की सुई, घंटे की सुई से 5° आगे बढ़ जाती है

कथन - II : यदि मिनट और घंटे की सुइयाँ एक ही स्थिति में आगे बढ़ना शुरू करती हैं तो दोनों सुइयाँ 64 मिनट बाद एक, दूसरे से मिलेंगी

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

[Question ID = 3649][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q24]

1. Both Statement I and Statement II are true/कथन I और II दोनों सत्य हैं [Option ID = 14593]
2. Both Statement I and Statement II are false/कथन I और II दोनों असत्य हैं [Option ID = 14594]
3. Statement I is true but Statement II is false/कथन I सत्य है , किन्तु कथन II असत्य है [Option ID = 14595]
4. Statement I is false but Statement II is true/कथन I असत्य है , किन्तु कथन II सत्य है [Option ID = 14596]

Correct Answer :-

- Both Statement I and Statement II are true/कथन I और II दोनों सत्य हैं [Option ID = 14593]

20) Consider the following statements:

A. A single discount equivalent to three successive discounts of 10%, 20% and 25% is 46%

B. A mobile is sold for ₹14500 at a loss of 20%. The cost price of the mobile is ₹18225.

C. If the loss is $\frac{1}{3}$ of the selling price, the loss percentage is 28%

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

निम्नलिखित अभिकथनों पर विचार करें :

A. एक बार में दी गई 46% की छूट, तीन बार में दी गई 10%, 20% और 25% छूटों के बराबर है

B. एक मोबाईल को 20% की हानि पर 14500 रु में बेचा जाता है, मोबाईल का लागत मूल्य 18225 रु है

D. यदि हानि, विक्रय मूल्य का $\frac{1}{3}$ है तो हानि 28% है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

[Question ID = 3650][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q25]

1. A and B only/केवल A और B [Option ID = 14597]
2. B and C only/केवल B और C [Option ID = 14598]
3. A and C only/केवल A और C [Option ID = 14599]
4. A only/केवल A [Option ID = 14600]

Correct Answer :-

- A and B only/केवल A और B [Option ID = 14597]

21) In the context of uses of language, which of the following is the fallacy that pertains to the relationship between a person's beliefs and his circumstances?

निम्नलिखित में से कौन-सा तर्क दोष है जो व्यक्ति के विश्वासों और परिस्थितियों के बीच संबंध को व्यक्त करता है

[Question ID = 3651][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q26]

1. Argumentum and Baculum (force)/आर्गुमेंटम एंड बैकुलम (शक्ति) [Option ID = 14601]
2. Argumentum ad Hominem (circumstantial)/आर्गुमेंटम एंड होमिनेम (परिस्थितिजन्य) [Option ID = 14602]
3. Argumentum ad lgnorantiam (ignorance)/आर्गुमेंटम एंड इग्नोरेंटियन (अज्ञानता) [Option ID = 14603]
4. Argumentum ad Verecundiam (authority)/आर्गुमेंटम एंडवेरेकुंडियन (प्राधिकार) [Option ID = 14604]

Correct Answer :-

- Argumentum and Baculum (force)/आर्गुमेंटम एंड बैकुलम (शक्ति) [Option ID = 14601]

22) If 'Some members are not voters' is false in a square of the opposition of proposition, which of the following code can

be correctly picked

A. 'All members are voters' is false

B. 'Some members are voters' is true

C. 'All members are voters' is true

D. 'No members are voters' is true

Choose the *correct* answer from the options given below:

तर्क वाक्यों के विरोधी वर्ग में यदि "कुछ सदस्य मतदाता नहीं हैं" असत्य है, तो निम्नलिखित में से किस कूट को सही माना जा सकता है

A. "सभी सदस्य मतदाता हैं" असत्य हैं

B. "कुछ सदस्य मतदाता हैं" सत्य है

C. "सभी सदस्य मतदाता हैं" सत्य है

D. "कोई सदस्य मतदाता नहीं हैं" सत्य है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

[Question ID = 3652][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q27]

1. A and D only/केवल A और D [Option ID = 14605]
2. A and B only/केवल A और B [Option ID = 14606]
3. B and C only/केवल B और C [Option ID = 14607]
4. C and D only/केवल C और D [Option ID = 14608]

Correct Answer :-

- A and D only/केवल A और D [Option ID = 14605]

23) Which of the following codes correctly represents the figure and mood of the argument?

All businessmen are self-confident

No self-confident men are religious

Therefore, No religious men are businessmen

Choose the correct answer from the options given below

निम्नलिखित कौन-सा कूट तर्कवाक्य के आकार और प्रकार को सही रुप में प्रस्तुत करता है :

सभी व्यापारी आत्म-विश्वासी होते है

आत्म-विश्वास रहित कोई भी व्यक्ति धार्मिक नहीं होता

इसलिए कोई भी धार्मिक व्यक्ति व्यापारी नहीं होता

[Question ID = 3653][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q28]

1. AEE - I

   [Option ID = 14609]
2. AEE - II

   [Option ID = 14610]
3. AEE - III

   [Option ID = 14611]
4. AEE - IV

   [Option ID = 14612]

Correct Answer :-

- AEE - I

  [Option ID = 14609]

24) The knowing self knows objects through the instrumentality of the sense organs (Indriyas) but the existence of Indriya is proved by

ज्ञाता इन्द्रियों की सहायता से पदार्थों के बारे में जानकारी प्राप्त करता है इन्द्रियों का अस्तित्व प्रमाणित किया जाता है निम्न में से किसके द्वारा :

[Question ID = 3654][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q29]

1. Anumana Pramana/अनुमान प्रमाण द्वारा [Option ID = 14613]
2. Śabda pramana/शब्द प्रमाण द्वारा [Option ID = 14614]
3. Arthapatti Pramana/अर्थापत्ति द्वारा [Option ID = 14615]
4. Upamana Pramana/उपमान प्रमाण द्वारा [Option ID = 14616]

Correct Answer :-

- Anumana Pramana/अनुमान प्रमाण द्वारा [Option ID = 14613]

25) Which form of knowledge is NOT derived through the instrumentality of other knowledge?

ज्ञान के किस स्वरुप को अन्य ज्ञान की सहायता से प्राप्त नहीं किया जाता है

[Question ID = 3655][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q30]

1. Perception/प्रत्यक्ष [Option ID = 14617]
2. Inference/अनुमान [Option ID = 14618]
3. Word-testimony/शब्द प्रमाण [Option ID = 14619]
4. Comparison/उपमान [Option ID = 14620]

Correct Answer :-

- Perception/प्रत्यक्ष [Option ID = 14617]

26) In respect of computer software, features of a typical operating system include:

A. The interface-allowing communication between the user and the computer

B. Memory management-allocating internal memory (RAM) to programs and data in use and retrieving and storing data on the external memory devices

C. Resource handling-controlling peripheral devices (input and output devices) and handling user requests for peripheral devices

D. Internet access-providing connectivity to the services on the Internet

Choose the *correct* answer from the options given below:

कंप्यूटर सॉफ्टवेअर के संबंध में किसी प्रतिनिधिक आपरेटिंग सिस्टम की विशेषताओं में निम्नलिखित शामिल होते है

A. दि इंटरफेस - प्रयोक्ता व कंप्यूटर के बीच संप्रेषण की अनुमति देता है

B. मेमोरी प्रबंधन - प्रयोग हो रहे प्रोग्रामों और आंकड़ों के लिए आतंरिक मेमोरी (आर ए एम) का आवंटन और बाह्य मेमोरी डेवाइसेस पर आंकड़ों की पुनःप्राप्ति व भंडारण

C. संसाधन संभालना - परिधीय डेवाइसों (इनपुट व आउटपुट डेवाइस) को नियंत्रित करना व परिधीय डेवाइसों के लिए प्रयोक्ता अनुरोधों को संभालना

D. इंटरनेट पहुंच - इंटरनेट पर सेवाओं के लिये संपर्क प्रदान करना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

[Question ID = 3656][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q31]

1. A, C and D only/केवल A, C और D [Option ID = 14621]
2. B, C and D only/केवल B, C और D [Option ID = 14622]
3. A, B and C only/केवल A, B और C [Option ID = 14623]
4. A, B and D only/केवल A, B और D [Option ID = 14624]

Correct Answer :-

- A, C and D only/केवल A, C और D [Option ID = 14621]

27) Match List I with List II

List I	List II
(Description)	(Appropriate Technical Term)
A. Authoring language used to create documents to be viewed on the World Wide Web	I. Browser
B. Computer that responds to requests to provide information and services over the Internet	II. HTTP
C. Defines how messages are transmitted and formatted over the Internet	III. HTML
D. Software that enables users to access/view documents and other resources on the Internet	IV. Internet server

Choose the correct answer from the options given below:

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
(विवरण)	(उपयुक्त तकनीकी पद)
A. डॉक्युमेंट बनाने के लिए लैंग्वेज लिखना जिसे वर्ल्ड वाइड वेब पर देखा जाए	I. ब्राउजर
B. इंटरनेट पर सूचनाएँ एवं सेवाएँ देने के लिए किए गए आग्रह का उत्तर देने वाले कंप्यूटर	II. एच.टी.टी.पी.
C. इंटरनेट पर ट्रांसमिट एवं फॉर्मेट होने वाले मैसेजेज को परिभाषित करना	III. एच.टी.एम.एल.
D. ऐसा सॉफ्टवेयर जो प्रयोगकर्त्ता को इंटरनेट पर डॉक्यूमेंट और दूसरे संसाधनों को ऐक्सेस/देखने के योग्य बनाता हो	IV. इंटरनेट सर्वर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

[Question ID = 3657][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q32]

1. A - III, B - IV, C - I, D - II

   [Option ID = 14625]
2. A - I, B - IV, C - II, D - III

   [Option ID = 14626]
3. A - IV, B - III, C - I, D - II

   [Option ID = 14627]
4. A - III, B - IV, C - II, D - I

   [Option ID = 14628]

Correct Answer :-

- A - III, B - IV, C - I, D - II

  [Option ID = 14625]

28) Arrange the following optical storage devices in decreasing order of their storage capacity

A. DVD

B. CD-ROM

C. Blu-Ray

Choose the *correct* answer from the options given below

स्टोरेज कैपेसिटी के घटते क्रम में निम्नांकित स्टोरेज डिवाइसेस को व्यवस्थित कीजिए:

A. डी.वी.डी.

B. सी.डी. - रौम

C. ब्लू रे

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

[Question ID = 3658][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q33]

1. C, B, A [Option ID = 14629]
2. C, A, B [Option ID = 14630]
3. B, C, A [Option ID = 14631]
4. A, C, B [Option ID = 14632]

Correct Answer :-

- C, B, A [Option ID = 14629]

29) Given below are two statements

Statement I: An operating system controls peripherals, and allocates memory and processor time.

Statement II: An operating system provides Internet access.

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : एक ऑपरेटिंग सिस्टम पेरिफेरल्स को नियन्त्रित करता है, और मेमोरी और प्रोसेसर समय का आवंटन करता है

कथन - II : एक ऑपरेटिंग सिस्टम इंटरनेट ऐक्सेस प्रदान करता है

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

[Question ID = 3659][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q34]

1. Both Statement I and Statement II are true/कथन I और II दोनों सत्य हैं [Option ID = 14633]
2. Both Statement I and Statement II are false/कथन I और II दोनों असत्य हैं [Option ID = 14634]
3. Statement I is true but Statement II is false/कथन I सत्य है , किन्तु कथन II असत्य है [Option ID = 14635]
4. Statement I is false but Statement II is true/कथन I असत्य है , किन्तु कथन II सत्य है [Option ID = 14636]

Correct Answer :-

- Both Statement I and Statement II are true/कथन I और II दोनों सत्य हैं [Option ID = 14633]

30) Which of the following is the appropriate GUI (Graphical User Interface) component used to select one from multiple alternatives?

निम्नांकित में से कौन उपयुक्त जी.यू.आई. (ग्रैफिकल यूज़र इंटरफेस) घटक है जो बहु विकल्पों में से एक को चुनने में प्रयोग किया जाता है

[Question ID = 3660][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q35]

1. Scroll bar/स्क्रॉल बार [Option ID = 14637]
2. Push button/पुश बटन [Option ID = 14638]
3. Progress bar/प्रोग्रेस बार [Option ID = 14639]
4. Radio button/रेडियो बटन [Option ID = 14640]

Correct Answer :-

- Scroll bar/स्क्रॉल बार [Option ID = 14637]

31) Which one among the following diseases is NOT caused due to exposure to ultra-violet radiation?

निम्नलिखित में से कौन-सा रोग परा बैंगनी विकिरण प्रभावन के कारण नहीं होता है ?

[Question ID = 3661][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q36]

1. Bronchitis/श्वासनली शोथ [Option ID = 14641]
2. Melanoma/मेलानोमा [Option ID = 14642]
3. Ocular damage/नेत्र क्षति [Option ID = 14643]
4. Erythema/त्वकरक्तिमा [Option ID = 14644]

Correct Answer :-

- Bronchitis/श्वासनली शोथ [Option ID = 14641]

32) Match List I with List II

List I	List II
Class of water pollutants	Example/Explanation
A. Disease-causing agents	I. Organic wastes decomposed by aerobic bacteria
B. Oxygen depleting wastes	II. Acids, salts, compounds of toxic metals
C. Inorganic plant nutrients	III. Bacteria, protozoa, worms etc.
D. Water-soluble inorganic chemicals	IV. Water-soluble nitrates and phosphate cause excessive growth of algae etc

Choose the correct answer from the options given below:

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
जल प्रदूषकों का वर्ग	उदाहरण / व्याख्या
A. रोगजनक कारक	I. वायुजीवी जीवाणु द्वारा विघटित कार्बनिक अपशिष्ट
B. ऑक्सीजन कम करने वाले अपशिष्ट	II. अम्ल,लवण, विषाक्त धातुओं के यौगिक
C. पौधों के अकार्बनिक पोषक तत्व	III. जीवाणु, प्रजीवाणु (प्रोटोजोआ) कृमि इत्यादि
D. जल में घुलनशील अकार्बनिक रसायन	IV. जल में घुलनशील नाइट्रेट और फॉस्फेट शैवाल इत्यादि की अति वृद्धि करते हैं

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

[Question ID = 3662][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q37]

1. A - I, B - IV, C - II, D - III

   [Option ID = 14645]
2. A - II, B - III, C - I, D - IV

   [Option ID = 14646]
3. A - III, B - I, C - IV, D - II

   [Option ID = 14647]
4. A - IV, B - II, C - III, D - I

   [Option ID = 14648]

Correct Answer :-

- A - I, B - IV, C - II, D - III

  [Option ID = 14645]

33) Given below are two statements

Statement I: Nitrification results in an increase in effluent ammonia toxicity

Statement II: Denitrification reduces nitrate to nitrogen gas using bacteria

In light of the above statements, choose the *most appropriate* answer from the options given below

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : बहिःस्राव की अमोनिया विषाक्तता में वृद्धि नाइट्रीकरण का परिणाम है

कथन - II : विनाइट्रीकरण में जीवाणु का प्रयोग कर नाइट्रेट को नाइट्रोजन गैस में अपचयित करते हैं

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

[Question ID = 3663][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q38]

1. Both Statement I and Statement II are correct/कथन I और II दोनों सही हैं [Option ID = 14649]
2. Both Statement I and Statement II are incorrect/कथन I और II दोनों गलत हैं [Option ID = 14650]
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect/कथन I सही है , किन्तु कथन II गलत है [Option ID = 14651]
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct/कथन I गलत है , किन्तु कथन II सही है [Option ID = 14652]

Correct Answer :-

- Both Statement I and Statement II are correct/कथन I और II दोनों सही हैं [Option ID = 14649]

34) Flotation is a unit operation, used in wastewater treatment to

A. Remove the lighter suspended solids

B. Concentrate biological sludge

C. Remove oil and grease

D. Remove the temporary hardness of the water

Choose the *correct* answer from the options given below:

प्लवन एक इकाई क्रिया है जिसका उपयोग अपशिष्ट जल से क्या शुद्ध करने में किया जाता है:

A. हर्षित निलंबित ठोस पदार्थों को हटाने में

B. सांद्र जैविकीय गाढ़े कीचड़ के लिए

C. तेल और ग्रीस (ग्रीज) को हटाने में

D. जल के अस्थायी कठोरता को हटाने में

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

[Question ID = 3664][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q39]

1. A, B and C only/केवल A, B और C [Option ID = 14653]
2. B, C and D only/केवल B, C और D [Option ID = 14654]
3. A, B and D only/केवल A, B और D [Option ID = 14655]
4. A, B, C and D/A, B, C और D [Option ID = 14656]

Correct Answer :-

- A, B and C only/केवल A, B और C [Option ID = 14653]

35) Match List I with List II

List I	List II
Ozone depleting substance	Name
A. C_3HF_7	I. HCFC
B. $C_2FH_3Cl_2$	II. Halons
C. $C_2F_4Cl_2$	III. HFC
D. CF_3Br	IV. CFC

Choose the correct answer from the options given below:

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
ओजोन क्षरित पदार्थ	नाम
A. C_3HF_7	I. HCFC
B. $C_2FH_3Cl_2$	II. हैलोन्स
C. $C_2F_4Cl_2$	III. HFC
D. CF_3Br	IV. CFC

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

[Question ID = 3665][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q40]

1. A - I, B - III, C - II, D - IV [Option ID = 14657]
2. A - III, B - I, C - IV, D - II [Option ID = 14658]
3. A - II, B - IV, C - III, D - I [Option ID = 14659]
4. A - IV, B - II, C - I, D - III [Option ID = 14660]

Correct Answer :-

- A - I, B - III, C - II, D - IV [Option ID = 14657]

36) The country which has the highest number of higher education institutions is:

वह देश जहाँ पर उच्च शिक्षा संस्थानों की सर्वाधिक संख्या है :

[Question ID = 3666][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q41]

1. India/भारत [Option ID = 14661]
2. China/चीन [Option ID = 14662]
3. USA/यु.एस.ए. [Option ID = 14663]
4. Russia/रूस [Option ID = 14664]

Correct Answer :-

- India/भारत [Option ID = 14661]

37) Arrange the following in chronological order of their occurrence

A. Hartog Commission

B. Sadler Commission

C. Macaulay's Minutes

D. Sargent plan

E. Wood's Despatch

Choose the *correct* answer from the options given below

निम्नलिखित को उनके गठन क्रम कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए

A. हार्टोग आयोग

B. सेडलर आयोग

C. मैकाले कार्यवृत (मिनट्स)

D. सार्जेंट योजना (प्लान)

E. वुड डिस्पैच

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

[Question ID = 3667][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q42]

1. C, E, A, B, D [Option ID = 14665]
2. C, E, B, A, D [Option ID = 14666]
3. C, E, B, D, A [Option ID = 14667]
4. C, B, E, A, D [Option ID = 14668]

Correct Answer :-

- C, E, A, B, D [Option ID = 14665]

38) Which of the following are NOT statutory bodies?

A. NAAC

B. NMC

C. NCERT

D. AICTE

E. NCTE

Choose the *correct* answer from the options given below:

निम्नलिखित में से कौन से सांविधिक निकाय हैं :

A. NAAC

B. NMC

C. NCERT

D. AICTE

E. NCTE

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

[Question ID = 3668][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q43]

1. A and B only/केवल A और B [Option ID = 14669]
2. C and D only/केवल C और D [Option ID = 14670]
3. A and C only/केवल A और C [Option ID = 14671]
4. D and E only/केवल D और E [Option ID = 14672]

Correct Answer :-

- A and B only/केवल A और B [Option ID = 14669]

39) UGC is established for:

A. Promoting research and innovations in higher education in the country

B. Coordination, determination and maintenance of standards of university education

C. Increasing access to higher education in the country

D. Disbursing grants to the universities and colleges

E. Serving as a vital link between the Union and State governments and institutions of higher learning

Choose the *correct* answer from the options given below:

यू जी सी की स्थापना किस उद्देश्य के लिए हुई है ?

A. देश में उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवप्रवर्तनों को बढ़ावा देना

B. विश्वविद्यालयी शिक्षा के मानकों का समन्वयन, निर्धारण और देखभाल

C. देश में उच्च शिक्षा तक पहुँच को बढ़ाना

D. विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को अनुदानों का वितरण करना

E. संघ तथा राज्य सरकारों और उच्च शिक्षा अधिगम संस्थानों के बीच महत्त्वपूर्ण कड़ी के रूप में सेवा प्रदान करना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

[Question ID = 3669][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q44]

1. A, C and E only/केवल A, C और E [Option ID = 14673]
2. A, B and C only/केवल A, B और C [Option ID = 14674]
3. A, B, C and D only/केवल A, B, C और D [Option ID = 14675]
4. B, D and E only/केवल B, D और E [Option ID = 14676]

Correct Answer :-

- A, C and E only/केवल A, C और E [Option ID = 14673]

40) Match List I with List II

List I	List II
A. AICTE	I. Promotes research in Philosophy
B. ICHR	II. Promotes research in History
C. ICPR	III. Promotion of quality in Technical Education
D. ICSSR	IV. Promotes research in Social Sciences

Choose the correct answer from the options given below:

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. AICTE	I. दर्शनशास्त्र में अनुसंधान को बढ़ाना
B. ICHR	II. इतिहास में अनुसंधान को बढ़ाना
C. ICPR	III. तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा देना
D. ICSSR	IV. सामाजिक विज्ञानों में अनुसंधान को बढ़ाना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

[Question ID = 3670][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q45]

1. A - III, B - II, C - I, D - IV [Option ID = 14677]
2. A - III, B - II, C - IV, D - I [Option ID = 14678]
3. A - II, B - III, C - I, D - IV [Option ID = 14679]
4. A - IV, B - II, C - III, D - I [Option ID = 14680]

Correct Answer :-

- A - III, B - II, C - I, D - IV [Option ID = 14677]

Topic:- GP_20NOV_C_SH2

1) Read the given passage and answer the questions that follow

Social exclusion is a multi-dimensional concept conceived to capture different aspects of social disadvantage-economic, social, political and cultural-that exist in multiple variations across nations. Stripped to its essence, the term focuses on the groups excluded in economic, social and cultural terms as well as on the mechanisms that work to relegate them to the status of social outsiders. Originating mainly in the writings of French sociologists, the concept is receiving growing scholarly attention in Western Europe. The emergence of the term, in fact, reflects an attempt to reconceptualise the changing nature of social disadvantage in post-industrial societies in the face of major technological change and economic restructuring. The West, for example, has been experiencing an intensifying process of social integration that is occurring because of long-term unemployment, increasing migration and the rolling back of the welfare state. Consequently, new vulnerable social groups have been emerging and are labelled in different ways: 'the new industrial poor', 'immigrants', 'ethnic groups', 'single parents', among others. Interest in social exclusion has grown in relation to the growth of new social problems in the west. Two important issues are worth considering here. First, does the concept add anything new which cannot be provided by analysis within a more conventional framework of, say, poverty, inequality, deprivation and so on. Second and more important, can this concept be extended beyond a European perspective to a development setting? Can it be exported from the North to the South, from a situation where the majority are well-off to a situation where the majority are poor? Clearly, a great deal of attention has been paid, in development analysis, to related issues such as poverty, inequality, deprivation, entitlements and capabilities.

दिये गए गद्यांश को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें :

सामाजिक बहिष्कार एक बहु - आयामी अवधारणा है जो सम्पूर्ण देश में विविध रूपों में अस्तित्त्ववान आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक - सामाजिक कमियों के विभिन्न पहलुओं को समाविष्ट करने की धारणा है इसके सत्व के लिए खुले हुए; यह शब्द, उन समूहों जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से बहिष्कृत समूहों पर ध्यान केंद्रित करता है और साथ ही यह शब्द सामाजिक रूप से बाहरी लोगों को उनकी स्थिति से बाहर निकालने का कार्य करने वाले तंत्र पर ध्यान केंद्रित करता है फ्रॉंस के समाज शास्त्रियों के लेखों में मुख्य रूप उद्भूत यह अवधारणा पश्चिमी यूरोप में बढ़ते हुए रूप में विद्वानों का ध्यान प्राप्त कर रही है इस शब्द की उत्पत्ति, वास्तव में मुख्य तकनीकी बदलाव और आर्थिक पुनर्संरचना के चलते उत्तर - आद्योगिक समाज में सामाजिक कमी के बदलते स्वरुप को पुर्नअवधारणा बनाने के एक प्रयास को प्रदर्शित करती है उदाहरण के लिए पश्चिम सामाजिक विखण्डन की एक घनीभूत होती प्रक्रिया का अनुभव कर रहा है जो इसलिए हो रहा है क्योंकि वहां लंबे समय की बेरोजगारी, बढ़ता अप्रवासन और कल्याणकारी राज्य से पीछे हटने की गतिविधियाँ पायी जा रही है फलस्वरूप नये सुभेद्य सामाजिक समूहों का उद्भव हो रहा है और वे दूसरों के बीच में विभिन्न रूप में जाने जाते हैं; 'नव औद्योगिक गरीब', 'अप्रवासी', 'नृजातीय समूह', 'एकल अभिभावक' पश्चिम में नयी सामाजिक समस्याओं के वृद्धि के संबंध में सामाजिक बहिष्कार में रूचि बढ़ गयी है यहाँ दो महत्त्वपूर्ण मुद्दे मूल्यवान विचार के हैं प्रथम क्या अवधारणा में नया शामिल होता है जो विश्लेषण द्वारा गरीबी, असमानता, वंचन इत्यादि के जैसे अधिक परंपरागत फ्रेमवर्कके तहत नहीं प्रदान किया जा सकता दूसरा और अधिक महत्त्वपूर्ण, कि क्या इस अवधारणा का यूरोपीय परिप्रेक्ष्य से विकास व्यवस्था (सेटिंग) के अतिरिक्त विस्तारित किया जा सकेगा ? क्या यह उत्तर की तरफ से दक्षिण की तरफ जा सकेगा, एक ऐसी स्थिति जिसमें बहुसंख्यक लोग धनी हों से एक ऐसी स्थिति जिसमें बहुसंख्यक लोग गरीब हो ? स्पष्ट रूप से गरीबी, असमानता, वंचन हकदारी और क्षमताओं वाले संबंधित मुद्दों पर विकास विश्लेषण में व्यापक रूप से ध्यान दिया गया है

The concept of social exclusion is multidimensional because of:

सामाजिक बहिष्कार की अवधारणा किस कारण से बहुआयामी है :

[Question ID = 3671][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q46]

1. multiple groups to focus on/विविध समूहों पर केंद्रित [Option ID = 14681]
2. variations in deprivations/वंचना के स्वरूप में भिन्नता [Option ID = 14682]
3. the prevalent notion about social outsiders/सामाजिक रूप से बाहरी लोगों के बारे में प्रचलित अवधारणा [Option ID = 14683]
4. social statuses across nations/संपूर्ण देश में सामाजिक स्थिति [Option ID = 14684]

Correct Answer :-

- multiple groups to focus on/विविध समूहों पर केंद्रित [Option ID = 14681]

2) Read the given passage and answer the questions that follow

Social exclusion is a multi-dimensional concept conceived to capture different aspects of social disadvantage-economic, social, political and cultural-that exist in multiple variations across nations. Stripped to its essence, the term focuses on the groups excluded in economic, social and cultural terms as well as on the mechanisms that work to relegate them to the status of social outsiders. Originating mainly in the writings of French sociologists, the concept is receiving growing scholarly attention in Western Europe. The emergence of the term, in fact, reflects an attempt to reconceptualise the changing nature of social disadvantage in post-industrial societies in the face of major technological change and economic restructuring. The West, for example, has been experiencing an intensifying process of social integration that is occurring because of long-term unemployment, increasing migration and the rolling back of the welfare state. Consequently, new vulnerable social groups have been emerging and are labelled in different ways: 'the new industrial poor', 'immigrants', 'ethnic groups', 'single parents', among others. Interest in social exclusion has grown in relation to the growth of new social problems in the west. Two important issues are worth considering here. First, does the concept add anything new which cannot be provided by analysis within a more conventional framework of, say, poverty, inequality, deprivation and so on. Second and more important, can this concept be extended beyond a European perspective to a development setting? Can it be exported from the North to the South, from a situation where the majority are well-off to a situation where the majority are poor? Clearly, a great deal of attention has been paid, in development analysis, to related issues such as poverty, inequality, deprivation, entitlements and capabilities.

दिये गए गद्यांश को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें :

सामाजिक बहिष्कार एक बहु - आयामी अवधारणा है जो सम्पूर्ण देश में विविध रूपों में अस्तित्त्ववान आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक - सामाजिक कमियों के विभिन्न पहलुओं को समाविष्ट करने की धारणा है इसके सत्व के लिए खुले हुए; यह शब्द, उन समूहों जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से बहिष्कृत समूहों पर ध्यान केंद्रित करता है और साथ ही यह शब्द सामाजिक रूप से बाहरी लोगों को उनकी स्थिति से बाहर निकालने का कार्य करने वाले तंत्र पर ध्यान केंद्रित करता है फ्रॉंस के समाज शास्त्रियों के लेखों में मुख्य रूप उद्भूत यह अवधारणा पश्चिमी यूरोप में बढ़ते हुए रूप में विद्वानों का ध्यान प्राप्त कर रही है इस शब्द की उत्पत्ति, वास्तव में मुख्य तकनीकी बदलाव और आर्थिक पुनर्संरचना के चलते उत्तर - आद्योगिक समाज में सामाजिक कमी के बदलते स्वरुप को पुर्नअवधारणा बनाने के एक प्रयास को प्रदर्शित करती है उदाहरण के लिए पश्चिम सामाजिक विखण्डन की एक घनीभूत होती प्रक्रिया का अनुभव कर रहा है जो इसलिए हो रहा है क्योंकि वहां लंबे समय की बेरोजगारी, बढ़ता अप्रवासन और कल्याणकारी राज्य से पीछे हटने की गतिविधियाँ पायी जा रही हैं फलस्वरूप नये सुभेद्य सामाजिक समूहों का उद्भव हो रहा है और वे दूसरों के बीच में विभिन्न रूप में जाने जाते हैं; 'नव औद्योगिक गरीब', 'अप्रवासी', 'नृजातीय समूह', 'एकल अभिभावक' पश्चिम में नयी सामाजिक समस्याओं के वृद्धि के संबंध में सामाजिक बहिष्कार में रूचि बढ़ गयी है यहाँ दो महत्त्वपूर्ण मुद्दे मूल्यवान विचार के हैं प्रथम क्या अवधारणा में नया शामिल होता है जो विश्लेषण द्वारा गरीबी, असमानता, वंचन इत्यादि के जैसे अधिक परंपरागत फ्रेमवर्क के तहत नहीं प्रदान किया जा सकता दूसरा और अधिक महत्त्वपूर्ण, कि क्या इस अवधारणा का यूरोपीय परिप्रेक्ष्य से विकास व्यवस्था (सेटिंग) के अतिरिक्त विस्तारित किया जा सकेगा ? क्या यह उत्तर की तरफ से दक्षिण की तरफ जा सकेगा, एक ऐसी स्थिति जिसमें बहुसंख्यक लोग धनी हों से एक ऐसी स्थिति जिसमें बहुसंख्यक लोग गरीब हो ? स्पष्ट रूप से गरीबी, असमानता, वंचन हकदारी और क्षमताओं वाले संबंधित मुद्दों पर विकास विश्लेषण में व्यापक रूप से ध्यान दिया गया है

The new reflection on social exclusion has emerged from

सामाजिक बहिष्कार पर नव - चिंतन कहाँ से उत्पन्न हुआ है ?

[Question ID = 3672][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q47]

1. The industrialisation process in Europe/यूरोप में औद्योगीकरण प्रक्रिया [Option ID = 14685]
2. The arrival of new scholarship in sociology/समाजशास्त्र में नये पांडित्य (स्कालरशिप) का आगमन [Option ID = 14686]
3. The technological impact on societies/समाजों पर तकनीकी प्रभाव [Option ID = 14687]
4. The changes in the nature of social inclusion/सामाजिक समावेशन के स्वरूप में बदलाव [Option ID = 14688]

Correct Answer :-

- The industrialisation process in Europe/यूरोप में औद्योगीकरण प्रक्रिया [Option ID = 14685]

3) Read the given passage and answer the questions that follow

Social exclusion is a multi-dimensional concept conceived to capture different aspects of social disadvantage-economic, social, political and cultural-that exist in multiple variations across nations. Stripped to its essence, the term focuses on the groups excluded in economic, social and cultural terms as well as on the mechanisms that work to relegate them to the status of social outsiders. Originating mainly in the writings of French sociologists, the concept is receiving growing scholarly attention in Western Europe. The emergence of the term, in fact, reflects an attempt to reconceptualise the changing nature of social disadvantage in post-industrial societies in the face of major technological change and economic restructuring. The West, for example, has been experiencing an intensifying process of social integration that is occurring because of long-term unemployment, increasing migration and the rolling back of the welfare state. Consequently, new vulnerable social groups have been emerging and are labelled in different ways: 'the new industrial poor', 'immigrants', 'ethnic groups', 'single parents', among others. Interest in social exclusion has grown in relation to the growth of new social problems in the west. Two important issues are worth considering here. First, does the concept add anything new which cannot be provided by analysis within a more conventional framework of, say, poverty, inequality, deprivation and so on. Second and more important, can this concept be extended beyond a European perspective to a development setting? Can it be exported from the North to the South, from a situation where the majority are well-off to a situation where the majority are poor? Clearly, a great deal of attention has been paid, in development analysis, to related issues such as poverty, inequality, deprivation, entitlements and capabilities.

दिये गए गद्यांश को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें :

सामाजिक बहिष्कार एक बहु - आयामी अवधारणा है जो सम्पूर्ण देश में विविध रूपों में अस्तित्त्ववान आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक - सामाजिक कमियों के विभिन्न पहलुओं को समाविष्ट करने की धारणा है इसके सत्व के लिए खुले हुए; यह शब्द, उन समूहों जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से बहिष्कृत समूहों पर ध्यान केंद्रित करता है और साथ ही यह शब्द सामाजिक रूप से बाहरी लोगों को उनकी स्थिति से बाहर निकालने का कार्य करने वाले तंत्र पर ध्यान केंद्रित करता है फ्रॉंस के समाज शास्त्रियों के लेखों में मुख्य रूप उद्भूत यह अवधारणा पश्चिमी यूरोप में बढ़ते हुए रूप में विद्वानों का ध्यान प्राप्त कर रही है इस शब्द की उत्पत्ति, वास्तव में मुख्य तकनीकी बदलाव और आर्थिक पुनर्संरचना के चलते उत्तर - आद्योगिक समाज में सामाजिक कमी के बदलते स्वरुप को पुर्नअवधारणा बनाने के एक प्रयास को प्रदर्शित करती है उदाहरण के लिए पश्चिम सामाजिक विखण्डन की एक घनीभूत होती प्रक्रिया का अनुभव कर रहा है जो इसलिए हो रहा है क्योंकि वहां लंबे समय की बेरोजगारी, बढ़ता अप्रवासन और कल्याणकारी राज्य से पीछे हटने की गतिविधियाँ पायी जा रही है फलस्वरूप नये सुभेद्य सामाजिक समूहों का उद्भव हो रहा है और वे दूसरों के बीच में विभिन्न रूप में जाने जाते हैं; 'नव औद्योगिक गरीब', 'अप्रवासी', 'नृजातीय समूह', 'एकल अभिभावक' पश्चिम में नयी सामाजिक समस्याओं के वृद्धि के संबंध में सामाजिक बहिष्कार में रूचि बढ़ गयी है यहाँ दो महत्त्वपूर्ण मुद्दे मूल्यवान विचार के हैं प्रथम क्या अवधारणा में नया शामिल होता है जो विश्लेषण द्वारा गरीबी, असमानता, वंचन इत्यादि के जैसे अधिक परंपरागत फ्रेमवर्कके तहत नहीं प्रदान किया जा सकता दूसरा और अधिक महत्त्वपूर्ण, कि क्या इस अवधारणा का यूरोपीय परिप्रेक्ष्य से विकास व्यवस्था (सेटिंग) के अतिरिक्त विस्तारित किया जा सकेगा ? क्या यह उत्तर की तरफ से दक्षिण की तरफ जा सकेगा, एक ऐसी स्थिति जिसमें बहुसंख्यक लोग धनी हों से एक ऐसी स्थिति जिसमें बहुसंख्यक लोग गरीब हो ? स्पष्ट रूप से गरीबी, असमानता, वंचन हकदारी और क्षमताओं वाले संबंधित मुद्दों पर विकास विश्लेषण में व्यापक रूप से ध्यान दिया गया है

The post-industrial society and economic restructuring have contributed for
उत्तर - औद्योगिक समाज और आर्थिक पुनर्संरचना ने किसके लिए योगदान दिया है ?

[Question ID = 3673][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q48]

1. The reconsideration of employment issue/रोजगार मुद्दे पर पुनर्विचार [Option ID = 14689]
2. Strategies aimed at social integration/सामाजिक एकीकरण हेतु लक्षित रणनीतियाँ [Option ID = 14690]
3. Fragmentation of welfare state/कल्याणकारी राज्य का बिखराव [Option ID = 14691]
4. Social disintegration into new deprived groups/नव वंचित समूहों में सामाजिक विखण्डन [Option ID = 14692]

Correct Answer :-

- The reconsideration of employment issue/रोजगार मुद्दे पर पुनर्विचार [Option ID = 14689]

4) Read the given passage and answer the questions that follow

Social exclusion is a multi-dimensional concept conceived to capture different aspects of social disadvantage-economic, social, political and cultural-that exist in multiple variations across nations. Stripped to its essence, the term focuses on the groups excluded in economic, social and cultural terms as well as on the mechanisms that work to relegate them to the status of social outsiders. Originating mainly in the writings of French sociologists, the concept is receiving growing scholarly attention in Western Europe. The emergence of the term, in fact, reflects an attempt to reconceptualise the changing nature of social disadvantage in post-industrial societies in the face of major technological change and economic restructuring. The West, for example, has been experiencing an intensifying process of social integration that is occurring because of long-term unemployment, increasing migration and the rolling back of the welfare state. Consequently, new vulnerable social groups have been emerging and are labelled in different ways: 'the new industrial poor', 'immigrants', 'ethnic groups', 'single parents', among others. Interest in social exclusion has grown in relation to the growth of new social problems in the west. Two important issues are worth considering here. First, does the concept add anything new which cannot be provided by analysis within a more conventional framework of, say, poverty, inequality, deprivation and so on. Second and more important, can this concept be extended beyond a European perspective to a development setting? Can it be exported from the North to the South, from a situation where the majority are well-off to a situation where the majority are poor? Clearly, a great deal of attention has been paid, in development analysis, to related issues such as poverty, inequality, deprivation, entitlements and capabilities.

दिये गए गद्यांश को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें :

सामाजिक बहिष्कार एक बहु - आयामी अवधारणा है जो सम्पूर्ण देश में विविध रूपों में अस्तित्त्ववान आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक - सामाजिक कमियों के विभिन्न पहलुओं को समाविष्ट करने की धारणा है इसके सत्व के लिए खुले हुए; यह शब्द, उन समूहों जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से बहिष्कृत समूहों पर ध्यान केंद्रित करता है और साथ ही यह शब्द सामाजिक रूप से बाहरी लोगों को उनकी स्थिति से बाहर निकालने का कार्य करने वाले तंत्र पर ध्यान केंद्रित करता है फ्रॉंस के समाज शास्त्रियों के लेखों में मुख्य रूप उद्भूत यह अवधारणा पश्चिमी यूरोप में बढ़ते हुए रूप में विद्वानों का ध्यान प्राप्त कर रही है इस शब्द की उत्पत्ति, वास्तव में मुख्य तकनीकी बदलाव और आर्थिक पुनर्संरचना के चलते उत्तर - आद्योगिक समाज में सामाजिक कमी के बदलते स्वरुप को पुर्नअवधारणा बनाने के एक प्रयास को प्रदर्शित करती है उदाहरण के लिए पश्चिम सामाजिक विखण्डन की एक घनीभूत होती प्रक्रिया का अनुभव कर रहा है जो इसलिए हो रहा है क्योंकि वहां लंबे समय की बेरोजगारी, बढ़ता अप्रवासन और कल्याणकारी राज्य से पीछे हटने की गतिविधियाँ पायी जा रही है फलस्वरूप नये सुभेद्य सामाजिक समूहों का उद्भव हो रहा है और वे दूसरों के बीच में विभिन्न रूप में जाने जाते हैं; 'नव औद्योगिक गरीब', 'अप्रवासी', 'नृजातीय समूह', 'एकल अभिभावक' पश्चिम में नयी सामाजिक समस्याओं के वृद्धि के संबंध में सामाजिक बहिष्कार में रूचि बढ़ गयी है यहाँ दो महत्त्वपूर्ण मुद्दे मूल्यवान विचार के हैं प्रथम क्या अवधारणा में नया शामिल होता है जो विश्लेषण द्वारा गरीबी, असमानता, वंचन इत्यादि के जैसे अधिक परंपरागत फ्रेमवर्कके तहत नहीं प्रदान किया जा सकता दूसरा और अधिक महत्त्वपूर्ण, कि क्या इस अवधारणा का यूरोपीय परिप्रेक्ष्य से विकास व्यवस्था (सेटिंग) के अतिरिक्त विस्तारित किया जा सकेगा ? क्या यह उत्तर की तरफ से दक्षिण की तरफ जा सकेगा, एक ऐसी स्थिति जिसमें बहुसंख्यक लोग धनी हों से एक ऐसी स्थिति जिसमें बहुसंख्यक लोग गरीब हो ? स्पष्ट रूप से गरीबी, असमानता, वंचन हकदारी और क्षमताओं वाले संबंधित मुद्दों पर विकास विश्लेषण में व्यापक रूप से ध्यान दिया गया है

The scholarship on social exclusion has gone beyond
सामाजिक बहिष्कार पांडित्य (स्कॉलरशिप) इसके परे जा चुका है :

[Question ID = 3674][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q49]

1. The reach of governments/सरकारों की पहुँच [Option ID = 14693]
2. The conventional thinking/परंपरागत सोच [Option ID = 14694]
3. The normal issues of deprivation/वंचना के सामान्य मुद्दे [Option ID = 14695]
4. Common perspectives of inclusion/समावेशन के सामान्य परिप्रेक्ष्य [Option ID = 14696]

Correct Answer :-

- The reach of governments/सरकारों की पहुँच [Option ID = 14693]

5) Read the given passage and answer the questions that follow

Social exclusion is a multi-dimensional concept conceived to capture different aspects of social disadvantage-economic, social, political and cultural-that exist in multiple variations across nations. Stripped to its essence, the term focuses on the groups excluded in economic, social and cultural terms as well as on the mechanisms that work to relegate them to the status of social outsiders. Originating mainly in the writings of French sociologists, the concept is receiving growing scholarly attention in Western Europe. The emergence of the term, in fact, reflects an attempt to reconceptualise the changing nature of social disadvantage in post-industrial societies in the face of major technological change and economic restructuring. The West, for example, has been experiencing an intensifying process of social integration that is occurring because of long-term unemployment, increasing migration and the rolling back of the welfare state. Consequently, new vulnerable social groups have been emerging and are labelled in different ways: 'the new industrial poor', 'immigrants', 'ethnic groups', 'single parents', among others. Interest in social exclusion has grown in relation to the growth of new social problems in the west. Two important issues are worth considering here. First, does the concept add anything new which cannot be provided by analysis within a more conventional framework of, say, poverty, inequality, deprivation and so on. Second and more important, can this concept be extended beyond a European perspective to a development setting? Can it be exported from the North to the South, from a situation where the majority are well-off to a situation where the majority are poor? Clearly, a great deal of attention has been paid, in development analysis, to related issues such as poverty, inequality, deprivation, entitlements and capabilities.

दिये गए गद्यांश को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें :

सामाजिक बहिष्कार एक बहु - आयामी अवधारणा है जो सम्पूर्ण देश में विविध रूपों में अस्तित्त्ववान आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक - सामाजिक कमियों के विभिन्न पहलुओं को समाविष्ट करने की धारणा है इसके सत्व के लिए खुले हुए; यह शब्द, उन समूहों जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से बहिष्कृत समूहों पर ध्यान केंद्रित करता है और साथ ही यह शब्द सामाजिक रूप से बाहरी लोगों को उनकी स्थिति से बाहर निकालने का कार्य करने वाले तंत्र पर ध्यान केंद्रित करता है फ्रांस के समाज शास्त्रियों के लेखों में मुख्य रूप उद्भूत यह अवधारणा पश्चिमी यूरोप में बढ़ते हुए रूप में विद्वानों का ध्यान प्राप्त कर रही है इस शब्द की उत्पत्ति, वास्तव में मुख्य तकनीकी बदलाव और आर्थिक पुनर्संरचना के चलते उत्तर - आद्योगिक समाज में सामाजिक कमी के बदलते स्वरुप को पुर्नअवधारणा बनाने के एक प्रयास को प्रदर्शित करती है उदाहरण के लिए पश्चिम सामाजिक विखण्डन की एक घनीभूत होती प्रक्रिया का अनुभव कर रहा है जो इसलिए हो रहा है क्योंकि वहां लंबे समय की बेरोजगारी, बढ़ता अपूवासन और कल्याणकारी राज्य से पीछे हटने की गतिविधियाँ पायी जा रही है फलस्वरूप नये सुभेद्य सामाजिक समूहों का उद्भव हो रहा है और वे दूसरों के बीच में विभिन्न रूप में जाने जाते हैं; 'नव औद्योगिक गरीब', 'अपूवासी', 'नृजातीय समूह', 'एकल अभिभावक' पश्चिम में नयी सामाजिक समस्याओं के वृद्धि के संबंध में सामाजिक बहिष्कार में रूचि बढ़ गयी है यहाँ दो महत्त्वपूर्ण मुद्दे मूल्यवान विचार के हैं प्रथम क्या अवधारणा में नया शामिल होता है जो विश्लेषण द्वारा गरीबी, असमानता, वंचन इत्यादि के जैसे अधिक परंपरागत फ्रेमवर्क के तहत नहीं प्रदान किया जा सकता दूसरा और अधिक महत्त्वपूर्ण, कि क्या इस अवधारणा का यूरोपीय परिप्रेक्ष्य से विकास व्यवस्था (सेटिंग) के अतिरिक्त विस्तारित किया जा सकेगा ? क्या यह उत्तर की तरफ से दक्षिण की तरफ जा सकेगा, एक ऐसी स्थिति जिसमें बहुसंख्यक लोग धनी हों से एक ऐसी स्थिति जिसमें बहुसंख्यक लोग गरीब हो ? स्पष्ट रूप से गरीबी, असमानता, वंचन हकदारी और क्षमताओं वाले संबंधित मुद्दों पर विकास विश्लेषण में व्यापक रूप से ध्यान दिया गया है

The concept of social exclusion is now
सामाजिक बहिष्कार की आजकल अवधारणा है :

[Question ID = 3675][Question Description = S2_qSNz_PG_GP4_Q50]

1. The focus theme of Europeans/यूरोपीय लोगों पर केंद्रित विषय (थीम) [Option ID = 14697]
2. An issue of developmental capability/विकासात्मक सामर्थ्य का मुद्दा [Option ID = 14698]
3. A commodity for export from the North to the South/उत्तर से दक्षिण की तरफ निर्यात के लिए वस्तु [Option ID = 14699]
4. Universal in character, going beyond the western hemisphere/वैश्विक स्वरूप वाली, पश्चिमी गोलार्ध से बाहर जाती हुई [Option ID = 14700]

Correct Answer :-

- The focus theme of Europeans/यूरोपीय लोगों पर केंद्रित विषय (थीम) [Option ID = 14697]

Topic:- 03Philosophy_A_New

1)

In Vedic tradition by performing *yajña* one can be free from:

(1) *Tṛṣṇā* only
(2) *Devaṛṇa* only
(3) *Pitṛṛṇa* only
(4) Both *Tṛṣṇā* and *Devaṛṇa*

वैदिक परंपरा में यज्ञ अनुष्ठान के द्वारा कोई भी किस से मुक्त हो सकता है ?

(1) केवल तृष्णा से
(2) केवल देवऋण से

(3) केवल पितृऋण से (4) तृष्णा और देवऋण दोनों से

[Question ID = 5846][Question Description = Q01_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22571]
2. 2 [Option ID = 22572]
3. 3 [Option ID = 22573]
4. 4 [Option ID = 22574]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22571]

2)

Which system holds that which has origination (*utpatti*), stability (*sthiti*) and destruction (*vināśa*) is *satdravya*?

(1) Vaiśeṣika (2) Vedānta
(3) Sāṁkhya (4) Jaina

उत्पत्ति,स्थिति और विनाश किस प्रथा में सतद्रव्य के रूप में निहित है ?

(१) वैशेषिक (२) वेदान्त
(३) सांख्य (४) जैन

[Question ID = 5847][Question Description = Q02_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22575]
2. 2 [Option ID = 22576]
3. 3 [Option ID = 22577]
4. 4 [Option ID = 22578]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22575]

3)

Consider the following and select the code that presents the *Cārvāka* position correctly:

(1) *Sukhavāda only* (2) *Dehātmavāda only*
(3) Both *Sukhavāda* and *Dehātmavāda* (4) Neither *Sukhavāda* nor *Dehātmavāda*

निम्नलिखित पर विचार करें और उस कूट का चयन करें जो चार्वाक दर्शन की स्थिति को सही तरीके से प्रस्तुत करता है

(१) केवल सुखवाद (२) केवल देहात्मवाद
३) सुखवाद और देहात्मवाद दोनों (४) न तो सुखवाद न तो देहात्मवाद

[Question ID = 5848][Question Description = Q03_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22579]
2. 2 [Option ID = 22580]
3. 3 [Option ID = 22581]
4. 4 [Option ID = 22582]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22579]

4) ***Anumāna*** **cannot be a** ***pramāṇa*** **according to the Cārvākas because:**

(1) ***Anumāna*** **is always incorrect**

(2) ***Anumāna*** **is sometimes incorrect**

(3) ***Vyāpti*** **relation of an** ***anumāna*** **cannot be established**

(4) ***Anumāna*** **is always dependent on** ***pratyakṣa***

चार्वाक दर्शन के अनुसार अनुमान एक प्रमाण नही हो सकता क्योंकि :

(1) अनुमान सदैव असत्य होता है

(2) अनुमान कभी-कभी असत्य होता है

(3) अनुमान के व्याप्ति समबन्ध को स्थापित नहीं किया जा सकता है

(4) अनुमान सदैव प्रत्यक्ष पर अवलम्बित होता है

[Question ID = 5849][Question Description = Q04_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22583]
2. 2 [Option ID = 22584]
3. 3 [Option ID = 22585]
4. 4 [Option ID = 22586]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22583]

5)

In Vedic tradition *Brahma* can be the *ṛtvika* of:

(1) *Ṛk* veda *only* (2) *Sāmveda* only

(3) *Yajurveda only* (4) *Ṛk veda*, *Sāmveda* and *Yajurveda*

वैदिक परम्परा में ब्रह्म इनमें किसका ऋत्विक हो सकता है?

(१) केवल ऋग्वेद (२) केवल सामवेद

(३) केवल यजुर्वेद (४) ऋग्वेद , सामवेद और यजुर्वेद

[Question ID = 5850][Question Description = Q05_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22587]
2. 2 [Option ID = 22588]
3. 3 [Option ID = 22589]
4. 4 [Option ID = 22590]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22587]

6) Which school holds that there are external objects but we cannot perceive them?

(1) Sautrāntika (2) Vaibhāṣika

(3) Mādhyamika (4) Yogācāra

किस दार्शनिक मत के अनुसार बह्यीय वस्तुएं होती तो हैं किन्तु हम उनका अनुभव नहीं कर सकते?

(1) सौत्रान्तिक (2) वैभाषिक

(3) माध्यमिक (4) योगाचार

[Question ID = 5851][Question Description = Q06_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22591]
2. 2 [Option ID = 22592]
3. 3 [Option ID = 22593]
4. 4 [Option ID = 22594]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22591]

7)

The *asamavāyi kāraṇa* of a *trasareṇu* according to the Vaiśeṣikas is:

(1) *Paramāṇu* (2) *Dvyaṇuka*

(3) *Dvyaṇuka saṁyoga* (4) *Paramāṇu saṁyoga*

वैशेषिक के अनुसार एक त्रसरेणु (**trasareṇu**) का असमवायी कारण है :

(1) परमाणु (2) द्वय–अणु

(3) द्वय–अणु संयोग (4) परमाणु संयोग

[Question ID = 5852][Question Description = Q07_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22595]
2. 2 [Option ID = 22596]
3. 3 [Option ID = 22597]
4. 4 [Option ID = 22598]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22595]

8) By what *sannikarṣa*, according to Nyāya, do we perceive the relation between a pot and its colour?

(1) ***Samavāya*** **(2)** ***Saṁyukta Samavāya***

(3) ***Viśeṣanatā*** **(4)** ***Saṁyoga***

न्याय दर्शन के अनुसार किस सन्निकर्ष के कारण बर्तन और इसके रंग के बीच सम्बन्ध का हम अनुभव करते हैं?

(1) समवाय (2) सँयुक्त समवाय

(3) विषेशणता **(visesanata)** (4) संयोग

[Question ID = 5853][Question Description = Q08_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22599]
2. 2 [Option ID = 22600]
3. 3 [Option ID = 22601]
4. 4 [Option ID = 22602]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22599]

9) Which one among the following is not a means of *śaktigraha* according to Nyāya?

(1) ***Āptavākya*** **(2)** ***Vyākaraṇa***

(3) ***Tarka*** **(4)** ***Upamāna***

न्याय दर्शन के अनुसार निम्नलिखित में कौन- सा एक शक्तिग्रह का साधन नहीं है

(1) आप्तवाक्य (2) व्याकरण

(3) तर्क (4) उपमान

[Question ID = 5854][Question Description = Q09_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22603]
2. 2 [Option ID = 22604]
3. 3 [Option ID = 22605]
4. 4 [Option ID = 22606]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22603]

10)

By which sense-organ do we perceive the absence of bitterness in the water according to Nyāya?

(1) Visual senses-organ (2) Tactual senses-organ

(3) Gustatory senses-organ (4) Auditory senses-organ

न्याय दर्शन के अनुसार पानी में कड़वाहट के अभाव का हम किस ज्ञानेन्द्रिय द्वारा अनुभव करते हैं?

(१) दृश्य- इन्द्रियों द्वारा (२) स्पर्श - इन्द्रियों द्वारा

(३) स्वाद-इन्द्रियों द्वारा (४) श्रवण -इन्द्रियों द्वारा

[Question ID = 5855][Question Description = Q10_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22607]
2. 2 [Option ID = 22608]
3. 3 [Option ID = 22609]
4. 4 [Option ID = 22610]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22607]

11)

'Śabda guṇaḥ cākṣusātvat'.

Which type of *hetvābhāsa* is committed by the above *anumāna*?

(1) *Sādhāraṇa savyabhicāra* (2) *Svarūpāsiddha*

(3) *Viruddha* (4) *Āśrayāsiddha*

शब्द गुणः चाक्षुसात्वत

हेत्वाभास का कौन सा प्रकार उपरोक्त अनुमान द्वारा प्रतिबद्ध है ?

(१) साधारण सव्यभिचार (२) स्वरुपासिद्ध

(३) विरुद्ध (४) आश्रयासिद्ध

[Question ID = 5856][Question Description = Q11_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22611]
2. 2 [Option ID = 22612]
3. 3 [Option ID = 22613]
4. 4 [Option ID = 22614]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22611]

12) Who among the following holds that the existence of God cannot be proved for the lack of *pramāṇa* (*Iśvarāsiddhe Pramāṇābhāvāt*)?

(1) Gautama **(2) Saṁkara**

(3) Kumārila **(4) Kapila**

निम्नलिखित में से किसने यह विचार दिया है कि प्रमाण (ईश्वरसिद्धिप्रमाणाभावात)के अभाव में ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध नहीं किया जा सकता ?

(1) गौतम (2) शंकर

(3) कुमारिल (4) कपिल

[Question ID = 5857][Question Description = Q12_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22615]
2. 2 [Option ID = 22616]
3. 3 [Option ID = 22617]
4. 4 [Option ID = 22618]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22615]

13)

The first evolute of *Prakṛti* in *Sāṁkhya* theory of evolution is:

(1) *Ahaṁkāra* (2) Manas

(3) Buddhi (4) Jñānendriya

सांख्य के क्रम-विकास वाद में प्रकृति का प्रथम विकासज है :

(१) अहंकार (२) मनस

(३) बुद्धि (४) ज्ञानेन्द्रियां

[Question ID = 5858][Question Description = Q13_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22619]
2. 2 [Option ID = 22620]
3. 3 [Option ID = 22621]
4. 4 [Option ID = 22622]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22619]

14) "When silver is perceived in a shell, the silver is actually remembered although it is not present in perception as remembered silver.'' Who holds this view?

(1) Nāgārjuna **(2) Saṁkara**

(3) Prabhākara **(4) Kumārila**

"जब रजत का सीप में अनुभव किया जाता है ,वास्तव में रजत स्मरण में ही आता है यद्यपि यह स्मरण में लाये गये रजत के रूप में प्रत्यक्ष ज्ञान में विद्यमान नही होता है "यह विचार किसने दिया है?

(1) नागार्जुन (2) शंकर

(3) प्रभाकर (4) कुमारिल

[Question ID = 5859][Question Description = Q14_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22623]
2. 2 [Option ID = 22624]
3. 3 [Option ID = 22625]
4. 4 [Option ID = 22626]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22623]

15) Which of the following systems approve *jivanmukti*? Select the code.

(1) Sāṁkhya and Dvaita only

(2) Advaita and Cārvāka only

(3) Dvaita and Advaita only

(4) Advaita and Sāṁkhya only

निम्नलिखित में से कौन सा मत जीवनमुक्ति की अवधारणा को मान्यता देता है? सही कूट का चयन कीजिये.

(1) केवल सांख्य और द्वैत द्वारा

(2) केवल अद्वैत और चार्वाक द्वारा

(3) केवल द्वैत और अद्वैत द्वारा

(4) केवल अद्वैत और सांख्य द्वारा

[Question ID = 5860][Question Description = Q15_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22627]
2. 2 [Option ID = 22628]
3. 3 [Option ID = 22629]
4. 4 [Option ID = 22630]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22627]

16) Given below are two statements, one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R

Consider them and select the correct code in the context of Cārvāka Philosophy.

Assertion A : Water flows downward.
Reason R : The earth is round.

In light of the above statements, choose the correct answer from the options given below

(1) Both A and R are true and R is the correct explanation of A

(2) Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A

(3) A is true but R is false

(4) A is false but R is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

चार्वाक दर्शन के सन्दर्भ में इस पर विचार करें और सही कूट का चयन करें :

अभिकथन (A) : पानी नीचे की ओर बहता है।

तर्क (R) : पृथ्वी गोल है ।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(3) (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।

(4) (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

[Question ID = 5861][Question Description = Q16_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22631]
2. 2 [Option ID = 22632]
3. 3 [Option ID = 22633]
4. 4 [Option ID = 22634]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22631]

17) Given below are two statements, one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R

Consider them and select the correct code

Assertion A : Even the state of nirvāṇa cannot be completely free from duḥkha.

Reason R : Sarvaṁ duḥkhaṁ duḥkhaṁ.

In light of the above statements, choose the correct answer from the options given below

(1) Both A and R are true and R is the correct explanation of A

(2) Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A

(3) A is true but R is false

(4) A is false but R is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

इस पर विचार करें और सही कूट का चयन करें

अभिकथन (A) : यहाँ तक कि निर्वाण की अवस्था भी दुःख से पूर्णतया मुक्त नही हो सकती है।

तर्क (R) : सर्वम दुःखम दुःखम।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें ।

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(3) (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।

(4) (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

[Question ID = 5862][Question Description = Q17_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22635]
2. 2 [Option ID = 22636]
3. 3 [Option ID = 22637]
4. 4 [Option ID = 22638]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22635]

18) Select the correct sequence of the following:

A. *Avagraha*

B. *Ihā*

C. *Avāya*

D. *Dhāraṇā*

Choose the *correct* answer from the options given below

(1) A, C, B, D

(2) A, B, C, D

(3) B, A, D, C

(4) D, C, A, B

निम्नलिखित के सही क्रम का चयन करें :

A. अवग्रह

B. इहा

C. अवाय

D. धारणा

(1) A, C, B, D

(2) A, B, C, D

(3) B, A, D, C

(4) D, C, A, B

[Question ID = 5863][Question Description = Q18_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22639]
2. 2 [Option ID = 22640]
3. 3 [Option ID = 22641]
4. 4 [Option ID = 22642]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22639]

19) Select the correct sequence of the following:

A. Samyak vyāyām
B. Samyak ājiva
C. Samyak samādhi
D. Samyak smṛti

Choose the correct answer from the options given below

(1) A, B, C, D
(2) A, C, B, D
(3) B, A, D, C
(4) D, C, A, B

निम्नलिखित के सही क्रम का चयन करें :

A. सम्यक व्यायाम

B. सम्यक आजीव

C. सम्यक समाधि

D. सम्यक स्मृति

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(1) A, B, C, D

(2) A, C, B, D

(3) B, A, D, C

(4) D, C, A, B

[Question ID = 5864][Question Description = Q19_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22643]
2. 2 [Option ID = 22644]
3. 3 [Option ID = 22645]
4. 4 [Option ID = 22646]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22643]

20) Consider the following schools and select the code that represents the school(s) which take(s) the help of *adṛṣṭa* to prove the existence of God.

(A) Nyāya

(B) Vaiśeṣika

(C) Mīmāṁsā

(D) Sāṁkhya

Choose the *correct* answer from the options given below:

(1) A only

(2) A and B only

(3) B only

(4) A, B and C only

निम्नलिखित शाखाओं पर विचार करें और उस कूट का चयन करें जो ईश्वर के अस्तित्व को अद्रष्टा की सहायता से सिद्ध करने वाली शाखा का प्रतिनिधित्व करती है

A. न्याय

B. वैशेषिक

C. मीमांसा

D. साँख्य

नीचे दिए गए विकल्पों से सही को चुनिए :

(1) केवल A

(2) केवल A और B

(3) केवल B

(4) केवल A,B और C

[Question ID = 5865][Question Description = Q20_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22647]
2. 2 [Option ID = 22648]
3. 3 [Option ID = 22649]
4. 4 [Option ID = 22650]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22647]

21) Which of the following statements are correct in the context of *vedic* philosophy? Select the code given below.

A. *Ṛta* comes out of God

B. God comes out of *Ṛta*

C. *Ṛta* controls heavenly bodies

D. *Ṛta* controls natural phenomena

Choose the correct answer from the options given below:

(1) A and B only

(2) B and C only

(3) B, C and D only

(4) A, B and C only

वैदिक दर्शन के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन से सही हैं ? नीचे दिए कूट का चयन करें ;

A. ऋत ईश्वर की उत्पत्ति है

B. ईश्वर ऋत की उत्पत्ति है

C. ऋत दिव्य काय को नियंत्रित करता है

D. ऋत प्राकृतिक परिघटनाओ को नियन्त्रित करता है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(1) केवल A और B

(2) केवल B और C

(3) केवल B, C और D

(4) केवल A, B और C

[Question ID = 5866][Question Description = Q21_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22651]
2. 2 [Option ID = 22652]
3. 3 [Option ID = 22653]
4. 4 [Option ID = 22654]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22651]

22) Who among the following advocate(s) the *apauruṣeyatva* of the *Vedas*?

A. Jaimini

B. Kumārila

C. Prabhākara

D. Vasubandhu

Choose the *correct* answer from the options given below:

(1) B and D only

(2) A, B and C only

(3) A and D only

(4) C and D only

निम्निलिखित में से कौन वेदों की अपौरुषेयता के पक्षधर रहे है ?

A. जैमिनी

B. कुमारिल

C. प्रभाकर

D. वसबंधु

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(1) केवल B और D

(2) केवल A, B और C

(3) केवल A और D

(4) केवल C और D

[Question ID = 5867][Question Description = Q22_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1

   [Option ID = 22655]
2. 2

   [Option ID = 22656]
3. 3

   [Option ID = 22657]
4. 4

   [Option ID = 22658]

Correct Answer :-

- 1

  [Option ID = 22655]

23) What is the role of sākṣi in Dvaita Vedānta?

A. In the production of knowledge

B. In the ascertainment and validation of knowledge

C. In being a sense organ

D. In producing doubtful cognition.

Choose the *correct* answer from the options given below:

(1) B and D only

(2) A, B and C only

(3) C only

(4) A and D only

द्वैत वेदान्त में साक्षी की भूमिका क्या है ?

A. ज्ञान के उत्पत्ति में

B. ज्ञान की प्रतीति और वैधता में

C. ज्ञानेन्द्रिय होने के रूप में

D. संदेहपूर्ण अनुभूति की रचना करने में

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(1) केवल B और D

(2) केवल A, B और C

(3) केवल C

(4) केवल A और D

[Question ID = 5868][Question Description = Q23_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1

   [Option ID = 22659]
2. 2

   [Option ID = 22660]
3. 3

   [Option ID = 22661]
4. 4

   [Option ID = 22662]

Correct Answer :-

- 1

  [Option ID = 22659]

24) Match List I with List II

List I	List II
A. *Kevala*	I. Direct Knowledge of past, subtle and distant object.
B. *Manahparyāya*	II. Direct knowledge of the thoughts of others.
C. *Avadhi*	III. Mediate perceptual knowledge
D. *Mati*	IV. Intuitive, complete and absolute knowledge

Choose the correct answer from the options given below:

(1) A - I, B - II, C - III, D - IV

(2) A- IV, B- II, C- I, D- III

(3) A- II, B- I, C- III, D- IV

(4) A- IV, B- II, C- III, D- I

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. केवल	I. भूतकाल, सूक्ष्म और दूरस्थ वस्तु(OBJECT)का प्रत्यक्ष ज्ञान
B. मनः पर्याय	II. दूसरे के विचारों का प्रत्यक्ष ज्ञान
C. अवधि	III. व्यवहित बोधात्मक ज्ञान
D. मति	IV. अंतःप्रज्ञात्मक ,पूर्ण और निरपेक्ष ज्ञान

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(1) A - I, B - II, C - III, D - IV

(2) A- IV, B- II, C- I, D- III

(3) A- II, B- I, C- III, D- IV

(4) A- IV, B- II, C- III, D- I

[Question ID = 5869][Question Description = Q24_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22663]
2. 2 [Option ID = 22664]
3. 3 [Option ID = 22665]
4. 4 [Option ID = 22666]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22663]

25) Match List I with List II

List I	List II
A.*Sattā*	i. *Parasāmānya*
B. *Pṛthivitva*	ii. *Aparasāmānya*
C. *Guṇtva*	iii. *Parāparsāmānya*
D. *Udbhūtatva*	iv. *Upādhi*

Choose the correct answer from the options given below:

(1) A - I, B - II, C- III, D- IV

(2) A- II, B- I, C- III, D- IV

(3) A- II, B- III, C- I, D- IV

(4) A- I, B- III, C- IV, D- II

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. सत्ता	I. परसामान्य
B. प्रथ्वीत्व	II. अपरसामान्य
C. गुणत्व	III. परापरसामान्य
D. उद्भूतत्व	IV. उपाधि

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(1) A - I , B - II , C - III, D - IV

(2) A- II, B- I, C- III, D- IV

(3) A- II, B- III, C- I, D- IV

(4) A- I, B- III, C- IV, D- II

[Question ID = 5870][Question Description = Q25_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22667]
2. 2 [Option ID = 22668]
3. 3 [Option ID = 22669]
4. 4 [Option ID = 22670]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22667]

26) Vivekananda's conception of Reality is:

(1) Pluralistic **(2) Monistic**

(3) Heterogenous **(4) Imperfect Unity**

विवेकानन्द की यथार्थता का संप्रत्यय है :

(1) बहुलवाद (2) अद्वैतात्मक

(3) असदृश (4) अपूर्ण एकत्व

[Question ID = 5871][Question Description = Q26_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22671]
2. 2 [Option ID = 22672]
3. 3 [Option ID = 22673]
4. 4 [Option ID = 22674]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22671]

27) Consider the following statements with regard to the distinction between Satyagraha and passive resistance that Gandhi maintains.

A. Satyagraha unlike passive resistance involves force.
B. Satyagrahi respects the law, unlike a person of passive resistance.
C. Satyagraha is based on the feeling of love.

Choose the *correct* answer from the options given below:

(1) A only **(2) B only**

(3) A and B only **(4) B and C only**

गाँधीजी द्वारा पालन किए गए सत्याग्रह और निष्क्रिय प्रतिरोध के बीच विभेद के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए I

A निष्क्रिय प्रतिरोध के विपरीत सत्याग्रह में बल निहित होता है।

B. निष्क्रिय प्रतिरोध के विपरीत सत्याग्रही कानूनों का पालन करता है।

C. सत्याग्रह प्रेम की अनुभूति पर आधारित होता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(1) केवल A (2) केवल B

(3) केवल A और B (4) केवल B और C

[Question ID = 5872][Question Description = Q27_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22675]
2. 2 [Option ID = 22676]
3. 3 [Option ID = 22677]
4. 4 [Option ID = 22678]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22675]

28) Given below are two statements, one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R

Assertion A : The difference between mind and supermind consists in the difference between their manners of apprehending reality.

Reason R : Supermind essentially gets the unitary picture of reality, whereas the mind creates divisions.

In light of the above statements, choose the correct answer from the options given below

(1) Both A and R are true and R is the correct explanation of A

(2) Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A

(3) A is true but R is false

(4) A is false but R is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : मनस और परम मनस के बीच अंतर यथार्थ को समझने के तरीके में अंतर है।

तर्क (R) : परम मनस में यथार्थता का एकात्मक चित्र आवश्यक रूप से प्राप्त होता है। जबकि मनस विभेद उत्पन्न करता है

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(3) (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।

(4) (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

[Question ID = 5873][Question Description = Q28_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22679]
2. 2 [Option ID = 22680]
3. 3 [Option ID = 22681]
4. 4 [Option ID = 22682]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22679]

29) According to K C Bhattacharya, Philosophy is concerned with:

A. Empirical consciousness
B. Objective consciousness
C. Spiritual consciousness
D. Transcendental consciousness

Choose the *correct* answer from the options given below:

(1) A and B only
(2) B and C only
(3) B, C and D only
(4) D only

के. सी. भट्टाचार्य के अनुसार दर्शन-शास्त्र किस से सम्बंधित है?

A. एन्द्रिकानुभाव

B. विषय-निष्ठ चेतना

C. आध्यात्मिक चेतना

D. प्रगनुभाविकचेतना

निम्नलिखित दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(1) केवल A और B

(2) केवल B और C

(3) केवल B, C और D

(4) केवल D

[Question ID = 5874][Question Description = Q29_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22683]
2. 2 [Option ID = 22684]
3. 3 [Option ID = 22685]
4. 4 [Option ID = 22686]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22683]

30) Given below are two statements, one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R

Assertion A : Intuition is an immediate knowledge of reality.

Reason R : Intuition is the property of the heart.

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below

(1) Both A and R are true and R is the correct explanation of A

(2) Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A

(3) A is true but R is false

(4) A is false but R is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : अंतःप्रज्ञा यथार्थ का अव्यवहित ज्ञान है ।

तर्क (R) : अंतःप्रज्ञा हृदय का गुणधर्म है ।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(3) (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।

(4) (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

[Question ID = 5875][Question Description = Q30_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22687]
2. 2 [Option ID = 22688]

3. 3 [Option ID = 22689]
4. 4 [Option ID = 22690]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22687]

31) Leap of faith is explained by Kierkegaard in terms of:

(1) Intellectual, impassionate and finite commitment to God
(2) Non-intellectual, passionate and finite commitment to God
(3) Non-intellectual, passionate and infinite commitment to God
(4) Intellectual, impassionate, infinite commitment to God.

कीर्केगार्ड द्वारा आस्था की छलांग किन पदों में व्याख्यायित है?

(१) बौद्धिक ,उदासीन और ईश्वर के प्रति सीमित प्रतिबद्धता

(२) गैर-बौद्धिक ,आवेश-पूर्ण और ईश्वर के प्रति सीमित प्रतिबद्धता

(३) गैर-बौद्धिक ,आवेश-पूर्ण और ईश्वर के प्रति असीमित प्रतिबद्धता

(४) बौद्धिक ,उदासीन, ईश्वर के प्रति असीमित प्रतिबद्धता

[Question ID = 5876][Question Description = Q31_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22691]
2. 2 [Option ID = 22692]
3. 3 [Option ID = 22693]
4. 4 [Option ID = 22694]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22691]

32) Consider the following statements with reference to Sartre.

A. Human beings have being-in-itself alone.
B. Human beings have being-for-itself alone.
C. Human beings have both being-in-itself and being-for-itself.
D. Human beings are condemned to be free, as God exists.

Choose the *correct* answer from the options given below:

(1) A and D only
(2) B and D only
(3) C only
(4) C and D only

सार्त्र के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

A. मानव का अस्तित्व केवल अपने आप में होता है।

B. मानव का अस्तित्व केवल अपने लिए होता है।

C. मानव का अस्तित्व दोनों अपने आप में और अपने लिए होता है।

D चूँकि ईश्वर का अस्तित्व है ,इसलिये मानव स्वतंत्र होने के लिए अभिशप्त है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(1) केवल A और D (2) केवल B और D

(3) केवल C (4) केवल C और D

[Question ID = 5877][Question Description = Q32_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22695]
2. 2 [Option ID = 22696]
3. 3 [Option ID = 22697]
4. 4 [Option ID = 22698]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22695]

33) The concept of everydayness is used by Heidegger to:

(1) Explain how human beings lead authentic lives
(2) Explain why human beings lead unthinking lives
(3) Explain why human beings lead lives to their potential

(4) Explain why human beings lead a life of rationality

हीडेगर द्वारा प्रयुक्त दैनंदिन संकल्पना किसके लिए है?

(१) मानव प्रामाणिक जीवन कैसे जीता है ,इसकी व्याख्या करता है ।

(२) मानव चिंतनहीन जीवन क्यों जीता है,इसकी व्याख्या करता है ।

(३) मानव अपनी संभाव्यताओ के लिए जीवन क्यों जीता है ,इसकी व्याख्या करता है ।

(४) मानव तार्किकता वाला जीवन क्यों जीता है ,इसकी व्याख्या करता है ।

[Question ID = 5878][Question Description = Q33_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22699]
2. 2 [Option ID = 22700]
3. 3 [Option ID = 22701]
4. 4 [Option ID = 22702]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22699]

34) Who among the following argued that the subjectivity is primordially ethical and our responsibility for the other is the foundation of our subjectivity?

(1) Immanuel Levinas
(2) Morleau-Ponty
(3) Rorty
(4) Nietzsche

निम्नलिखित में से किसने तर्क दिया कि व्यक्तिनिष्ठता मौलिक रूप से नीतिपरक है और दूसरों के लिए हमारा उत्तरदायित्व ही हमारी व्यक्तिनिष्ठता का आधार है?

(1) इमैनुएल लेविनस (2) मोर्लु -पोंटि

(3) रोर्टी (4) नीत्शे

[Question ID = 5879][Question Description = Q34_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22703]
2. 2 [Option ID = 22704]
3. 3 [Option ID = 22705]
4. 4 [Option ID = 22706]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22703]

35) Consider the following statements with reference to Arthasastra.

A. The aim of the polity is the *yogakshema* and the *rakshana* of the subjects.

B. *Yogakshema* is not the responsibility of the state.

C. Curbing of the matasyanyāya within the State is advocated.

Choose the *correct* answer from the options given below:

(1) A only
(2) A and C only
(3) C only
(4) A, B and C

अर्थशास्त्र के में सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये ?

A. राजनीति का लक्ष्य प्रजा का योगक्षेम और रक्षण करना है।

B. योगक्षेम राज्य का उत्तरदायित्व नही है।

C. राज्य के भीतर मत्स्यन्याय पर अंकुश का पक्षधर है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(1) केवल A

(2) केवल A और C

(3) केवल C

(3) केवल C

(4) A, B और C

[Question ID = 5880][Question Description = Q35_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1

   [Option ID = 22707]
2. 2

   [Option ID = 22708]
3. 3

   [Option ID = 22709]
4. 4

   [Option ID = 22710]

Correct Answer :-

- 1

  [Option ID = 22707]

36) Who among the following advocated *upeksha* as a supreme virtue?

(1) Yudhisthira
(2) Kamandaka
(3) Kautilya
(4) Narada

निम्नलिखित में किसने उपेक्षा को परम सद्गुण के रूप में माना है?

(1) युधिष्ठिर

(2) कामंदक

(3) कौटिल्य

(4) नारद

[Question ID = 5881][Question Description = Q36_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22711]
2. 2 [Option ID = 22712]
3. 3 [Option ID = 22713]
4. 4 [Option ID = 22714]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22711]

37) The purpose of affirmative action is:

(1) To promote historic inequalities
(2) To bridge historic inequalities
(3) To support absolute freedom
(4) To curb historic diversity

विधानात्मक/सकारात्मक कृत्य (एफेर्मेटिव एक्शन) का उद्देश्य क्या है?

(1) ऐतिहासिक असमानताओं को प्रोत्साहन देना

(2) ऐतिहासिक असमानताओं के बीच अंतर समाप्त करना

(3) पूर्ण स्वतंत्रता का समर्थन करना

(4) ऐतिहासिक विविधताओं पर नियंत्रण करना

[Question ID = 5882][Question Description = Q37_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22715]
2. 2 [Option ID = 22716]
3. 3 [Option ID = 22717]
4. 4 [Option ID = 22718]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22715]

38) Which one of the following is not true with reference to Ecofeminism?

(1) It explores the relationship between nature and humans.
(2) It addresses the parallels between oppression of nature and oppression of women.
(3) It considers a separation between nature and culture to be the root source of all planetary ills.
(4) It criticizes the oppressing role of nature on women.

निम्नलिखित में से कौन एक पारिस्थितिकीय नारीवाद (ecofeminism) के सन्दर्भ में सही नही है?

(1) इससे प्रकृति और मानव के बीच संबंधों का पता चलता है
(2) इससे प्रकृति के दमन और महिला उत्पीड़न बीच समानताओं की व्याख्या होती है
(3) यह सभी ग्रहीय बुराईयों का मूल स्रोत प्रकृति और संस्कृति के होने के बीच अलगाव पर विचार करता है
(4) यह प्रकृति द्वारा महिलाओं का दमन करने की भूमिका की आलोचना करता है

[Question ID = 5883][Question Description = Q38_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22719]
2. 2 [Option ID = 22720]
3. 3 [Option ID = 22721]
4. 4 [Option ID = 22722]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22719]

39) The problematic separation between a subject and an object that properly belong together is conceptualized in Marxism as;

(1) Objectification
(2) Alienation
(3) Fetishism
(4) Estrangement

मार्क्सवाद में विषय और प्रयोजन जो सम्यक रूप में एक साथ रहता है, इसके बीच समस्यात्मक पृथक्करण का संप्रत्यय किस रूप में है

(1) वस्तुकरण
(2) विसंबंधन
(3) प्रतीकाँधभक्ति
(4) अलगाव

[Question ID = 5884][Question Description = Q39_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22723]
2. 2 [Option ID = 22724]
3. 3 [Option ID = 22725]
4. 4 [Option ID = 22726]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22723]

40) As per the politics of recognition of Charles Taylor, which one of the following it true.

(1) It advocated politics of difference that emphasized that everyone owed recognition of the unique identity.
(2) It advocated politics of indifference that emphasized that everyone owed recognition of the unique identity.
(3) It advocated politics of difference that emphasized that everyone owed recognition of the universal shared identity.
(4) It emphasized a move from recognition to non-recognition

चार्ल्स टेलर की मान्यता की राजनीति के अनुसार ,निम्नलिखित में से कौन एक सही है

(1) इसने मतभेद की राजनीति का समर्थन किया जो कि इस बात पर बल देता है कि सभी व्यक्ति विशिष्ट पहचान की मान्यता के धारक है
(2) इसने उदासीनता की राजनीति का समर्थन किया जो की इस बात पर बल देता है कि सभी व्यक्ति विशिष्ट पहचान की मान्यता के धारक है
(3) इसने मतभेद की राजनीति का समर्थन किया जो इस बात पर बल देता है कि सभी व्यक्ति वैश्विक रूप से साझा की गई पहचान की मान्यता के धारक है

(4) यह मान्यता से गैर-मान्यता की तरफ जाने पर बल देती है

[Question ID = 5885][Question Description = Q40_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22727]
2. 2 [Option ID = 22728]
3. 3 [Option ID = 22729]
4. 4 [Option ID = 22730]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22727]

41) As per the axioms of Quantity of a categorical syllogism;

(1) The middle term must be undistributed at least once
(2) The middle term must be distributed in all cases
(3) The middle term must be distributed at least once
(4) The middle term must be undistributed in all the cases

श्रेणीबद्ध तर्कवाक्य के परिमाण के अभिगृहीत के अनुसार :

(1) मध्य पद आवश्यक रूप से कम से कम एक बार अवितरित होगा

(2) मध्य पद सभी केसों में आवश्यक रूप में वितरित होगा

(3) मध्य पद आवश्यक रूप से कम से कम एक बार वितरित होगा

(4) मध्य पद आवश्यक रूप से सभी केसों में अवितरित होगा

[Question ID = 5886][Question Description = Q41_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22731]
2. 2 [Option ID = 22732]
3. 3 [Option ID = 22733]
4. 4 [Option ID = 22734]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22731]

42) Which one of the following is the correct combination of moods of the second figure?

(1) Camestres, Baroco, Cesare and Festino
(2) Camestres, Baroco, **Celarent** and Festino
(3) Camestres, Celarent, Cesare and Festino
(4) Camestres, Baroco, Cesare, Ferio

दूसरे आकृति की मनोदशा का निम्नलिखित में कौन सा एक सही युग्म है ?

(1) कामेस्त्रेस, बरोको, सेसरे और फेस्तिनो

(2) कामेस्त्रेस, बरोको, सेलारेंट और फेस्तिनो

(3) कामेस्त्रेस, सेलारेंट, सेसरे और फेस्तिनो

(4) कामेस्त्रेस, बरोको, सेसरे ,फेरियो

[Question ID = 5887][Question Description = Q42_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1

   [Option ID = 22735]
2. 2

   [Option ID = 22736]
3. 3

   [Option ID = 22737]
4. 4

   [Option ID = 22738]

Correct Answer :-
- 1

  [Option ID = 22735]

43) Which one of the following represents the relation between the following propositions?

No dogs are cats.
Some dogs are cats.

(1) Subcontrary (2) Contradictory

(3) Subaltern (4) Contrary

निम्नलिखित तर्कवाक्यों के बीच का सम्बन्ध किस विकल्प में प्रदर्शित होता है ?

कोई कुत्ता बिल्ली नहीं है ।

कुछ कुत्ते बिल्ली हैं ।

(1) उप-विपरीत (2) विरोधाभाषी

(3) उपाश्रयी (4) विपरीत

[Question ID = 5888][Question Description = Q43_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22739]
2. 2 [Option ID = 22740]
3. 3 [Option ID = 22741]
4. 4 [Option ID = 22742]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22739]

44) Which one of the following is a valid inference?

(1) If p then q, p, therefore q.
(2) If p then q, not q, therefore p.
(3) If p then q, not p, therefore not q.
(4) Either p or q, p, therefore not q.

निम्नलिखित में से कौन एक वैध अनुमान है ?

(1) यदि p तब q है, p है, अतः q है

(2) यदि p तब q है, न कि q, अतः p है

(3) यदि p तब q है , न कि p , अतः न कि q है

(4) या तो p अथवा q , p हैं , अतः न कि q है

[Question ID = 5889][Question Description = Q44_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22743]
2. 2 [Option ID = 22744]
3. 3 [Option ID = 22745]
4. 4 [Option ID = 22746]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22743]

45) Which one of the following is a tautology?

(1) (p∨ q) ⊃ p
(2) (p⊃ q) ∨ (q ⊃ p)
(3) p⊃ q
(4) (p • q) ∨ p

निम्नलिखित में से कौन एक पुनरुक्ति है?

(1) $(p \vee q) \supset p$

(2) $(p \supset q) \vee (q \supset p)$

(3) $p \supset q$

(4) $(p.q) \vee p$

[Question ID = 5890][Question Description = Q45_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22747]

2. 2 [Option ID = 22748]
3. 3 [Option ID = 22749]
4. 4 [Option ID = 22750]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22747]

46) Consider the following statements with reference to the distribution of the terms of the Categorical propositions?

A. Predicate term of the Negative propositions is distributed.
B. Subject term of the particular propositions is undistributed.
C. Subject term of the universal propositions is distributed.
Choose the correct answer from the options given below:

(1) A only
(2) A and B only
(3) B only
(4) A, B and C

निरुपाधिक प्रतिज्ञप्ती के पदों में व्याप्तता (डिस्ट्रीब्यूशन) के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये.

A. नकारात्मक तर्कवाक्यों का विधेय पद व्याप्त होता है.

B. विशेषात्मक तर्कवाक्यों का उद्देश्य पद व्याप्त होता है.

C. सार्वभौमिक तर्कवाक्यों का उद्देश्य पद व्याप्त होता है.

नीचे दिये गए विकल्पों में से सही विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(1) केवल A

(2) केवल A और B

(3) केवल B

(4) A, B और C

[Question ID = 5891][Question Description = Q46_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1

   [Option ID = 22751]
2. 2

   [Option ID = 22752]
3. 3

   [Option ID = 22753]
4. 4

   [Option ID = 22754]

Correct Answer :-

- 1

  [Option ID = 22751]

47) Consider the following syllogism and mark the correct code.

Some dogs are friendly
No friendly animals bark
Therefore, No dogs bark

(1) it is a valid syllogism **(2) Commits the fallacy of illicit major**

(3) Commits the fallacy of four terms **(4) Commits the fallacy of illicit minor**

निम्नलिखित न्यायवाक्यों पर विचार करें और सही कूट को चिन्हित करें ।
कुछ कुत्ते मित्रवत हैं
कोई भी मित्रवत जानवर भौंकते नहीं हैं
अतः ,कोई भी कुत्ते भौंकते नहीं हैं

(1) यह एक वैध न्यायवाक्य है (2) अवैध मुख्य पद का दोष कारित करता है
(3) चार पदों के दोष कारित करता है (4) अवैध अमुख्य पद का दोष कारित करता है

[Question ID = 5892][Question Description = Q47_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22755]
2. 2 [Option ID = 22756]
3. 3 [Option ID = 22757]
4. 4 [Option ID = 22758]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22755]

48) The contraposition of which one of the following propositions is not a valid inference?

(1) Universal Affirmative proposition (2) Universal Negative proposition

(3) Particular Affirmative proposition (4) Particular Negative proposition

निम्नलिखित तर्कवाक्यों में से कौन एक प्रतिपरिवर्तन एक वैध अनुमान नहीं है?

(1) सार्वभौमिक सकारात्मक तर्कवाक्य (2) सार्वभौमिक नकारात्मक तर्कवाक्य

(3) अंशव्यापी सकारात्मक तर्कवाक्य (4) अंशव्यापी नकारात्मक तर्कवाक्य

[Question ID = 5893][Question Description = Q48_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22759]
2. 2 [Option ID = 22760]
3. 3 [Option ID = 22761]
4. 4 [Option ID = 22762]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22759]

49) If two standard form categorical propositions with the same subject and the same predicate are related in such a manner that if one is undetermined, the other must be undetermined, what is their relation?

(1) Contrary (2) Sub-contrary

(3) Sub-altern (4) Contradictory

यदि सामान उद्देश्य तथा सामान विधेय वाले दो मानक रूप निरपेक्ष तर्कवाक्य इस रूप में सम्बंधित हैं की यदि एक अनिश्चित हो तो दूसरा भी अवश्य ही अनिश्चित होगा, तो उनके बीच क्या तार्किक सम्बन्ध है?

(1) विपरीत (2) उप-विपरीत

(3) उपाश्रयी (4) व्याघातक

[Question ID = 5894][Question Description = Q49_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22763]
2. 2 [Option ID = 22764]
3. 3 [Option ID = 22765]
4. 4 [Option ID = 22766]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22763]

50) Given below are two premises (I and II). Four Conclusions are drawn from them. (A, B, C and D).
Select the code that indicates validly drawn conclusion(s) only (taking the premises individually or jointly).

Premises:
I. Most of the Students are honest.
II. Most of the girls are students.

Conclusions:
A. Most of the girls are honest.
B. Most of the honest persons are students.
C. Most of the students are girls.
D. Most of the honest persons are girls.

Choose the *correct* answer from the options given below:

(1) A, B and C only
(2) B and C only
(3) C and D only
(4) A and D only

नीचे दो आधार वाक्य (I और II)दिए गए हैं I उनसे चार निष्कर्ष निकाले गए हैं I (A,B,C,D) I उस कूट

का चयन करें जो केवल वैध तरीके से निकले गए निष्कर्षों (वैयक्तिक अथवा संयुक्त रूप से आधारवाक्य लेते हुए) का संकेत करता है।

आधारवाक्य:

I. अधिकाँशतः विद्यार्थी ईमानदार होते हैं।

II.अधिकांशतः लड़कियाँ विद्यार्थी होती हैं।

निष्कर्ष :

A. अधिकांशतः लडकियाँ ईमानदार होती हैं।

B. अधिकांशतः ईमानदार लोग विद्यार्थी होते हैं।

C. अधिकांशतः विद्यार्थी लडकियाँ होती हैं।

D. अधिकांशतः ईमानदार लोग लडकियाँ होते हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(1) केवल A, B और C (2) केवल B और C

(3) केवल C और D (4) केवल A और D

[Question ID = 5895][Question Description = Q50_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22767]
2. 2 [Option ID = 22768]
3. 3 [Option ID = 22769]
4. 4 [Option ID = 22770]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22767]

51) "Being, knowledge and communication are all impossible" - who holds this view ?

(1) Socrates **(2) Plato**

(3) Gorgias **(4) Aristotle**

"अस्तित्व ,ज्ञान और सम्प्रेषण सभी असंभव हैं "-यह उक्ति किसकी है ।

(1) सुकरात (2) प्लेटो

(3) गार्जियस (4) अरस्तू

[Question ID = 5896][Question Description = Q51_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22771]
2. 2 [Option ID = 22772]
3. 3 [Option ID = 22773]
4. 4 [Option ID = 22774]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22771]

52) "Oak tree is already there in the Oak seed though not in the manifest form" This is view of

(1) Socrates **(2) Plato**

(3) Aristotle **(4) Thales**

"ओक का पेड़ ओक के बीज में पूर्व से ही निहित होता है यद्यपि यह अव्यक्त स्वरुप में होता है "यह विचार किसका है?

(1) सुकरात (2) प्लेटो

(3) अरस्तू (4) थेल्स

[Question ID = 5897][Question Description = Q52_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22775]
2. 2 [Option ID = 22776]
3. 3 [Option ID = 22777]
4. 4 [Option ID = 22778]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22775]

53) Which of the following statements are true with reference to Plato? Mark the correct code:

A: Plato rejected the view that knowledge is opinion
B: Plato said that artists should be banished from the country
C: Plato said that everything is subjective.

(1) A and B are true
(2) B and C are true
(3) C and A are true
(4) C alone is true

प्लेटो के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही है ?सही कूट को चिन्हित करें :

A. प्लेटो ने इस विचार का खंडन किया कि ज्ञान अभिमत है ।

B. प्लेटो ने बताया है कि कलाकारों कों देश से निर्वासित कर देना चाहिए

C. प्लेटो ने बताया कि सभी चीजें विषयनिष्ट है

(1) A और B सही हैं (2) B और C सही हैं

(3) C और A सही हैं (4) C अकेला सही है

[Question ID = 5898][Question Description = Q53_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1

   [Option ID = 22779]
2. 2

   [Option ID = 22780]
3. 3

   [Option ID = 22781]
4. 4

   [Option ID = 22782]

Correct Answer :-

- 1

  [Option ID = 22779]

54) Which of the following statements are true with reference to Heraclitus?

A. Air is the fundamental stuff of the universe.
B. The real remains the same forever.
C. Strife is the father of all the things.
D. A thing is an identity of opposites.

(1) A and B are true
(2) A and C are true
(3) C and D are true
(4) A and D are true

हेराक्लिटस के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों में कौन से कथन सही हैं ?

A: वायु ब्रह्माण्ड की मौलिक सामग्री है।

B: वास्तविक अवशेष हमेशा के लिए समान होता है।

C: संघर्ष सभी वस्तुओं का जनक है।

D: एक वस्तु विरोधों की पहचान है।

(1) A और B सही हैं (2) A और C सही हैं

(3) C और D सही हैं (4) A और D सही हैं

[Question ID = 5899][Question Description = Q54_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22783]
2. 2 [Option ID = 22784]
3. 3 [Option ID = 22785]
4. 4 [Option ID = 22786]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22783]

55) "Conventional morality is man-made; it is invented by the weak. Might is right". Who holds this view?

(1) Socrates **(2) Plato**

(3) Sophists **(4) Marcus Aurelius**

"पारंपरिक नैतिकता मानव निर्मित है; यह निर्बलों द्वारा बनाया गया है। जिसकी लाठी उसकी भैंस (माईट इज राइट)"यह उक्ति किसकी है?

(1) सुकरात (2) प्लेटो

(3) सोफिस्ट (4) मार्कस आरेलियस

[Question ID = 5900][Question Description = Q55_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22787]
2. 2 [Option ID = 22788]
3. 3 [Option ID = 22789]
4. 4 [Option ID = 22790]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22787]

56) Which statements among the following are *correct*?

A. St Augustine was a theist
B. St Augustine closely follows Plato
C. St Augustine was a sceptic
D. St Augustine was an agnostic

(1) A and B are correct
(2) B and C are correct
(3) C and D are correct
(4) A and D are correct

निम्नलिखित कथनों में से कौन से सही हैं?

A. सेंट आगस्टाइन आस्तिक थे

B. सेंट आगस्टाइन ने प्लेटो का गहन अनुसरण किया

C. सेंट आगस्टाइन संदेहवादी थे

D. सेंट आगस्टाइन अज्ञेयवादी थे

(1) A और B सही है (2) B और C सही है

(3) C और D सही है (4) A और D सही है

[Question ID = 5901][Question Description = Q56_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22791]
2. 2 [Option ID = 22792]
3. 3 [Option ID = 22793]
4. 4 [Option ID = 22794]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22791]

57) "Only in God there is no composition at all, his essence is purely and simply his act of existence". This is acceptable to whom?

(1) St Augustine
(2) St Thomas Aquinas
(3) St Anselm
(4) Plotinus

"केवल ईश्वर में ही कोई भी निर्मात्री तत्त्व नही है, उसका सार विशुद्ध रूप और अस्तित्व का केवल उसका कृत्य है" इसे किसने स्वीकार किया है?

(1) सेंट आगस्टाइन (2) सेंट थॉमस एक्विनास

(3) सेंट एन्स्लेम (4) प्लोतिनस

[Question ID = 5902][Question Description = Q57_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22795]
2. 2 [Option ID = 22796]
3. 3 [Option ID = 22797]
4. 4 [Option ID = 22798]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22795]

58) Mark this *correct* answer with reference to Leibnitz

A. In Leibnitz monism and pluralism are reconciled
B. In Leibnitz idealism and realism meet
C. In Leibnitz, utter materialism is accepted
D. 'Law of sufficient Reason' is Leibnitz's defence of monadology.

(1) A and C are true
(2) B and C are true
(3) C and D are true
(4) A, B and D are true

लैबनिट्ज़ के सन्दर्भ में सही उत्तर को चिन्हित करें

A: लैबनिट्ज़ में एकेश्वरवाद और बहुवाद की संगति है

B: लैबनिट्ज़ में प्रत्ययवाद और यथार्थवाद पाया जाता हैं

C: लैबनिट्ज़ में चरम भौतिकवाद स्वीकार्य है

D : "पर्याप्त कारण का नियम "लैबनिट्ज़ के चिद्णुवाद की रक्षा करना है

(1) A और C सही हैं (2) B और C सही हैं

(3) C और D सही हैं (4) A,B और D सही हैं

[Question ID = 5903][Question Description = Q58_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22799]
2. 2 [Option ID = 22800]
3. 3 [Option ID = 22801]
4. 4 [Option ID = 22802]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22799]

59) "This world created by god is the best of all the possible worlds" - who propounds this view?

(1) Descartes
(2) Spinoza
(3) Leibnitz
(4) Locke

"ईश्वर द्वारा सृजित यह विश्व सभी संभव हो पाने वाले विश्व का सर्वश्रेष्ठ है" इस विचार का प्रतिपादन किसने किया ?

(1) देकार्त (2) स्पिनोज़ा

(3) लाईबनीज़ (4) लाक

[Question ID = 5904][Question Description = Q59_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22803]
2. 2 [Option ID = 22804]
3. 3 [Option ID = 22805]
4. 4 [Option ID = 22806]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22803]

60) "The events are so organized in this universe that there is no room for chance"- this is advocated by whom?

(1) David Hume
(2) Spinoza
(3) Heraclitus
(4) Anaximenes

"इस ब्रह्माण्ड में घटनाएं इतनी व्यवस्थित हैं कि यहाँ संयोग के लिए कोई भी स्थान नही है "इसका पक्ष किसने लिया है?

(1) डेविड ह्यूम (2) स्पिनोजा

(3) हेराक्लिटस (4) ऐनेक्स्मेनिज

[Question ID = 5905][Question Description = Q60_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22807]
2. 2 [Option ID = 22808]
3. 3 [Option ID = 22809]
4. 4 [Option ID = 22810]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22807]

61) Match List I with List II

List I (Doctrines)	List II (Philosophers)
A. Subjective Idealism	I. Spinoza
B. Mind-body Dualism	II. Leibnitz
C. Pantheism	III. Descartes
D. Monadology	IV. Berkeley

Choose the correct answer from the options given below:

(1) A - III , B - IV , C - II, D - I **(2) A -IV , B -III , C -I , D -II**

(3) A -II , B -I , C -IV , D -III **(4) A - I, B -II , C -III , D -IV**

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I (सिद्वान्त)	सूची -II (दार्शनिक)
A.विषयनिष्ठ प्रत्ययवाद	I.स्पिनोज़ा
B.मन-शरीर द्वैतवाद	II.लिबनिज
C.सर्वेश्वरवाद	III.देकार्त
D.चिद्णुवाद	IV.बर्कले

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(1) A - III , B - IV , C - II , D - I (2) A -IV , B -III , C -I , D -II

(3) A -II , B -I , C -IV , D -III (4) A - I, B -II , C -III , D -IV

[Question ID = 5906][Question Description = Q61_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22811]
2. 2 [Option ID = 22812]
3. 3 [Option ID = 22813]
4. 4 [Option ID = 22814]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22811]

62) "All essential truths about the world are ascertainable through reason"- This is the basic contention of?

(1) Kantianism
(2) Rationalism
(3) Empiricism
(4) Mysticism

"विश्व के बारे में सभी महत्वपूर्ण सत्य युक्ति द्वारा पता लगाने योग्य है "यह विवाद किसका है?

(1) कांटवाद (2) तर्कबुद्धिवाद

(3) इन्द्रियानुभाविक (4) रहस्यवाद

[Question ID = 5907][Question Description = Q62_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22815]
2. 2 [Option ID = 22816]
3. 3 [Option ID = 22817]
4. 4 [Option ID = 22818]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22815]

63) Who propounded Epistemological dualism?

(1) Berkeley
(2) Locke
(3) Descartes
(4) Democritus

किसने ज्ञानमीमांसीय द्वैतवाद का प्रतिपादन किया?

(1) बर्कले (2) लाक

(3) देकार्त (4) देमोक्रिटस

[Question ID = 5908][Question Description = Q63_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22819]
2. 2 [Option ID = 22820]
3. 3 [Option ID = 22821]
4. 4 [Option ID = 22822]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22819]

64) Who among the following propounded the doctirine of *Nominalism*?

(1) Berkeley
(2) Kant
(3) Descartes
(4) Leibnitz

निम्नलिखित में किसने नाममात्रवाद के सिद्धांत का प्रतिपादन किया?

(1) बर्कले (2) कांट

(3) देकार्त (4) लाईबनिज़

[Question ID = 5909][Question Description = Q64_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22823]
2. 2 [Option ID = 22824]
3. 3 [Option ID = 22825]
4. 4 [Option ID = 22826]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22823]

65) Which of the following are true, with reference to Kant? Mark the correct answer.

A. Space and time are *apriori* forms of perception
B. The existence of god can be proved by the ontological argument
C. The *Noumenon* cannot be known

(1) Only A is true
(2) Only A and B are true
(3) Only A and C are true
(4) Only B and C are true

कान्ट के सन्दर्भ में निम्नलिखित में कौन से सही है? सही उत्तर को चिन्हित करें

A. दिक् और काल अवबोध के प्राज्ञनुभविक स्वरुप हैं

B. प्रत्यय- सत्ता युक्ति द्वारा ईश्वर के अस्तित्व को प्रमाणित किया जा सकता है

C. प्रत्यय-निरपेक्ष-सत को जाना नहीं जा सकता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(1) केवल A सही है
(2) केवल A और B सही हैं
(3) केवल A और C सही हैं
(4) केवल B और C सही हैं

[Question ID = 5910][Question Description = Q65_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22827]
2. 2 [Option ID = 22828]
3. 3 [Option ID = 22829]
4. 4 [Option ID = 22830]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22827]

66) "Art is a form of intuition". This is acceptable to whom?

(1) Kant
(2) Hegel
(3) Spinoza
(4) Leibnitz

कला अंतःप्रज्ञा का एक प्रकार है "यह किसे स्वीकार्य है?

(1) कान्ट (2) हेगेल
(3) स्पिनोज़ा (4) लाईबिनित्ज़

[Question ID = 5911][Question Description = Q66_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22831]
2. 2 [Option ID = 22832]
3. 3 [Option ID = 22833]
4. 4 [Option ID = 22834]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22831]

67) Which of the following statements are acceptable with reference to Leibnitz? Mark the *correct* code.

A. Monads are windowless
B. Monads are physical points
C. Monads are mathematical points

(1) A and B are correct
(2) A and C are correct
(3) B and C are correct
(4) A only is correct

लाईबिनित्ज़ के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन से कथन स्वीकार्य हैं? सही उत्तर को चिन्हित करें।

A. चिद्णु गवाक्षहीन हैं

B. चिद्णु भौतिक बिंदु हैं

C. चिद्णु गणितीय बिंदु हैं

(1) A और B सही हैं

(2) A और C सही हैं

(3) B और C सही हैं

(4) केवल A सही है

[Question ID = 5912][Question Description = Q67_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22835]
2. 2 [Option ID = 22836]
3. 3 [Option ID = 22837]
4. 4 [Option ID = 22838]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22835]

68) Who strongly advocated Determinism?

(1) Bertrand Russell
(2) Spinoza
(3) David Hume
(4) Protagoras

किसने निश्चयवाद का प्रबल तरीके से पक्ष लिया ?

(1) बर्टैंड रसेल (2) स्पिनोज़ा

(3) डेविड ह्यूम (4) प्रोटागोरस

[Question ID = 5913][Question Description = Q68_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22839]
2. 2 [Option ID = 22840]
3. 3 [Option ID = 22841]
4. 4 [Option ID = 22842]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22839]

69) To which of the following views, Descartes *did not* subscribe? Mark the correct code.

A. Theory of Innate ideas
B. Tertium quid
C. Representative theory of knowledge
D. Interactionism

(1) A and B
(2) A and D
(3) B and D

(4) C only

निम्नलिखित किस विचार से देकार्त सहमत नही होते थे ? सही कूट को चिन्हित करें

A. सहज प्रत्यय का सिद्धांत

B. उभयेतर वस्तु

C. ज्ञान का निरूपक सिद्धांत

D. अन्योंन्यक्रियावाद

(1) A और B (2) A और D

(3) B और D (4) केवल C

[Question ID = 5914][Question Description = Q69_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22843]
2. 2 [Option ID = 22844]
3. 3 [Option ID = 22845]
4. 4 [Option ID = 22846]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22843]

70) According to whom human mind is only receptive and not creative?

(1) Descartes
(2) Locke
(3) Berkeley
(4) Leibnitz

किसके अनुसार मानव बुद्धि केवल ग्राही है न कि सर्जनात्मक?

(1) देकार्त (2) लाक

(3) बर्कले (4) लाईबिनित्ज़

[Question ID = 5915][Question Description = Q70_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22847]
2. 2 [Option ID = 22848]
3. 3 [Option ID = 22849]
4. 4 [Option ID = 22850]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22847]

71) Mark the *correct* option of the following:

(1) Hegel is an absolute idealist and Hume a rationalist.
(2) Hegel's is Dialectical method and Descartes doctrine is Ontological Dualism.
(3) Hegel toned down Kant's philosophical agnosticism and Locke is a consistent empiricist.
(4) 'The real is the rational' is Hegel's statement and Berkeley's stand is in materialism.

सही विकल्प को चिन्हित करें :

(1) हेगेल एक निरपेक्ष प्रत्ययवादी और ह्यूम एक तर्कबुद्धिवादी है।

(2) हेगेल की द्वंदात्मक प्रणाली और देकार्त का सिद्धांत सत्ता-मीमाँशीय द्वैतवाद है ।

(3) हेगेल ने कान्ट के दार्शनिक अज्ञेयवाद पर पाने स्वर को धीमा किए है और लाक एक सतत इन्द्रियानुभविक है ।

(4) 'यथार्थ तर्कमूलक है ' हेगल का कथन है और बर्कले भौतिकवाद के पक्षधर हैं ।

[Question ID = 5916][Question Description = Q71_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22851]
2. 2 [Option ID = 22852]
3. 3 [Option ID = 22853]
4. 4 [Option ID = 22854]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22851]

72) "Whenever we know any object, there is an idea of that object in our mind through which we know that object" What does this statement imply?

(1) Idealistic theory
(2) Representative theory of perception
(3) Realistic theory
(4) Scepticism

"जब कभी हमें किसी वस्तु का ज्ञान होता है ,तो हमारे मष्तिष्क में उस वस्तु को जानने का प्रत्यय निहित होता है जिसके माध्यम से हुम उस वस्तु को जान पातें हैं "इस कथन में क्या अन्तर्निहित है ?

(1) प्रत्ययवादी सिद्धांत
(2) अवबोध का प्रतिनिधानात्मक सिद्धांत
(3) यथार्थवादी सिद्धांत
(4) संदेहवाद

[Question ID = 5917][Question Description = Q72_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22855]
2. 2 [Option ID = 22856]
3. 3 [Option ID = 22857]
4. 4 [Option ID = 22858]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22855]

73) Which of the following is approved by David Hume?

A. Relations of ideas
B. Matters of fact
C. Unperceived substratum
D. Rejection of the doctrine of Causation

(1) A, B and D
(2) A and D
(3) B and C
(4) A and C

निम्नलिखित में से किसे डेविड ह्यूम द्वारा मान्यता दी गई है?

A. प्रत्ययों का सम्बन्ध
B. तथ्यों के विषय
C. अबोधित उप-स्तर
D. कार्यकारण-भाव के सिद्धांत का खंडन

(1) A, B और D
(2) A और D
(3) B और C
(4) A और C

[Question ID = 5918][Question Description = Q73_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22859]
2. 2 [Option ID = 22860]
3. 3 [Option ID = 22861]
4. 4 [Option ID = 22862]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22859]

74) Mark what is *true* of the following statements, with reference to Kant

A. Knowledge is limited to the phenomenon
B. The Noumenon is beyond knowledge
C. Phenomenon is the appearance of the Noumenon
D. The categories of understanding are twenty in number

(1) A and D are true
(2) B and D are true
(3) C and D are true
(4) A, B and C are true

कान्ट के सन्दर्भ में ,निम्नलिखित कथनों में से जो सही है , उसे चिन्हित करें

A. ज्ञान परिघटनाओं तक ही सीमित है

B. प्रत्यय निरपेक्ष-सत ज्ञान से परे है

C. परिघटना ,प्रत्यय निरपेक्ष-सत का प्रकटन है

D. बुद्धिमत्ता की कोटियाँ संख्या में बीस हैं

(1) A और D सही हैं (2) B और D सही हैं

(3) C और D सही हैं (4) A ,B और C सही हैं

[Question ID = 5919][Question Description = Q74_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22863]
2. 2 [Option ID = 22864]
3. 3 [Option ID = 22865]
4. 4 [Option ID = 22866]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22863]

75) Mark what is true of the following statements with reference to Kant

A. Kant rejects the traditional proofs for the existence of god.
B. Kant accepts space and time as transcendentally real.
C. The categorical Imperative is a moral maxim.
D. Kant's book Critique of judgement is a work of moral principles.

(1) A and B are true
(2) B and C are true
(3) C and D are true
(4) A and C are true

कान्ट के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों में जो सही है, उसे चिन्हित करें

A. कान्ट ईश्वर के अस्तित्व के लिए दिए जाने वाले पारंपरिक प्रमाणों का खंडन करता है ।

B. कान्ट दिक् और काल को प्राज्ञनुभविक यथार्थ के रूप में मान्यता देता है ।

C. निरपेक्ष आदेश एक नैतिक सूक्ति है ।

D. कान्ट की पुस्तक न्याय की समालोचना नैतिक सिद्धांतो पर लिखी गई है

(1) A और B सही हैं

(2) B और C सही हैं

(3) C और D सही हैं

(4) A और C सही हैं

[Question ID = 5920][Question Description = Q75_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22867]
2. 2 [Option ID = 22868]
3. 3 [Option ID = 22869]
4. 4 [Option ID = 22870]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22867]

76) According to the Jaina ethics which of the following qualities (guṇas) does the jīva possess?

A. *Caitanya* (Consciousness)
B. *Sukha* (Bliss)
C. *vīrya* (Virtue)
D. *Śreyas* (Lasting good)

(1) A, B and D Only

(2) A, B and C only

(3) A and D only

(4) A and C only

जैन नीतिशास्त्र के अनुसार जीव निम्नलिखित में कौन से गुणों से युक्त है?

A. चेतना

B. सुख

C. वीर्य

D. श्रेयस

(1) केवल A, B और D

(2) केवल A ,B और C

(3) केवल A और D

(4) केवल A और C

[Question ID = 5921][Question Description = Q76_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 3 [Option ID = 22873]
2. 4 [Option ID = 22874]
3. 1 [Option ID = 22871]
4. 2 [Option ID = 22872]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22871]

77) Which of the following statements is true regarding theory of karma advocated in Classical theories of Indian Ethics?
A. The karma doctrine requires that man's own 'character' be his own 'destiny'.
B. An ethical agent's past actions are responsible for his/her present joys and sorrows.
C. A person's present is determined by his/her past.
D. Human beings are free agents
E. A person's future is not determined by the present
(1) A, B and C only
(2) A, B, C and D only
(3) A, B, C and E only
(4) A, B, C, D and E

भारतीय नीतिशास्त्र के शास्त्रीय (क्लासिकीय) सिद्धांतो में समर्थित कर्म सिद्धांत के बारे में निम्नलिखित

कथनों में से कौन सही है ?

A. कर्मवाद में अपेक्षा की जाती है कि व्यक्ति का स्वयं का 'चरित्र ' ही उसके स्वयं की 'नियति' हो।

B. नैतिक रूप से साधक के अत्तीत कर्म ही उसके/उसकी वर्तमान की खुशियों और दुखों के लिए उत्तरदायी होते हैं ।

C. किसी व्यक्ति का वर्तमान उसके/उसकी अतीत द्वारा निर्धारित होता है ।

D. मानव स्वतंत्र साधक है ।

E. किसी व्यक्ति का भविष्य; वर्तमान द्वारा निर्धारित नहीं होता है ।

(1) केवल A ,B और C

(2) केवल A ,B ,C और D

(3) केवल A, B ,C और E

(4) A, B, C, D और E

[Question ID = 5922][Question Description = Q77_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1

   [Option ID = 22875]
2. 2

   [Option ID = 22876]
3. 3

   [Option ID = 22877]
4. 4

   [Option ID = 22878]

Correct Answer :-

- 1

  [Option ID = 22875]

---

78) Given below are two statements

Statement I : We can 'solve' the problem of evil and inequalities of individual happiness and unhappiness in a theistic system only if we assume the *karma* hypothesis.

Statement II : In a non-theistic system like Buddhism, *karma* is posited in order to explain the same inequalities between one man's potential and another.

(1) Both Statement I and Statement II are correct
(2) Both Statement I and Statement II are incorrect
(3) Statement I is correct but Statement II is incorrect
(4) Statement I is incorrect but Statement II is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन – I : ईश्वरवादी व्यवस्था में केवल कर्म संकल्पना को मानकर ही हम वैयक्तिक प्रसन्नता और अप्रसन्नता के अशुभ एवं असमताओं की समस्या का समाधान कर सकते हैं ।

कथन - II : गैर- ईश्वरवादी व्यवस्था जैसे बौद्ध धर्म में, कर्म को एक व्यक्ति की संभाव्यताओं और दूसरे के बीच की समान असमताओं की व्याख्या के क्रम में ग्रहण किया गया है ।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(1) कथन I और II दोनों सही हैं।

(2) कथन I और II दोनों गलत हैं।

(3) कथन I सत्य है, किन्तु कथन II गलत है।

(4) कथन I असत्य है , किन्तु कथन II सही है।

[Question ID = 5923][Question Description = Q78_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22879]
2. 2 [Option ID = 22880]
3. 3 [Option ID = 22881]
4. 4 [Option ID = 22882]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22879]

79) "The mind, though diversified by countless impressions, is there in order to provide experience and liberation for something else, viz. the soul; this follows from its composite nature." This statement pertains to which of the following schools of Classical Indian Philosophy?

(1) Nyāya
(2) Mīmāṁsā
(3) Jainism
(4) Sāṃkhya

"मन ,यद्यपि अनगिनत छापों द्वारा विविधिकृत , कोई अन्य वस्तु अर्थात आत्मा को अनुभव और मुक्ति प्रदान करने के क्रम में वहाँ है ,यह इसके सम्मिश्र प्रकृति से इसका अनुसरण करती है "यह कथन भारतीय शास्त्रीय दर्शन की निम्नलिखित की किस शाखा से सम्बंधित है ?

(1) न्याय (2) मीमाँशा
(3) जैन धर्म (4) सांख्य

[Question ID = 5924][Question Description = Q79_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22883]
2. 2 [Option ID = 22884]
3. 3 [Option ID = 22885]
4. 4 [Option ID = 22886]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22883]

80) Which of the following is correct according to Sāṁkhya philosophy?

(1) The soul is conscious and completely inactive
(2) Soul is physically inactive but mentally active
(3) Soul is not conscious but mentally active
(4) Soul is inactive but can influence both body and mind

सांख्य दर्शन के अनुसार निम्नलिखित में कौन सही है ?

(1) आत्मा चेतन है और पूर्णतया असक्रिय है ।
(2) आत्मा भौतिक रूप से असक्रिय है लेकिन मानसिक रूप से सक्रिय है ।
(3) आत्मा चेतन नही है लेकिन मानसिक रूप से सक्रिय है ।
(4) आत्मा असक्रिय है लेकिन यह शरीर और मन,दोनों को प्रभावित कर सकता है ।

[Question ID = 5925][Question Description = Q80_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22887]
2. 2 [Option ID = 22888]
3. 3 [Option ID = 22889]
4. 4 [Option ID = 22890]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22887]

81) Arrange the following in chronological order with reference to Vaiśeṣika philosophy?

A. Effort (prayatna)
B. Knowledge (buddhi)

C. Subliminal impressions (Saṃskāra)
D. Virtue (dharma)

Choose the correct answer from the options given below

(1) B, C, D, A
(2) A, B, D, C
(3) B, A, D, C
(4) B, C, A, D

वैशेषिक दर्शन के सन्दर्भ में निम्नलिखित को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए?

A. प्रयत्न

B. बुधि (विद्या)

C. सम्स्कारा

D. धरमा (क्षमता)

(1) B, C, D, A

(2) A ,B ,D ,C

(3) B ,A ,D ,C

(4) B, C, A, D

[Question ID = 5926][Question Description = Q81_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22891]
2. 2 [Option ID = 22892]
3. 3 [Option ID = 22893]
4. 4 [Option ID = 22894]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22891]

82) "The disappearance of incorrect knowledge (mithyājñāna) is followed by the disappearance of the faults (doṣa), this in its turn by the disappearance of activity (pravṛtti), this by the disappearance of birth (janman), this again by the disappearance of suffering." This statement pertains to the text of which of the following schools of Indian Philosophy?

(1) Nyāya
(2) Mīmāṁsā
(3) Jainism
(4) Cārvāka

"मिथ्याज्ञान के लोप का दोष के लोप द्वारा ,यह अपने प्रयोग के समय पर प्रवृत्ति के लोप द्वारा,यह जन्म के लोप द्वारा ,यह फिर कष्ट के लोप द्वारा अनुगमन किया जाता है" यह कथन भारतीय दर्शन की निम्नलिखित शाखा के किस विषय से सम्बंधित है

(1) न्याय (2) मीमांशा

(3) जैनधर्म (4) चार्वाक

[Question ID = 5927][Question Description = Q82_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22895]
2. 2 [Option ID = 22896]
3. 3 [Option ID = 22897]
4. 4 [Option ID = 22898]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22895]

83) Who among the following ethicists argues that the hedonist definition implies that the question “is anything which is pleasant good?” means the same as the question “is anything which is pleasant pleasant?”

(1) Kant
(2) G E Moore
(3) C L Stevenson
(4) R M Hare

निम्नलिखित में से किस नीतिशास्त्री ने तर्क किया कि सुखवादी परिभाषा का निहितार्थ यह है कि प्रश्न "क्या कोई वस्तु जो कि सुखद शुभ है?" का अर्थ इस प्रश्न के जैसे है कि "क्या कोई वस्तु जो कि सुखद सुखद है?"

(1) कान्ट
(2) जी ई मूर
(3) सी एल स्टीवेंसन
(4) आर एम हारे

[Question ID = 5928][Question Description = Q83_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22899]
2. 2 [Option ID = 22900]
3. 3 [Option ID = 22901]
4. 4 [Option ID = 22902]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22899]

84) Given below are two statements

Statement I : According to Rule Utilitarianism an action is right if and only if it conforms to a set of rules the general acceptance of which would produce the greatest balance of pleasure over pain for the greatest number.
Statement II : According to Act Utilitarianism an action is right if and only if it produces the greatest balance of pleasure over pain for the greatest number.

In light of the above statements, choose the *most appropriate* answer from the options given below

(1) Both statement I and Statement II are correct
(2) Both statement I and Statement II are incorrect
(3) Statement I is correct while Statement II is incorrect
(4) Statement I is incorrect while Statement II is correct

निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा सबसे उपयुक्त विकल्प को चुनें:

कथन-I: नियम-उपयोगितावाद के अनुसार एक कृत्य तभी और केवल तभी उचित होगा जब वह एक ऐसे नियम-समूह का अनुगमन करता हो जिससे अधिकतम लोगों के लिए दुःख पर सुख का अधिकतम संतुलन उत्पन्न होता हो.

कथन-II: कृत्य-उपयोगितावाद के अनुसार एक कृत्य तभी और केवल तभी उचित होगा जब वह एक ऐसे नियम-समूह का अनुगमन करता हो जिससे अधिकतम लोगों के लिए दुःख पर सुख का अधिकतम संतुलन उत्पन्न होता हो.

उपर्युक्त कथनों के अलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चुनाव कीजिए:

(1) कथन I और II दोनों सही हैं

(2) कथन I और II दोनों गलत हैं

(3) कथन I सत्य है किन्तु कथन II गलत हैं

(4) कथन I असत्य है किन्तु कथन II सही हैं

[Question ID = 5929][Question Description = Q84_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22903]
2. 2 [Option ID = 22904]
3. 3 [Option ID = 22905]
4. 4 [Option ID = 22906]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22903]

85) The statement - "The criminal act is a negation, and punishment is the negation of a negation” - is an expression of

which of the following theories of punishment?

(1) Retributive theory
(2) Reformative theory
(3) Deterrent theory
(4) Preventive Theory

कथन -"अपराधिक कृत्य एक निषेध है , और दण्ड एक निषेध का निषेध है "यह दण्ड के निम्नलिखित किस सिद्धांत की एक अभिव्यक्ति है?

(1) प्रतिकारी सिद्धांत
(2) सुधारात्मक सिद्धांत
(3) निवारणार्थ सिद्धांत
(4) निरोधक सिद्धांत

[Question ID = 5930][Question Description = Q85_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22907]
2. 2 [Option ID = 22908]
3. 3 [Option ID = 22909]
4. 4 [Option ID = 22910]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22907]

86) Which of the following statements are true with regard to ethical thoughts of Locke and Kant?

A. They maintained that the foremost of “the rights of man” is the right to life.
B. They argued that these rights are violated when one commits a crime of taking somebody’s life.
C. They believed that a murderer “forfeits” his own life and therefore deserves to die.
D. They believed that right to life being foremost it can never be taken away even from the criminal.

Choose the *correct* answer from the options given below:

(1) A, B and C only
(2) A, B and D only
(3) A, C and D only
(4) B, C and D only

लॉक और कान्ट के नीतिशास्त्रीय विचारों के संबंध में निम्नलिखित कथनों में कौन से सही हैं?

A. उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि "मानव के अधिकारों " में सर्वप्रथम अधिकार जीवन का अधिकार है।

B. उन्होंने तर्क दिया कि इन अधिकारों का तब उल्लंघन होता है जब कोई किसी के जीवन को समाप्त करने का अपराध कर डालता है।

C. वे विश्वास करते थे कि एक हत्यारा अपने स्वयं के जीवन जीने की पात्रता को खो देता है और इस प्रकार मृत्यु का पात्र हो जाता है।

D. वे विश्वास करते थे कि चूँकि जीवन का अधिकार सर्वप्रथम है ,इसे अपराधी से भी कदापि नहीं छीना जा सकता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही** उत्तर को चुनिए :

(1) केवल A, B और C
(2) केवल A, B और D
(3) केवल A ,C और D
(4) केवल B, C और D

[Question ID = 5931][Question Description = Q86_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22911]
2. 2 [Option ID = 22912]
3. 3 [Option ID = 22913]
4. 4 [Option ID = 22914]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22911]

87) Read the following two statements carefully and choose the most correct option:

Statement I : Kant's moral theory supports capital punishment.
Statement II : Supporters of Capital Punishment rest their position on principles of retributive justice and the appropriateness of society's moral indignation at murder.

(1) Both Statement I and Statement II are correct
(2) Both Statement I and Statement II are incorrect
(3) Statement I is correct but Statement II is incorrect
(4) Statement I is incorrect but Statement II is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन-I : कांट का नैतिक सिद्धांत मृत्यु-दंड को समर्थन देता है.

कथन-II : हत्या के लिए मृत्यु-दंड के समर्थक प्रतिकारात्मक न्याय तथा समाज के नैतिक रोष की उपयुक्तता पर अपने मत को आधारित करते हैं.

उपर्युक्त कथनों के अलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चुनाव कीजिए:

(1) कथन I और II दोनों सही हैं

(2) कथन I और II दोनों गलत हैं

(3) कथन I सत्य है किन्तु कथन II गलत हैं

(4) कथन I असत्य है किन्तु कथन II सही हैं

[Question ID = 5932][Question Description = Q87_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1

   [Option ID = 22915]
2. 2

   [Option ID = 22916]
3. 3

   [Option ID = 22917]
4. 4

   [Option ID = 22918]

Correct Answer :-

- 1

  [Option ID = 22915]

88) Read the following two statements carefully and choose the most appropriate option:

Statement I : Charles L. Stevenson regarded evaluative utterances and factual statements as having different logical characters.
Statement II : Charles L. Stevenson considered that there could be no logical relationships between evaluative and factual utterances.

(1) Both Statement I and Statement II are correct
(2) Both Statement I and Statement II are incorrect
(3) Statement I is correct but Statement II is incorrect
(4) Statement I is incorrect but Statement II is correct

निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा सबसे उपयुक्त विकल्प को चुनें:

कथन-I: चार्ल्स एल स्टीवेंसन ने मूल्यांकन-परक कथन तथा तथ्यात्मक कथनों को भिन्न तार्किक विशेषताओं से युक्त माना.

कथन-II: चार्ल्स एल स्टीवेंसन ने माना की मूल्यांकन-परक कथन तथा तथ्यात्मक कथनों के बीच कोई सम्बन्ध नहीं होता.

उपर्युक्त कथनों के अलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चुनाव कीजिए:

(1) कथन I और II दोनों सही हैं

(2) कथन I और II दोनों गलत हैं

(3) कथन I सत्य है किन्तु कथन II गलत हैं

(4) कथन I असत्य है किन्तु कथन II सही हैं

[Question ID = 5933][Question Description = Q88_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1

   [Option ID = 22919]
2. 2

   [Option ID = 22920]
3. 3

   [Option ID = 22921]

4. 4

[Option ID = 22922]

Correct Answer :-

- 1

[Option ID = 22919]

89) Which of the following branches of ethics is construed as an inquiry into the meanings and logical properties of the MORAL TERMS?

(1) Metaethics
(2) Act-Deontology
(3) Rule-Deontology
(4) Conventional Ethics

नीतिशास्त्र की कौन सी निम्नलिखित शाखा को नैतिक पदों के अर्थ और तार्किक विशेषताओं विषयक अन्वेषण के रूप में संप्रेषित किया जाता है?

(1) अधिनितिशास्त्र

(2) कृत्य-फलनिर्पेक्ष नीतिशास्त्र (एक्ट- डीओंटोलोजी)

(3) नियम- फलनिर्पेक्ष नीतिशास्त्र (रुल-डीओंटोलोजी)

(4) पारंपरिक नीतिशास्त्र

[Question ID = 5934][Question Description = Q89_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22923]
2. 2 [Option ID = 22924]
3. 3 [Option ID = 22925]
4. 4 [Option ID = 22926]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22923]

90) Which of the following statements are true of The Separation Thesis in the area of Business Ethics?

A. Sentences like "X is a business decision" have no moral content
B. Sentences like "X is a moral decision" have no business content
C. Sentences like "X is a business decision" has both moral and business content
D. Sentences like "X is a business decision" have a moral content whereas sentences like "X is a moral decision" may or may not have business content

Choose the *correct* answer from the options given below:

(1) A and B only
(2) A and D only
(3) C and D only
(4) B and C only

व्यवसायिक नीतिशास्त्र के क्षेत्र में पृथक्करण पक्ष के निम्नलिखित कथनों में कौन से सही हैं?

A. "X एक व्यवसायिक विनिश्चय है" जैसे वाक्यों में कोई नैतिक अंश नही है ।

B. "X एक नैतिक विनिश्चय है" जैसे वाक्यों में कोई व्यवसायिक अंश नही है ।

C. "X एक व्यवसायिक विनिश्चय है" जैसे वाक्यों में नैतिक और व्यवसायिक दोनों अंश है ।

D. " X एक व्यावसायिक विनिश्चय है" जैसे वाक्यों में नैतिक अंश है जबकि "X एक नैतिक विनिश्चय है" जैसे वाक्यों में व्यवसायिक अंश हो भी सकता है अथवा नहीं भी हो सकता है ।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(1) केवल A और B

(2) केवल A और D

(3) केवल C और D

(4) केवल B और C

[Question ID = 5935][Question Description = Q90_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22927]
2. 2 [Option ID = 22928]
3. 3 [Option ID = 22929]
4. 4 [Option ID = 22930]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22927]

Topic:- 03Philosophy_B_New

1) Read the passage and answer the following question:-

The value of philosophy is, in fact, to be sought largely in its very uncertainty. The man who has no tincture of philosophy goes through life imprisoned in the prejudices derived from common sense, from the habitual beliefs of his age or his nation, and from convictions which have grown up in his mind without the co-operation or consent of his deliberate reason. To such a man the world tends to become definite, finite, obvious; common objects rouse no questions, and unfamiliar possibilities are contemptuously rejected. As soon as we begin to philosophize, on the contrary, we find that even the most everyday things lead to problems to which only very incomplete answers can be given. Philosophy, though unable to tell us with certainty what is the true answer to the doubts which it raises, is able to suggest many possibilities which enlarge our thoughts and free them from the tyranny of custom. Thus, while diminishing our feeling of certainty as to what things are, it greatly increases our knowledge as to what they may be; it removes the somewhat arrogant dogmatism of those who have never travelled into the region of liberating doubt, and it keeps alive our sense of wonder by showing familiar things in an unfamiliar aspect. Philosophy is to be studied, not for the sake of any definite answers to its questions since no definite answers can, as a rule, be known to be true, but rather for the sake of the questions themselves; because these questions enlarge our conception of what is possible, enrich our intellectual imagination and diminish the dogmatic assurance which closes the mind against speculation; but above all because, through the greatness of the universe which philosophy contemplates, the mind also is rendered great, and becomes capable of that union with the universe which constitutes its highest good.

"As soon as we begin to philosophize, on the contrary, we find that even the most everyday things lead to problems to which only very incomplete answers can be given." With reference to the overall import of the passage, what could be possibly inferred from this statement?

(1) The ultimate fate of Philosophy is to become decadent in skepticism
(2) Philosophy should rather work to preserve our already existent ken of knowledge
(3) We may never find definite answers to certain questions but philosophers should keep raising questions for their emancipatory value
(4) Philosophy should stop engaging with questions regarding nature of things

दर्शन शास्त्र का महत्व मुख्यतः उसकी अनिश्चितता में खोजा जाना चाहिए. कोई व्यक्ति जिसे दर्शन शास्त्र का ज्ञान नहीं एसे पूर्वाग्रहों की कैद में अपना जीवन व्यतीत करता है जिनका निर्माण, किसी व्यक्ति के राष्ट्र तथा सामान्य परिवेश से जुडी आदतगत मान्यताओं तथा एसे विश्वासों से जनित लोकमान्यताओं से होता है जो उसके विचारशील तर्क स्वीकृति अथवा सहयोग के बिना ही उत्पन्न हो गए होते हैं. एसे व्यक्ति के लिए संसार निश्चित, सीमित तथा सुस्पष्ट हो जाता है; सामान्य विषय पर उसके लिए कोई प्रश्न नहीं उठते, अन्जानी संभाव्यताएं उसके द्वारा पूर्वाग्रहों द्वारा अस्वीकृत कर दी जाती हैं. उसके विपरीत हम जैसे ही दार्शनिक-चिंतन आरम्भ करते हैं, हम पाते हैं कि प्रतिदिन वस्तुएं भी एसे प्रश्नों से पूर्ण हो जाती हैं जिसके केवल अपूर्ण उत्तर ही दिए जा सकते हैं. दर्शन-शास्त्र हालाँकि अपने द्वारा उठाये गए संशयों का निश्चित उत्तर नहीं दे पता, परन्तु वह हमें बहुत सी संभावनायें जरूर दर्शा देता है जिससे हमारी सोच का दायरा बढ़ता है तथा हमारी सोच को परम्पराओं के बंधन से मुक्ति मिलती है. इससे एसे लोगों की हठी रूढ़ीवादिता का वरण होता है, जिन्होंने स्वतन्त्रतादायी संशय के क्षेत्र में कभी प्रवेश ही नहीं किया तथा यह जानी-पहचानी वस्तुओं को अनजाने परिपेक्षों में प्रस्तुत कर हमारे अश्चार्यबोध को भी सजीव रखता है.

दर्शन-शास्त्र को निश्चित उत्तरों के लिए नहीं पढ़ा जाना चाहिए क्योंकि किन्ही भी उत्तरों को कभी भी निश्चितता के साथ सही नहीं जाना जा सकता. बल्कि इसे प्रश्नों के महत्व के लिए ही पढ़ा जाना चाहिए क्योंकि प्रश्न संभावनाओं की हमारी समझ को बढ़ाते हैं, हमारी बोधिक कल्पना को संवर्धित करते हैं, तथा एसी रूढ़िगत सुनिश्चितता का वरण करते हैं जो हमारी बुद्धि की विचारशीलता को सीमित करती हैं; किन्तु सर्वोपरि इसे इसलिए पढ़ा जाना चाहिए, क्योंकि दर्शन-शास्त्र विश्व की जिस विशालता का मनन करता है जिससे बुद्धि भी उसी विशालता को प्राप्त करती है तथा उस ब्रह्माण्ड से तादात्म्य स्थापित करती है जिससे परमशुभ का निर्माण होता है.

"उसके विपरीत हम जैसे ही दार्शनिक-चिंतन आरम्भ करते हैं, हम पाते हैं कि प्रतिदिन वस्तुएं भी एसे प्रश्नों से पूर्ण हो जाती हैं जिसके केवल अपूर्ण उत्तर ही दिए जा सकते हैं." गद्यांश के अभिप्राय के सन्दर्भ में, इस कथन से संभवतः क्या निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

(1) दर्शनशास्त्र की अंतिम नियति संशयवाद में ह्रासोन्मुखी हो जाना है

(2) दर्शनशास्त्र को पहले से ही हमारे ज्ञान की विद्यमान सीमा का रक्षण करना चाहिए

(3) हम कुछ प्रश्नों के निश्चित उत्तर को कभी नहीं पा सकते लेकिन दर्शनशास्त्रियों को उनके मुक्तिदायक मूल्यों के लिए प्रश्नों को करते रहना चाहिए

(4) दर्शनशास्त्र को चीजों की प्रकृति से सम्बंधित प्रश्नों के साथ उलझने से बचना चाहिए

[Question ID = 5936][Question Description = Q91_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22931]
2. 2 [Option ID = 22932]
3. 3 [Option ID = 22933]
4. 4 [Option ID = 22934]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22931]

2) Read the passage and answer the following question:-

Value of Philosophy The value of philosophy is, in fact, to be sought largely in its very uncertainty. The man who has no tincture of philosophy goes through life imprisoned in the prejudices derived from common sense, from the habitual beliefs of his age or his nation, and from convictions which have grown up in his mind without the co-operation or consent of his deliberate reason. To such a man the world tends to become definite, finite, obvious; common objects rouse no questions, and unfamiliar possibilities are contemptuously rejected. As soon as we begin to philosophize, on the contrary, we find that even the most everyday things lead to problems to which only very incomplete answers can be given. Philosophy, though unable to tell us with certainty what is the true answer to the doubts which it raises, is able to suggest many possibilities which enlarge our thoughts and free them from the tyranny of custom. Thus, while diminishing our feeling of certainty as to what things are, it greatly increases our knowledge as to what they may be; it removes the somewhat arrogant dogmatism of those who have never travelled into the region of liberating doubt, and it keeps alive our sense of wonder by showing familiar things in an unfamiliar aspect. Philosophy is to be studied, not for the sake of any definite answers to its questions since no definite answers can, as a rule, be known to be true, but rather for the sake of the questions themselves; because these questions enlarge our conception of what is possible, enrich our intellectual imagination and diminish the dogmatic assurance which closes the mind against speculation; but above all because, through the greatness of the universe which philosophy contemplates, the mind also is rendered great, and becomes capable of that union with the universe which constitutes its highest good.

Which of the following statements could be said to be true with regard to the above passage?
A. It presents an argument against dogmatism
B. It presents an argument in favour of scepticism
C. It presents an argument in favour of critical nature of philosophy
D. It presents an argument against the speculative nature of Philosophy

Choose the *correct* answer from the options given below:

(1) A and D only (2) A and C only
(3) C and D only (4) A and B only

दर्शन शास्त्र का महत्व मुख्यतः उसकी अनिश्चितता में खोजा जाना चाहिए. कोई व्यक्ति जिसे दर्शन शास्त्र का ज्ञान नहीं एसे पूर्वाग्रहों की कैद में अपना जीवन व्यतीत करता है जिनका निर्माण, किसी व्यक्ति के राष्ट्र तथा सामान्य परिवेश से जुडी आदतगत मान्यताओं तथा एसे विश्वासों से जनित लोकमान्यताओं से होता है जो उसके विचारशील तर्क स्वीकृति अथवा सहयोग के बिना ही उत्पन्न हो गए होते हैं. एसे व्यक्ति के लिए संसार निश्चित, सीमित तथा सुस्पष्ट हो जाता है; सामान्य विषय पर उसके लिए कोई प्रश्न नहीं उठते, अन्जानी संभाव्यताएं उसके द्वारा पूर्वाग्रहों द्वारा अस्वीकृत कर दी जाती हैं. उसके विपरीत हम जैसे ही दार्शनिक-चिंतन आरम्भ करते हैं, हम पाते हैं कि प्रतिदिन वस्तुएं भी एसे प्रश्नों से पूर्ण हो जाती हैं जिसके केवल अपूर्ण उत्तर ही दिए जा सकते हैं. दर्शन-शास्त्र हालाँकि अपने द्वारा उठाये गए संशयों का निश्चित उत्तर नहीं दे पता, परन्तु वह हमें बहुत सी संभावनायें जरूर दर्शा देता है जिससे हमारी सोच का दायरा बढ़ता है तथा हमारी सोच को परम्पराओं के बंधन से मुक्ति मिलती है. इससे एसे लोगों की हठी रूढ़ीवादिता का वरण होता है, जिन्होंने स्वतन्त्रतादायी संशय के क्षेत्र में कभी प्रवेश ही नहीं किया तथा यह जानी-पहचानी वस्तुओं को अनजाने परिपेक्षों में प्रस्तुत कर हमारे अश्चार्यबोध को भी सजीव रखता है.

दर्शन-शास्त्र को निश्चित उत्तरों के लिए नहीं पढ़ा जाना चाहिए क्योंकि किन्ही भी उत्तरों को कभी भी निश्चितता के साथ सही नहीं जाना जा सकता. बल्कि इसे प्रश्नों के महत्व के लिए ही पढ़ा जाना चाहिए क्योंकि प्रश्न संभावनाओं की हमारी समझ को बढ़ाते हैं, हमारी बोधिक कल्पना को संवर्धित करते हैं, तथा एसी रूढ़िगत सुनिश्चितता का वरण करते हैं जो हमारी बुद्धि की विचारशीलता को सीमित करती हैं; किन्तु सर्वोपरि इसे इसलिए पढ़ा जाना चाहिए, क्योंकि दर्शन-शास्त्र विश्व की जिस विशालता का मनन करता है जिससे बुद्धि भी उसी विशालता को प्राप्त करती है तथा उस ब्रह्माण्ड से तादात्म्य स्थापित करती है जिससे परमशुभ का निर्माण होता है.

उपरोक्त गद्यांश के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों में किस को सही मन जा सकता है?

A. यह रूढ़िवादिता के विरोध में तर्क प्रस्तुत करता है.

B. यह संशयवाद के पक्ष में तर्क प्रस्तुत करता है.

C. यह दर्शन-शास्त्र के आलोचनात्मक स्वरूप के पक्ष में तर्क प्रस्तुत करता है.

D. यह दर्शन-शास्त्र के परिकल्पनात्मक स्वरूप के विरोध में तर्क प्रस्तुत करता है.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर को चुनें

(1) केवल **A** और **D**

(2) केवल **A** और **C**

(3) केवल **C** और **D**

(4) केवल **A** और **B**

[Question ID = 5937][Question Description = Q92_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22935]
2. 2 [Option ID = 22936]
3. 3 [Option ID = 22937]
4. 4 [Option ID = 22938]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22935]

3) Read the passage and answer the following question:-

Value of Philosophy The value of philosophy is, in fact, to be sought largely in its very uncertainty. The man who has no tincture of philosophy goes through life imprisoned in the prejudices derived from common sense, from the habitual beliefs of his age or his nation, and from convictions which have grown up in his mind without the co-operation or consent of his deliberate reason. To such a man the world tends to become definite, finite, obvious; common objects rouse no questions, and unfamiliar possibilities are contemptuously rejected. As soon as we begin to philosophize, on the contrary, we find that even the most everyday things lead to problems to which only very incomplete answers can be given. Philosophy, though unable to tell us with certainty what is the true answer to the doubts which it raises, is able to suggest many possibilities which enlarge our thoughts and free them from the tyranny of custom. Thus, while diminishing our feeling of certainty as to what things are, it greatly increases our knowledge as to what they may be; it removes the somewhat arrogant dogmatism of those who have never travelled into the region of liberating doubt, and it keeps alive our sense of wonder by showing familiar things in an unfamiliar aspect. Philosophy is to be studied, not for the sake of any definite answers to its questions since no definite answers can, as a rule, be known to be true, but rather for the sake of the questions themselves; because these questions enlarge our conception of what is possible, enrich our intellectual imagination and diminish the dogmatic assurance which closes the mind against speculation; but above all because, through the greatness of the universe which philosophy contemplates, the mind also is rendered great, and becomes capable of that union with the universe which constitutes its highest good.

What is being interpreted as liberating nature of philosophy in the above passage?

(1) Pursuit of philosophy explicates the limitations of our customary ways of thinking
(2) Philosophy shows us the limits of our thought
(3) Philosophy helps us preserve our already existent limit of knowledge
(4) Philosophy liberates us by providing us definite answer to metaphysical questions

दर्शन शास्त्र का महत्व मुख्यतः उसकी अनिश्चितता में खोजा जाना चाहिए. कोई व्यक्ति जिसे दर्शन शास्त्र का ज्ञान नहीं एसे पूर्वाग्रहों की कैद में अपना जीवन व्यतीत करता है जिनका निर्माण, किसी व्यक्ति के राष्ट्र तथा सामान्य परिवेश से जुडी आदतगत मान्यताओं तथा एसे विश्वासों से जनित लोकमान्यताओं से होता है जो उसके विचारशील तर्क स्वीकृति अथवा सहयोग के बिना ही उत्पन्न हो गए होते हैं. एसे व्यक्ति के लिए संसार निश्चित, सीमित तथा सुस्पष्ट हो जाता है; सामान्य विषय पर उसके लिए कोई प्रश्न नहीं उठते, अन्जानी संभाव्यताएं उसके द्वारा पूर्वाग्रहों द्वारा अस्वीकृत कर दी जाती हैं. उसके विपरीत हम जैसे ही दार्शनिक-चिंतन आरम्भ करते हैं, हम पाते हैं कि प्रतिदिन वस्तुएं भी एसे प्रश्नों से पूर्ण हो जाती हैं जिसके केवल अपूर्ण उत्तर ही दिए जा सकते हैं. दर्शन-शास्त्र हालाँकि अपने द्वारा उठाये गए संशयों का निश्चित उत्तर नहीं दे पता, परन्तु वह हमें बहुत सी संभावनायें जरूर दर्शा देता है जिससे हमारी सोच का दायरा बढ़ता है तथा हमारी सोच को परम्पराओं के बंधन से मुक्ति मिलती है. इससे एसे लोगों की हठी रूढ़ीवादिता का वरण होता है, जिन्होंने स्वतन्त्रतादायी संशय के क्षेत्र में कभी प्रवेश ही नहीं किया तथा यह जानी-पहचानी वस्तुओं को अनजाने परिपेक्षों में प्रस्तुत कर हमारे अश्चार्यबोध को भी सजीव रखता है.

दर्शन-शास्त्र को निश्चित उत्तरों के लिए नहीं पढ़ा जाना चाहिए क्योंकि किन्ही भी उत्तरों को कभी भी निश्चितता के साथ सही नहीं जाना जा सकता. बल्कि इसे प्रश्नों के महत्व के लिए ही पढ़ा जाना चाहिए क्योंकि प्रश्न संभावनाओं की हमारी समझ को बढ़ाते हैं, हमारी बोधिक कल्पना को संवर्धित करते हैं, तथा एसी रूढ़िगत सुनिश्चितता का वरण करते हैं जो हमारी बुद्धि की विचारशीलता को सीमित करती हैं; किन्तु सर्वोपरि इसे इसलिए पढ़ा जाना चाहिए, क्योंकि दर्शन-शास्त्र विश्व की जिस विशालता का मनन करता है जिससे बुद्धि भी उसी विशालता को प्राप्त करती है तथा उस ब्रह्माण्ड से तादात्म्य स्थापित करती है जिससे परमशुभ का निर्माण होता है.

उपरोक्त गद्यांश में दर्शनशास्त्र के स्वतंत्र करने वाली प्रकृति के रूप में क्या व्याख्यायित हो रहा है?

(1) दर्शनशास्त्र का लक्ष्य सोचने के हमारे प्रचलित तरीकों की सीमाओं को सुस्पष्ट करना है
(2) दर्शनशास्त्र हमारे विचार की सीमा को हमें दर्शाता है
(3) दर्शनशास्त्र हमारे पहले से ज्ञान की विद्यमान सीमा का रक्षण करने में हमारी सहायता करता है
(4) दर्शनशास्त्र तत्वमीमांसीय प्रश्नों के निश्चित उत्तर प्रदान करने के द्वारा हमें स्वतंत्र करता है

[Question ID = 5938][Question Description = Q93_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22939]
2. 2 [Option ID = 22940]

3. 3 [Option ID = 22941]
4. 4 [Option ID = 22942]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22939]

4) Read the passage and answer the following question:-

Value of Philosophy The value of philosophy is, in fact, to be sought largely in its very uncertainty. The man who has no tincture of philosophy goes through life imprisoned in the prejudices derived from common sense, from the habitual beliefs of his age or his nation, and from convictions which have grown up in his mind without the co-operation or consent of his deliberate reason. To such a man the world tends to become definite, finite, obvious; common objects rouse no questions, and unfamiliar possibilities are contemptuously rejected. As soon as we begin to philosophize, on the contrary, we find that even the most everyday things lead to problems to which only very incomplete answers can be given. Philosophy, though unable to tell us with certainty what is the true answer to the doubts which it raises, is able to suggest many possibilities which enlarge our thoughts and free them from the tyranny of custom. Thus, while diminishing our feeling of certainty as to what things are, it greatly increases our knowledge as to what they may be; it removes the somewhat arrogant dogmatism of those who have never travelled into the region of liberating doubt, and it keeps alive our sense of wonder by showing familiar things in an unfamiliar aspect. Philosophy is to be studied, not for the sake of any definite answers to its questions since no definite answers can, as a rule, be known to be true, but rather for the sake of the questions themselves; because these questions enlarge our conception of what is possible, enrich our intellectual imagination and diminish the dogmatic assurance which closes the mind against speculation; but above all because, through the greatness of the universe which philosophy contemplates, the mind also is rendered great, and becomes capable of that union with the universe which constitutes its highest good.

According to the passage the phrase - "feeling of certainty as to what things are" - is being associated with which of following terms used in the passage?

(1) Intellectual Imagination (2) Dogmatism
(3) Speculation (4) Deliberate Reason

दर्शन शास्त्र का महत्व मुख्यतः उसकी अनिश्चितता में खोजा जाना चाहिए. कोई व्यक्ति जिसे दर्शन शास्त्र का ज्ञान नहीं एसे पूर्वाग्रहों की कैद में अपना जीवन व्यतीत करता है जिनका निर्माण, किसी व्यक्ति के राष्ट्र तथा सामान्य परिवेश से जुडी आदतगत मान्यताओं तथा एसे विश्वासों से जनित लोकमान्यताओं से होता है जो उसके विचारशील तर्क स्वीकृति अथवा सहयोग के बिना ही उत्पन्न हो गए होते हैं. एसे व्यक्ति के लिए संसार निश्चित, सीमित तथा सुस्पष्ट हो जाता है; सामान्य विषय पर उसके लिए कोई पृष्न नहीं उठते, अन्जानी संभाव्यताएं उसके द्वारा पूर्वाग्रहों द्वारा अस्वीकृत कर दी जाती हैं. उसके विपरीत हम जैसे ही दार्शनिक-चिंतन आरम्भ करते हैं, हम पाते हैं कि प्रतिदिन वस्तुएं भी एसे पृष्नों से पूर्ण हो जाती हैं जिसके केवल अपूर्ण उत्तर ही दिए जा सकते हैं. दर्शन-शास्त्र हालाँकि अपने द्वारा उठाये गए संशयों का निश्चित उत्तर नहीं दे पता, परन्तु वह हमें बहुत सी संभावनायें जरूर दर्शा देता है जिससे हमारी सोच का दायरा बढ़ता है तथा हमारी सोच को परम्पराओं के बंधन से मुक्ति मिलती है. इससे एसे लोगों की हठी रूढ़ीवादिता का वरण होता है, जिन्होंने स्वतन्त्रतादायी संशय के क्षेत्र में कभी प्रवेश ही नहीं किया तथा यह जानी-पहचानी वस्तुओं को अनजाने परिपेक्षों में प्रस्तुत कर हमारे अश्चार्यबोध को भी सजीव रखता है.

दर्शन-शास्त्र को निश्चित उत्तरों के लिए नहीं पढ़ा जाना चाहिए क्योंकि किन्ही भी उत्तरों को कभी भी निश्चितता के साथ सही नहीं जाना जा सकता. बल्कि इसे पृष्नों के महत्व के लिए ही पढ़ा जाना चाहिए क्योंकि पृष्न संभावनाओं की हमारी समझ को बढ़ाते हैं, हमारी बोधिक कल्पना को संवर्धित करते हैं, तथा एसी रूढ़िगत सुनिश्चितता का वरण करते हैं जो हमारी बुद्धि की विचारशीलता को सीमित करती हैं; किन्तु सर्वोपरि इसे इसलिए पढ़ा जाना चाहिए, क्योंकि दर्शन-शास्त्र विश्व की जिस विशालता का मनन करता है जिससे बुद्धि भी उसी विशालता को प्राप्त करती है तथा उस ब्रह्माण्ड से तादात्म्य स्थापित करती है जिससे परमशुभ का निर्माण होता है.

गद्यांश के अनुसार वाक्यांश - "वस्तुएं क्या हैं इस विषय में निश्चितता" - निम्नलिखित में से किस विषय से जुड़ा है?

(1) बौद्धिक कल्पनाशीलता (2) मताग्रह/रूढ़िवादिता

(3) पूकाल्पना/मीमान्सीय चिंतन (4) मंतृणा तर्कबुद्धि

गद्यांश के अनुसार सूक्ति -"क्या चीजें हैं के रूप में निश्चितता की भावना "गद्यांश में प्रयुक्त किस निम्नलिखित पद से साहचर्य रखता है?

(1) बौद्धिक कल्पना (2) मतान्धता
(3) चिंतन (4) विवेकशील तर्कबुद्धि

[Question ID = 5939][Question Description = Q94_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22943]
2. 2 [Option ID = 22944]
3. 3 [Option ID = 22945]
4. 4 [Option ID = 22946]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22943]

5) Read the passage and answer the following question:-

Value of Philosophy The value of philosophy is, in fact, to be sought largely in its very uncertainty. The man who has no tincture of philosophy goes through life imprisoned in the prejudices derived from common sense, from the habitual beliefs

of his age or his nation, and from convictions which have grown up in his mind without the co-operation or consent of his deliberate reason. To such a man the world tends to become definite, finite, obvious; common objects rouse no questions, and unfamiliar possibilities are contemptuously rejected. As soon as we begin to philosophize, on the contrary, we find that even the most everyday things lead to problems to which only very incomplete answers can be given. Philosophy, though unable to tell us with certainty what is the true answer to the doubts which it raises, is able to suggest many possibilities which enlarge our thoughts and free them from the tyranny of custom. Thus, while diminishing our feeling of certainty as to what things are, it greatly increases our knowledge as to what they may be; it removes the somewhat arrogant dogmatism of those who have never travelled into the region of liberating doubt, and it keeps alive our sense of wonder by showing familiar things in an unfamiliar aspect. Philosophy is to be studied, not for the sake of any definite answers to its questions since no definite answers can, as a rule, be known to be true, but rather for the sake of the questions themselves; because these questions enlarge our conception of what is possible, enrich our intellectual imagination and diminish the dogmatic assurance which closes the mind against speculation; but above all because, through the greatness of the universe which philosophy contemplates, the mind also is rendered great, and becomes capable of that union with the universe which constitutes its highest good.

Which of the following is a crucial contributing factor to the Value of Philosophy according to the author of the passage?

(1) Adhering to certainty (2) Adhering to definite answers
(3) Unquestioned assurance (4) Questions that we raise as philosophers

दर्शन शास्त्र का महत्व मुख्यतः उसकी अनिश्चितता में खोजा जाना चाहिए. कोई व्यक्ति जिसे दर्शन शास्त्र का ज्ञान नहीं एसे पूर्वाग्रहों की कैद में अपना जीवन व्यतीत करता है जिनका निर्माण, किसी व्यक्ति के राष्ट्र तथा सामान्य परिवेश से जुडी आदतगत मान्यताओं तथा एसे विश्वासों से जनित लोकमान्यताओं से होता है जो उसके विचारशील तर्क स्वीकृति अथवा सहयोग के बिना ही उत्पन्न हो गए होते हैं. एसे व्यक्ति के लिए संसार निश्चित, सीमित तथा सुस्पष्ट हो जाता है; सामान्य विषय पर उसके लिए कोई प्रश्न नहीं उठते, अन्जानी संभाव्यताएं उसके द्वारा पूर्वाग्रहों द्वारा अस्वीकृत कर दी जाती हैं. उसके विपरीत हम जैसे ही दार्शनिक-चिंतन आरम्भ करते हैं, हम पाते हैं कि प्रतिदिन वस्तुएं भी एसे प्रश्नों से पूर्ण हो जाती हैं जिसके केवल अपूर्ण उत्तर ही दिए जा सकते हैं. दर्शन-शास्त्र हालाँकि अपने द्वारा उठाये गए संशयों का निश्चित उत्तर नहीं दे पता, परन्तु वह हमें बहुत सी संभावनायें जरूर दर्शा देता है जिससे हमारी सोच का दायरा बढ़ता है तथा हमारी सोच को परम्पराओं के बंधन से मुक्ति मिलती है. इससे एसे लोगों की हठी रूढ़ीवादिता का वरण होता है, जिन्होंने स्वतन्त्रतादायी संशय के क्षेत्र में कभी प्रवेश ही नहीं किया तथा यह जानी-पहचानी वस्तुओं को अनजाने परिपेक्षों में प्रस्तुत कर हमारे अश्चार्यबोध को भी सजीव रखता है.

दर्शन-शास्त्र को निश्चित उत्तरों के लिए नहीं पढ़ा जाना चाहिए क्योंकि किन्ही भी उत्तरों को कभी भी निश्चितता के साथ सही नहीं जाना जा सकता. बल्कि इसे प्रश्नों के महत्व के लिए ही पढ़ा जाना चाहिए क्योंकि प्रश्न संभावनाओं की हमारी समझ को बढ़ाते हैं, हमारी बोधिक कल्पना को संवर्धित करते हैं, तथा एसी रूढ़िगत सुनिश्चितता का वरण करते हैं जो हमारी बुद्धि की विचारशीलता को सीमित करती हैं; किन्तु सर्वोपरि इसे इसलिए पढ़ा जाना चाहिए, क्योंकि दर्शन-शास्त्र विश्व की जिस विशालता का मनन करता है जिससे बुद्धि भी उसी विशालता को प्राप्त करती है तथा उस ब्रह्माण्ड से तादात्म्य स्थापित करती है जिससे परमशुभ का निर्माण होता है.

गद्यांश के लेखक के अनुसार निम्नलिखित में से कौन दर्शन-शास्त्र के मूल्य में योगदान देने वाला एक महत्वपूर्ण घटक है?

(1) निश्चितता के साथ संसक्त होना

(2) निश्चित उत्तरों के साथ संसक्त होना

(3) अपरीक्षित आश्वासन

(4) प्रश्न जिन्हें हम दर्शनशास्त्री के रूप में पूछते हैं

[Question ID = 5940][Question Description = Q95_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22947]
2. 2 [Option ID = 22948]
3. 3 [Option ID = 22949]
4. 4 [Option ID = 22950]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22947]

Topic:- 03Philosophy_C_New

1) Read the passage and answer the following question:-

The Logicians intend to mean that word-interpenetrated perception may be analysed into two elements, viz. (1) its knowledge element and (2) its word-element. The knowledge-element represents perceptions. It is generated by the sense-organ. If it illuminates its object aright then it is piece of valid perceptual knowledge. Again, if its word-element, i.e., the designation of the above perception such as the apprehension of colour or that of taste is stressed upon then it does not discharge the function of an apprehension (i.e., the words, e.g., the apprehension of colour etc., do not reveal colour but simply signify an object). Thus, the word 'apprehension' plays the role of an object. Hence, in the capacity of a word, it is not at all, a piece of knowledge. Thus, there is no possibility of its being called a fifth type of valid knowledge, i.e., a new species of valid knowledge.
Though, in some cases, the recollection of the name of an object is one of the conditions of determinate perception yet it is not derived only from the knowledge of the word since the sense-organ plays the important role of a cause but the remembrance of the name plays the subordinate part of an accessory condition like a lamp to the eye.

Now, if the hypothesis that determinate perception is sense-perception is thus proved then a new difficulty is to be faced viz., indeterminate perception does not come within the province of perception.
On the other hand, some critics think that the so-called determinate perception is derived from the verbal testimony since it is a piece of verbalized knowledge. Now, a retort to this critical remark is as follows:
If even some word-interpenetrated knowledge is proved to be sense-perception then there is no doubt that apprehension which is absolutely free from the association with words is sense-perception.

The argument -"the recollection of the name of an object is one of the conditions of determinate perception yet it is not derived only from the knowledge of the word" is aimed to prevent equivocation between which of the following two kinds of cognitions?

(1) Śabda with Nirvikalpaka Pratyakṣa
(2) Savikalpaka Pratyakṣa with Upamāna
(3) Savikalpaka Pratyakṣa with śabda
(4) Nirvikalpaka Pratyakṣa with Savikalpaka Pratyakṣa

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा उसके बाद दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिये:

नैयायिकों के अनुसार शब्दाबद्ध प्रत्यक्ष को दो अवयवों में विश्लेषित किया जा सकता है (१) उसका ज्ञान-अवयव तथा (२) उसका शब्द-अवयव. ज्ञान अवयव प्रत्यक्ष को दर्शाता है तथा इन्द्रियों द्वारा जनित होता है. यदि वह अपने विषय को सही प्रकार से प्रकाशमान कर रहा है तो वह वैद्य प्रत्यक्ष-ज्ञान का अंश है. यदि उसके शब्द-अवयव जैसे की रंग, स्वाद का बोध के नाम को अधिक महत्व दिया जाये तब वह अपने अवबोध के कार्य का निष्पादन नहीं कर पायेगा (रंग से जुड़ा शब्द रंग का बोध तो कराता है किन्तु रंग की प्रस्तुति नहीं करता वरन केवल उसे विषय के रूप में इंगित करता है). अतः 'बोध' शब्द यहाँ विषय की भूमिका निभाता है. इसलिए शब्द की भूमिका में वह किसी भी रूप में ज्ञान का अंश नहीं है. इसलिए इसकी, पांचवें प्रकार के ज्ञान यानि वैद्य ज्ञान की नयी प्रजाति कहलाने, की कोई संभावना नहीं होती.

हालाँकि कुछ परिस्थितियों में वस्तु के नाम का संस्मरण सविकल्पक प्रत्यक्ष की शर्तों में से एक है, तब भी उसे शब्द के ज्ञान से जनित नहीं माना जा सकता क्योंकि इन्द्रियां वहां कारण की विशेष भूमिका निभाती हैं किन्तु संस्मरण यहाँ आँखों के देखने के लिए प्रकाश-स्रोत के सहायक भूमिका की तरह एक गौण भूमिका निभाता है.

अब यदि इस प्राक्कल्पना कि सविकल्पक प्रत्यक्ष इन्द्रिय-प्रत्यक्ष है को प्रमाणित मान भी लिया जाये तब एक नयी समस्या सामने आ जाती है कि निर्विकल्पक-प्रत्यक्ष प्रत्यक्ष की परिधि से बाहर चला जाता है.

दूसरी ओर कुछ समीक्षकों के अनुसार तथाकथित सविकल्पक प्रत्यक्ष शब्द-प्रमाण से ही जनित होता है क्योंकि वह शब्दिकृत ज्ञान का ही अंश है. इसका परिहार करने के लिए निम्नलिखित आलोचनात्मक टिप्पणी है:

यदि शब्दाबद्ध ज्ञान का इन्द्रिय-प्रत्यक्ष होना प्रमाणित मान भी लिया जाये तब यह निःसंशय कहा जा सकता है कि वह अवबोध जो शब्दबद्धता से बिलकुल स्वतन्त्र है इन्द्रिय प्रत्यक्ष होता है.

"कुछ परिस्थितियों में वस्तु के नाम का संस्मरण सविकल्पक प्रत्यक्ष की शर्तों में से एक है, तब भी उसे शब्द के ज्ञान से जनित नहीं माना जा सकता." इस तर्क का उद्देश्य संज्ञान के निम्नलिखित दो प्रकारों में से किनके बीच अनेकार्थता का निवारण करना है?

(1) निर्विकल्पक प्रत्यक्ष का शब्द के साथ

(2) उपमान का सविकल्पक प्रत्यक्ष के साथ

(3) शब्द का सविकल्पक प्रत्यक्ष से साथ

(4) सविकल्पक प्रत्यक्ष का निर्विकल्पक प्रत्यक्ष के साथ

[Question ID = 5941][Question Description = Q96_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22951]
2. 2 [Option ID = 22952]
3. 3 [Option ID = 22953]
4. 4 [Option ID = 22954]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22951]

2) Read the passage and answer the following question:-

The Logicians intend to mean that word-interpenetrated perception may be analysed into two elements, viz. (1) its knowledge element and (2) its word-element. The knowledge-element represents perceptions. It is generated by the sense-organ. If it illuminates its object aright then it is piece of valid perceptual knowledge. Again, if its word-element, i.e., the designation of the above perception such as the apprehension of colour or that of taste is stressed upon then it does not discharge the function of an apprehension (i.e., the words, e.g., the apprehension of colour etc., do not reveal colour but simply signify an object). Thus, the word 'apprehension' plays the role of an object. Hence, in the capacity of a word, it is not at all, a piece of knowledge. Thus, there is no possibility of its being called a fifth type of valid knowledge, i.e., a new species of valid knowledge.
Though, in some cases, the recollection of the name of an object is one of the conditions of determinate perception yet it is not derived only from the knowledge of the word since the sense-organ plays the important role of a cause but the remembrance of the name plays the subordinate part of an accessory condition like a lamp to the eye.
Now, if the hypothesis that determinate perception is sense-perception is thus proved then a new difficulty is to be faced

viz., indeterminate perception does not come within the province of perception.
On the other hand, some critics think that the so-called determinate perception is derived from the verbal testimony since it is a piece of verbalized knowledge. Now, a retort to this critical remark is as follows:
If even some word-interpenetrated knowledge is proved to be sense-perception then there is no doubt that apprehension which is absolutely free from the association with words is sense-perception.

Which of the following statements form a part of the overall theme of the given passage?

A. Deliniating the domain of knowledge by perception
B. Whether perception is only 'pure unverbalised seeing'
C. Whether perception should always have a determinate character
D. Whether perception is a valid source of knowledge

(1) A, B and D only (2) A, B and C only

(3) B and D only (4) B, C and D only

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा उसके बाद दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिये:

नैयायिकों के अनुसार शब्दाबद्ध प्रत्यक्ष को दो अवयवों में विश्लेषित किया जा सकता है (१) उसका ज्ञान-अवयव तथा (२) उसका शब्द-अवयव. ज्ञान अवयव प्रत्यक्ष को ददर्शाता है तथा इन्द्रियों द्वारा जनित होता है. यदि वह अपने विषय को सही प्रकार से प्रकाशमान कर रहा है तो वह वैद्य प्रत्यक्ष-ज्ञान का अंश है. यदि उसके शब्द-अवयव जैसे की रंग, स्वाद का बोध के नाम को अधिक महत्व दिया जाये तब वह अपने अवबोध के कार्य का निष्पादन नहीं कर पायेगा (रंग से जुड़ा शब्द रंग का बोध तो कराता है किन्तु रंग की प्रस्तुति नहीं करता वरन केवल उसे विषय के रूप में इंगित करता है). अतः 'बोध' शब्द यहाँ विषय की भूमिका निभाता है. इसलिए शब्द की भूमिका में वह किसी भी रूप में ज्ञान का अंश नहीं है. इसलिए इसकी, पांचवें प्रकार के ज्ञान यानि वैद्य ज्ञान की नयी प्रजाति कहलाने, की कोई संभावना नहीं होती.

हालाँकि कुछ परिस्थितियों में वस्तु के नाम का संस्मरण सविकल्पक प्रत्यक्ष की शर्तों में से एक है, तब भी उसे शब्द के ज्ञान से जनित नहीं माना जा सकता क्योंकि इन्द्रियां वहां कारण की विशेष भूमिका निभाती हैं किन्तु संस्मरण यहाँ आँखों के देखने के लिए प्रकाश-स्रोत के सहायक भूमिका की तरह एक गौण भूमिका निभाता है.

अब यदि इस प्राक्कल्पना कि सविकल्पक प्रत्यक्ष इन्द्रिय-प्रत्यक्ष है को प्रमाणित मान भी लिया जाये तब एक नयी समस्या सामने आ जाती है कि निर्विकल्पक-प्रत्यक्ष प्रत्यक्ष की परिधि से बाहर चला जाता है.

दूसरी ओर कुछ समीक्षकों के अनुसार तथाकथित सविकल्पक प्रत्यक्ष शब्द-प्रमाण से ही जनित होता है क्योंकि वह शब्दिकृत ज्ञान का ही अंश है. इसका परिहार करने के लिए निम्नलिखित आलोचनात्मक टिप्पणी है:

यदि शब्दाबद्ध ज्ञान का इन्द्रिय-प्रत्यक्ष होना प्रमाणित मान भी लिया जाये तब यह निःसंशय कहा जा सकता है कि वह अवबोध जो शब्दबद्धता से बिलकुल स्वतन्त्र है इन्द्रिय प्रत्यक्ष होता है.

निम्नलिखित में से कौन से कथन दिए गए गद्यांश के समग्र मूल विषय के भाग हैं?

A. प्रत्यक्ष द्वारा ज्ञान के क्षेत्र का वर्णन.

B. क्या प्रत्यक्ष केवल 'विशुद्ध शब्द-रहित अवलोकन' है.

C. क्या प्रत्यक्ष का हमेशा एक निर्धारित स्वरूप होना चाहिए.

D. क्या प्रत्यक्ष ज्ञान का वैद्य स्रोत है.

(1) केवल A, B और D

(2) केवल A, B और C

(3) केवल B और D

(4) केवल B, C और D

[Question ID = 5942][Question Description = Q97_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22955]
2. 2 [Option ID = 22956]
3. 3 [Option ID = 22957]
4. 4 [Option ID = 22958]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22955]

3) Read the passage and answer the following question:-

The Logicians intend to mean that word-interpenetrated perception may be analysed into two elements, viz. (1) its knowledge element and (2) its word-element. The knowledge-element represents perceptions. It is generated by the sense-organ. If it illuminates its object aright then it is piece of valid perceptual knowledge. Again, if its word-element, i.e., the designation of the above perception such as the apprehension of colour or that of taste is stressed upon then it

does not discharge the function of an apprehension (i.e., the words, e.g., the apprehension of colour etc., do not reveal colour but simply signify an object). Thus, the word 'apprehension' plays the role of an object. Hence, in the capacity of a word, it is not at all, a piece of knowledge. Thus, there is no possibility of its being called a fifth type of valid knowledge, i.e., a new species of valid knowledge.
Though, in some cases, the recollection of the name of an object is one of the conditions of determinate perception yet it is not derived only from the knowledge of the word since the sense-organ plays the important role of a cause but the remembrance of the name plays the subordinate part of an accessory condition like a lamp to the eye.
Now, if the hypothesis that determinate perception is sense-perception is thus proved then a new difficulty is to be faced viz., indeterminate perception does not come within the province of perception.
On the other hand, some critics think that the so-called determinate perception is derived from the verbal testimony since it is a piece of verbalized knowledge. Now, a retort to this critical remark is as follows:
If even some word-interpenetrated knowledge is proved to be sense-perception then there is no doubt that apprehension which is absolutely free from the association with words is sense-perception.

What according to the author of the passage is the most appropriate condition to be fulfilled for perceptual knowledge to be deemed as valid?

(1) It is indeterminate in character
(2) It corresponds to the actual nature of the object thus revealed
(3) It is determinate in character
(4) It is both indeterminate and determinate in character

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा उसके बाद दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिये:

नैयायिकों के अनुसार शब्दाबद्ध प्रत्यक्ष को दो अवयवों में विश्लेषित किया जा सकता है (१) उसका ज्ञान-अवयव तथा (२) उसका शब्द-अवयव. ज्ञान अवयव प्रत्यक्ष को दर्शाता है तथा इन्द्रियों द्वारा जनित होता है. यदि वह अपने विषय को सही प्रकार से प्रकाशमान कर रहा है तो वह वैद्य प्रत्यक्ष-ज्ञान का अंश है. यदि उसके शब्द-अवयव जैसे की रंग, स्वाद का बोध के नाम को अधिक महत्व दिया जाये तब वह अपने अवबोध के कार्य का निष्पादन नहीं कर पायेगा (रंग से जुड़ा शब्द रंग का बोध तो कराता है किन्तु रंग की प्रस्तुति नहीं करता वरन केवल उसे विषय के रूप में इंगित करता है). अतः 'बोध' शब्द यहाँ विषय की भूमिका निभाता है. इसलिए शब्द की भूमिका में वह किसी भी रूप में ज्ञान का अंश नहीं है. इसलिए इसकी, पांचवें प्रकार के ज्ञान यानि वैद्य ज्ञान की नयी प्रजाति कहलाने, की कोई संभावना नहीं होती.

हालाँकि कुछ परिस्थितियों में वस्तु के नाम का संस्मरण सविकल्पक प्रत्यक्ष की शर्तों में से एक है, तब भी उसे शब्द के ज्ञान से जनित नहीं माना जा सकता क्योंकि इन्द्रियां वहां कारण की विशेष भूमिका निभाती हैं किन्तु संस्मरण यहाँ आँखों के देखने के लिए प्रकाश-स्रोत के सहायक भूमिका की तरह एक गौण भूमिका निभाता है.

अब यदि इस प्राक्कल्पना कि सविकल्पक प्रत्यक्ष इन्द्रिय-प्रत्यक्ष है को प्रमाणित मान भी लिया जाये तब एक नयी समस्या सामने आ जाती है कि निर्विकल्पक-प्रत्यक्ष प्रत्यक्ष की परिधि से बाहर चला जाता है.

दूसरी ओर कुछ समीक्षकों के अनुसार तथाकथित सविकल्पक प्रत्यक्ष शब्द-प्रमाण से ही जनित होता है क्योंकि वह शब्दिकृत ज्ञान का ही अंश है. इसका परिहार करने के लिए निम्नलिखित आलोचनात्मक टिप्पणी है:

यदि शब्दाबद्ध ज्ञान का इन्द्रिय-प्रत्यक्ष होना प्रमाणित मान भी लिया जाये तब यह निःसंशय कहा जा सकता है कि वह अवबोध जो शब्दबद्धता से बिलकुल स्वतन्त्र है इन्द्रिय प्रत्यक्ष होता है.

गद्यांश के लेखक के अनुसार प्रत्यक्ष ज्ञान को वैद्य माने जाने के लिए उपयुक्त शर्त क्या है?

(1) वह स्वरूपगत निर्विकल्पक होता है

(2) वह तद्प्रकाशित वस्तु के वास्तविक रूप के अनुरूप होता है.

(3) वह स्वरूपगत सविकल्पक होता है.

(4) वह स्वरूपगत निर्विकल्पक तथा सविकल्पक दोनों होता है.

[Question ID = 5943][Question Description = Q98_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22959]
2. 2 [Option ID = 22960]
3. 3 [Option ID = 22961]
4. 4 [Option ID = 22962]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22959]

4) Read the passage and answer the following question:-

The Logicians intend to mean that word-interpenetrated perception may be analysed into two elements, viz. (1) its knowledge element and (2) its word-element. The knowledge-element represents perceptions. It is generated by the sense-organ. If it illuminates its object aright then it is piece of valid perceptual knowledge. Again, if its word-element, i.e., the designation of the above perception such as the apprehension of colour or that of taste is stressed upon then it does not discharge the function of an apprehension (i.e., the words, e.g., the apprehension of colour etc., do not reveal colour but simply signify an object). Thus, the word 'apprehension' plays the role of an object. Hence, in the capacity of a word, it is not at all, a piece of knowledge. Thus, there is no possibility of its being called a fifth type of valid knowledge,

i.e., a new species of valid knowledge.
Though, in some cases, the recollection of the name of an object is one of the conditions of determinate perception yet it is not derived only from the knowledge of the word since the sense-organ plays the important role of a cause but the remembrance of the name plays the subordinate part of an accessory condition like a lamp to the eye.
Now, if the hypothesis that determinate perception is sense-perception is thus proved then a new difficulty is to be faced viz., indeterminate perception does not come within the province of perception.
On the other hand, some critics think that the so-called determinate perception is derived from the verbal testimony since it is a piece of verbalized knowledge. Now, a retort to this critical remark is as follows:
If even some word-interpenetrated knowledge is proved to be sense-perception then there is no doubt that apprehension which is absolutely free from the association with words is sense-perception.

Which of the following statements is true with regard to the role of remembrance in knowledge according to the passage?

(1) Remembrance is an independent source of knowledge
(2) Remembrance of name gives a determinate character to perception
(3) Remembrance of name constitutes indeterminate character of all perception
(4) Remembrance of name is an invariable part of knowledge through similarity

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा उसके बाद दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिये:

नैयायिकों के अनुसार शब्दाबद्ध प्रत्यक्ष को दो अवयवों में विश्लेषित किया जा सकता है (१) उसका ज्ञान-अवयव तथा (२) उसका शब्द-अवयव. ज्ञान अवयव प्रत्यक्ष को दर्शाता है तथा इन्द्रियों द्वारा जनित होता है. यदि वह अपने विषय को सही प्रकार से प्रकाशमान कर रहा है तो वह वैध प्रत्यक्ष-ज्ञान का अंश है. यदि उसके शब्द-अवयव जैसे की रंग, स्वाद का बोध के नाम को अधिक महत्व दिया जाये तब वह अपने अवबोध के कार्य का निष्पादन नहीं कर पायेगा (रंग से जुड़ा शब्द रंग का बोध तो कराता है किन्तु रंग की प्रस्तुति नहीं करता वरन केवल उसे विषय के रूप में इंगित करता है). अतः 'बोध' शब्द यहाँ विषय की भूमिका निभाता है. इसलिए शब्द की भूमिका में वह किसी भी रूप में ज्ञान का अंश नहीं है. इसलिए इसकी, पांचवें प्रकार के ज्ञान यानि वैध ज्ञान की नयी प्रजाति कहलाने, की कोई संभावना नहीं होती.

हालाँकि कुछ परिस्थितियों में वस्तु के नाम का संस्मरण/स्मृति सविकल्पक प्रत्यक्ष की शर्तों में से एक है, तब भी उसे शब्द के ज्ञान से जनित नहीं माना जा सकता क्योंकि इन्द्रियां वहां कारण की विशेष भूमिका निभाती हैं किन्तु संस्मरण यहाँ आँखों के देखने के लिए प्रकाश-स्रोत के सहायक भूमिका की तरह एक गौण भूमिका निभाता है.

अब यदि इस प्राक्कल्पना कि सविकल्पक प्रत्यक्ष इन्द्रिय-प्रत्यक्ष है को प्रमाणित मान भी लिया जाये तब एक नयी समस्या सामने आ जाती है कि निर्विकल्पक-प्रत्यक्ष प्रत्यक्ष की परिधि से बाहर चला जाता है.

दूसरी ओर कुछ समीक्षकों के अनुसार तथाकथित सविकल्पक प्रत्यक्ष शब्द-प्रमाण से ही जनित होता है क्योंकि वह शब्दिकृत ज्ञान का ही अंश है. इसका परिहार करने के लिए निम्नलिखित आलोचनात्मक टिप्पणी है:

यदि शब्दाबद्ध ज्ञान का इन्द्रिय-प्रत्यक्ष होना प्रमाणित मान भी लिया जाये तब यह निःसंशय कहा जा सकता है कि वह अवबोध जो शब्दबद्धता से बिलकुल स्वतन्त्र है इन्द्रिय प्रत्यक्ष होता है.

गद्यांश के अनुसार ज्ञान में स्मृति/संस्मरण की भूमिका के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन स कथन सही है?

(1) स्मृति ज्ञान का स्वतन्त्र स्रोत है

(2) नाम की स्मृति प्रत्यक्ष को एक सविकल्पक रूप प्रदान करता है.

(3) नाम की स्मृति समस्त प्रत्यक्ष को निर्विकल्पक रूप प्रदान करता है.

(4) नाम की स्मृति उपमिति का अपरिहार्य भाग है.

[Question ID = 5944][Question Description = Q99_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]
1. 1 [Option ID = 22963]
2. 2 [Option ID = 22964]
3. 3 [Option ID = 22965]
4. 4 [Option ID = 22966]

Correct Answer :-
- 1 [Option ID = 22963]

5) Read the passage and answer the following question:-

The Logicians intend to mean that word-interpenetrated perception may be analysed into two elements, viz. (1) its knowledge element and (2) its word-element. The knowledge-element represents perceptions. It is generated by the sense-organ. If it illuminates its object aright then it is piece of valid perceptual knowledge. Again, if its word-element, i.e., the designation of the above perception such as the apprehension of colour or that of taste is stressed upon then it does not discharge the function of an apprehension (i.e., the words, e.g., the apprehension of colour etc., do not reveal colour but simply signify an object). Thus, the word 'apprehension' plays the role of an object. Hence, in the capacity of a word, it is not at all, a piece of knowledge. Thus, there is no possibility of its being called a fifth type of valid knowledge, i.e., a new species of valid knowledge.
Though, in some cases, the recollection of the name of an object is one of the conditions of determinate perception yet it is

not derived only from the knowledge of the word since the sense-organ plays the important role of a cause but the remembrance of the name plays the subordinate part of an accessory condition like a lamp to the eye.
Now, if the hypothesis that determinate perception is sense-perception is thus proved then a new difficulty is to be faced viz., indeterminate perception does not come within the province of perception.
On the other hand, some critics think that the so-called determinate perception is derived from the verbal testimony since it is a piece of verbalized knowledge. Now, a retort to this critical remark is as follows:
If even some word-interpenetrated knowledge is proved to be sense-perception then there is no doubt that apprehension which is absolutely free from the association with words is sense-perception.

Which of the following statements most appropriately represents the position of the author of the passage regarding perceptual knowledge?

(1) Author accepts only indeterminate cognition as perception
(2) Author accepts only determinate cognition as perception
(3) Author accepts both determinate and indeterminate cognition as perception
(4) Author makes no difference between perception and inference as sources of knowledge

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा उसके बाद दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिये:

नैयायिकों के अनुसार शब्दाबद्ध प्रत्यक्ष को दो अवयवों में विश्लेषित किया जा सकता है (१) उसका ज्ञान-अवयव तथा (२) उसका शब्द-अवयव. ज्ञान अवयव प्रत्यक्ष को दर्शाता है तथा इन्द्रियों द्वारा जनित होता है. यदि वह अपने विषय को सही प्रकार से प्रकाशमान कर रहा है तो वह वैध प्रत्यक्ष-ज्ञान का अंश है. यदि उसके शब्द-अवयव जैसे की रंग, स्वाद का बोध के नाम को अधिक महत्व दिया जाये तब वह अपने अवबोध के कार्य का निष्पादन नहीं कर पायेगा (रंग से जुड़ा शब्द रंग का बोध तो कराता है किन्तु रंग की प्रस्तुति नहीं करता वरन केवल उसे विषय के रूप में इंगित करता है). अतः 'बोध' शब्द यहाँ विषय की भूमिका निभाता है. इसलिए शब्द की भूमिका में वह किसी भी रूप में ज्ञान का अंश नहीं है. इसलिए इसकी, पांचवें प्रकार के ज्ञान यानि वैध ज्ञान की नयी प्रजाति कहलाने, की कोई संभावना नहीं होती.

हालाँकि कुछ परिस्थितियों में वस्तु के नाम का संस्मरण सविकल्पक प्रत्यक्ष की शर्तों में से एक है, तब भी उसे शब्द के ज्ञान से जनित नहीं माना जा सकता क्योंकि इन्द्रियां वहां कारण की विशेष भूमिका निभाती हैं किन्तु संस्मरण यहाँ आँखों के देखने के लिए प्रकाश-स्रोत के सहायक भूमिका की तरह एक गौण भूमिका निभाता है.

अब यदि इस प्रावकल्पना कि सविकल्पक प्रत्यक्ष इन्द्रिय-प्रत्यक्ष है को प्रमाणित मान भी लिया जाये तब एक नयी समस्या सामने आ जाती है कि निर्विकल्पक-प्रत्यक्ष प्रत्यक्ष की परिधि से बाहर चला जाता है.

दूसरी ओर कुछ समीक्षकों के अनुसार तथाकथित सविकल्पक प्रत्यक्ष शब्द-प्रमाण से ही जनित होता है क्योंकि वह शब्दिकृत ज्ञान का ही अंश है. इसका परिहार करने के लिए निम्नलिखित आलोचनात्मक टिप्पणी है:

यदि शब्दाबद्ध ज्ञान का इन्द्रिय-प्रत्यक्ष होना प्रमाणित मान भी लिया जाये तब यह निःसंशय कहा जा सकता है कि वह अवबोध जो शब्दबद्धता से बिलकुल स्वतन्त्र है इन्द्रिय प्रत्यक्ष होता है.

प्रत्यक्ष ज्ञान के सम्बन्ध कें निम्नलिखित में से कौन सा कथन गद्यांश के लेखक के मत को सर्वाधिक उपयुक्त रूप में प्रस्तुत करता है?

(1) लेखक केवल निर्विकल्पक संज्ञान को ही प्रत्यक्ष के रूप में स्वीकार करता है.

(2) लेखक केवल सविकल्पक संज्ञान को ही प्रत्यक्ष के रूप में स्वीकार करता है.

(3) लेखक केवल निर्विकल्पक और सविकल्पक संज्ञान दोनों को प्रत्यक्ष के रूप में स्वीकार करता है.

(4) लेखक प्रमाण के रूप में प्रत्यक्ष और अनुमान के बीच कोई अंतर नहीं करता.

[Question ID = 5945][Question Description = Q100_03_Philosophy_SHAAN_20NOV21_Shift2_S1]

1. 1 [Option ID = 22967]
2. 2 [Option ID = 22968]
3. 3 [Option ID = 22969]
4. 4 [Option ID = 22970]

Correct Answer :-

- 1 [Option ID = 22967]